Ranchi • Tuesday, 23 January 2024 • Year : 02 • Issue : 07 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : 3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

प्रण की पूर्णाहुति

अवध में विराजे रामलला

देश में मनी दिवाली

500 सालों के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर अयोध्या में रामलला विराज चुके हैं। सोमवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत,उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ दिग्गजों की उपस्थिति में प्राण-प्रतिष्ठा पूरी की गई। बता दें कि अयोध्या राम मंदिर में सैंकड़ों साल के इंतजार के बाद प्रभु राम दुबारा विराजे है। उनके बाल रूप की प्राण-प्रतिष्ठा की गई है। उनकी छवि देख चारों ओर जय श्रीराम के नारे लगने शुरू हो गए। सुबह मंत्रोच्चार के साथ रामलला को जगाया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रों के साथ मंगलाचरण हुआ। 10 बजे से शंख समेत 50 से ज्यादा वाद्य यंत्रों की मंगल ध्वनि के साथ प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू हुआ। दोपहर 12.29 बजे प्राण-प्रतिष्ठा की मुख्य विधि शुरू हुई। 84 सेकेंड में ही मूर्ति में प्राण स्थापना हो गई। मंत्रोच्चार के साथ श्री रामलला के चरणों में जल छोड़ा, फिर अक्षत और पुष्प चढ़ाए। नैवेद्य लगाकर आरती के साथ पूजा पूरी की। इसके बाद रामलला को साष्टांग प्रणाम किया और संतों का आशीर्वाद लिया।

- 10 बजे से शंख समेत 50 से ज्यादा वाद्य यंत्रों की मंगल ध्वनि के साथ प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू हुआ
- दोपहर 12.29 बजे प्राण-प्रतिष्ठा की मुख्य विधि शुरू हुई
- 45 मिनट चली रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पूजा
- मंत्रोच्चार के साथ श्री रामलला के चरणों में जल छोड़ा, फिर अक्षत और पुष्प चढ़ाए

सुबह चार बजे जागेंगे रामलला दिन में दो घंटे करेंगे विश्राम

अयोध्या में राम मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूर्ण हो गया है। इसी के साथ 23 जनवरी से राम मंदिर में रामलला की पूजा का विधान तय हो गया है। इसके लिए श्री रामोपासना नाम से संहिता बनाई गई है। नियम के तहत सुबह तीन बजे से पूजन और श्रृंगार की तैयारी होगी। चार बजे रामलला को जगाया जाएगा। पहले पांच बार आरती होती थी, आगे भी वैसे ही होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के अनुसार, रामलला को हर घंटे फल-दूध का भोग लगेगा। हर रोज सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक मंदिर खुलेगा। प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं की ज्यादा संख्या को देखते हुए मंदिर में दर्शन की अवधि 14 से 15 घंटे हो सकती है। मंदिर के पुजारियों का कहना है कि 1949 में प्रकट हुए श्री रामलला के वस्त्रों का रंग दिन के अनुसार रहा है। ये परंपरा नए मंदिर में जारी रहेगी। रामलला सोमवार को सामान्य दिनों में सफेद वस्त्र धारण करते हैं, लेकिन विशेष अवसर पर पीले वस्त्र धारण करेंगे। भगवार राम मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को हल्का पीला या क्रीम कलर, शनिवार को नीला और रविवार को गुलाबी रंग के वस्त्र पहनेंगे। प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होने के बाद 23 जनवरी से ब्रह्म मुहूर्त में करीब 3 बजे से गर्भगृह की स्वच्छता करने, पूजन और श्रृंगार की तैयारी की जाएगी। 3.30 से 4 बजे के करीब, तय समय पर भगवान के दोनों विग्रह और श्रीयंत्र को मंत्रों से जगाया जाएगा। फिर मंगला आरती होगी। इसके बाद विग्रहों का अभिषेक, श्रृंगार भोग होगा। श्रृंगार आरती होगी। यह 4.30 से 5 तक होगी। सुबह आठ बजे से दर्शन शुरू होंगे। दोपहर, करीब एक बजे मध्याह्न में भोग आरती होगी। दो घंटे दर्शन बंद रहेंगे। भगवान विश्राम करेंगे। दोपहर तीन बजे से दर्शन फिर शुरू होंगे, जो रात 10 बजे तक लगातार जारी रहेंगे। इसी बीच, शाम सात बजे संध्या आरती होगी।

रामलला ने पहने 5 किलो सोने के आभूषण, एक हाथ में सोने का धनुष, दूसरे में बाण

हाथ-पैर में कड़ा, कमर में करधनी

रामलला सिंहासन पर विराजमान हो गए हैं। 5 साल के बालक रूप में विराजमान रामलला का सोने के आभूषणों से श्रृंगार देख लोग भाव-विभोर हो गए। ट्रस्ट सूत्रों के मुताबिक, 200 किलो की प्रतिमा को 5 किलो सोने के जेवरात पहनाए गए हैं। नख से ललाट तक भगवान जवाहरातों से सजे हुए हैं। रामलला ने सिर पर सोने का मुकुट पहना है। मुकुट में माणिक्य, पन्ना और हीरे लगे हैं। बीच में सूर्य अंकित हैं। दायीं ओर मोतियों की लड़ियां हैं। वहीं, कुंडल में मयूर आकृतियां बनी हैं। इसमें भी सोना, हीरा, माणिक्य और पन्ना लगा है। ललाट पर मंगल तिलक है। इसे हीरे और माणिक्य से बनाया है। कमर में रत्न जड़ित करधनी है। इसमें छोटी-छोटी पांच घंटियां भी लगाई हैं। दोनों हाथों में रत्न जड़े कंगन हैं। बाएं हाथ में सोने का धनुष और दाहिने में सोने का बाण है। भगवान के दोनों हाथ और दोनों पैर में सोने का कड़ा है। दाहिने हाथ के अंगूठे में एक अंगुठी है। रामलला के चरणों में सोने की माला से सजा कमल है। भगवान के सामने खेलने के लिए चांदी से बने खिलौने रखे हैं। इनमें झुनझुना, हाथी, घोड़ा, ऊंट, खिलौना गाड़ी है। लखनऊ में तैयार हुए आभूषण राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, रामलला के आभूषणों को अध्यात्म रामायण, वाल्मिकी रामायण, श्रीरामचरिमानस और आलवंदार स्तोत्र का अध्ययन करके तैयार किया गया है।

पीएम का भाषण राम-राम से शुरू, जय सियाराम पर खत्म

114 बार राम नाम लिया, कहा- कुछ लोग कहते थे, मंदिर बना तो आग लग जाएगी

AGENCY AYODHYA :
अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सोमवार को पूरा हो गया। मोदी बतौर मुख्य यजमान हल्के पीले रंग की धोती और कुर्ता पहनकर 12 बजे मंदिर परिसर में पहुंचे। उनके हाथ में एक थाल थी, जिसमें श्रीरामलला का चांदी का छत्र था। संकल्प के साथ प्राण प्रतिष्ठा की विधि 12 बजकर 5 मिनट पर शुरू हुई, जो 1 घंटे से ज्यादा समय तक चली। प्रधानमंत्री ने भगवान की आरती कर चंवर डुलाया। मुख्य पुजारी सत्येन्द्र दास से कलावा बंधवाया और उनके पैर छुए। इसके बाद उन्होंने श्रीरामलला की परिक्रमा की और साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के भी पैर छुए। संतों ने उन्हें सोने की अंगूठी भेंट की। मोदी ने मंदिर के गर्भगृह से बाहर आकर अपना 11 दिन का व्रत भी तोड़ा। लोगों को 35 मिनट संबोधित किया। भाषण राम-राम से शुरू होकर जय सियाराम पर खत्म हुआ। राम के नाम का जिक्र 114 बार किया। उन्होंने कहा- कुछ लोग कहते थे, मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है।

राम को लेकर विवाद पर

प्रधानमंत्री ने कहा- कई राष्ट्र अपने ही इतिहास में उलझ जाते हैं। जब भी उन्होंने इतिहास की गांठें सुलझाने का प्रयास किया मुश्किल परिस्थितियां बन गईं। हमने जिस गांठ को भावुकता और समझदारी के साथ खोला है, वो बताता है कि भविष्य बहुत सुंदर होने जा रहा है। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है। राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। ये मंदिर महज देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत का विचार-विधान है। राम भारत का चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता है। राम विश्व हैं, विश्वात्मा हैं।

रामलला अब टेंट में नहीं, दिव्य मंदिर में रहेंगे : मोदी

मोदी ने कहा रामलला अब टेंट में नहीं, दिव्य मंदिर में रहेंगे। राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। लोग इसे हजारों साल याद करेंगे। पीएम ने कहा- आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज शाम घर-घर राम ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारी है। पीएम ने कहा- अपने 11 दिन के व्रत-अनुष्ठान के दौरान मैंने उन स्थानों का चरणस्पर्श करने का प्रयास किया, जहां प्रभु राम के चरण पड़े थे। मेरा सौभाग्य है कि इसी पुनीत पवित्र भाव के साथ मुझे सागर से सरयू तक की यात्रा का अवसर मिला। पीएम ने कहा- मैं प्रभु राम से क्षमा याचना करता हूं। हमारे त्याग, तपस्या, पूजा में कोई तो कमी रह गई होगी कि इतने साल मंदिर निर्माण का काम नहीं हो पाया। आज ये कमी पूरी हुई। भारत के संविधान की पहली प्रति में राम विराजमान हैं। दशकों तक प्रभु राम के अस्तित्व पर कानूनी लड़ाई चली। मैं न्यायपालिका का शुक्रगुजार हूं कि उसने लाज रख ली।

प्राण प्रतिष्ठा में मुकेश-नीता अंबानी, अमिताभ, रजनीकांत शामिल हुए, मूर्तिकार योगीराज बोले- मैं सबसे भाग्यशाली

लखनऊ : समारोह के बीच बॉलीवुड सेलिब्रिटीज सेल्फी लेते हुए। इनमें विक्की कौशल, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, आयुष्मान खुराना, रोहित शेट्टी, राजकुमार हीरानी, माधुरी दीक्षित और उनके पति श्रीराम नेने नजर आ रहे हैं। अयोध्या के राम मंदिर में सोमवार 22 जनवरी को तय मुहूर्त पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई। इसमें दिग्गज बिजनेसमैन, बॉलीवुड और साउथ के कई सेलिब्रिटीज पहुंचे। फिल्मी हस्तियों में अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रजनीकांत, चिरंजीवी और उनका बेटा राम चरण, माधुरी दीक्षित और उनके पति डॉ. श्रीराम नेने, कंगना रणोट, रणबीर कपूर-आलिया भट्ट, रणदीप हुड्डा और पत्नी लिन लैशराम, विक्की कौशल और पत्नी कटरीना कैफ, सिंगर सोनू निगम, हरिहरन, शंकर महादेवन, डायरेक्टर-प्रोड्यूसर सुभाष घई, राजकुमार हीरानी और मधुर भंडारकर शामिल हुए। दिग्गज उद्योगपति रिलायंस ग्रुप के मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता, अनिल अंबानी, बिड़ला ग्रुप के कुमार मंगलम बिड़ला, एयरटेल के मालिक सुनील भारती मित्तल साउथ भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह का हिस्सा बने गर्भगृह में स्थापित रामलला की प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज भी समारोह में पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं दुनिया का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति हूं। वहीं, कार्यक्रम में शामिल होने से पहले अनुपम खेर ने हनुमानगढ़ी में दर्शन किए। कहा, प्रभु राम के पास जाने से पहले हनुमान जी के दर्शन करना बहुत जरूरी है। हिंदू धर्म में ऐसा माहौल पहले कभी नहीं देखा।

गलियों में गोलियां नहीं भजन गूंजेंगी : योगी

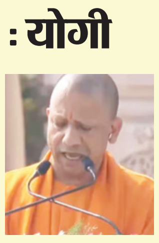

योगी ने कहा कि रामलला सिहांसन पर बैठ रहे हैं। भारत को इसी दिन की प्रतीक्षा थी। रामलला की क्षवि बिल्कुल वैसी है जैसा तुलसीदास ने कहा था। भाग्यवान है आज की पीढ़ी जो इस पल के साक्षी बन रहे हैं। आज पूरी दुनिया अयोध्या के वैभव के निहार रही है। अयोध्या नगरी विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है। योगी ने कहा, 'प्रभु राम लला के भव्य, दिव्य और नव्य धाम में विराजने की आप सभी को कोटि-कोटि बधाई... मन भावुक है... निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे... आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर नगर, हर ग्राम अयोध्या धाम है... हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी है। हर जुबान राम नाम जप रही है।

रामलला के साथ भारत का स्वर लौट कर आया : मोहन

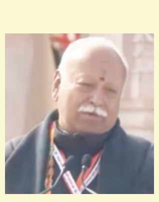

मोहन भागवत ने कहा, 'अयोध्या में रामलला के साथ भारत का स्वर लौट कर आया है। पूरे विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत खड़ा होके रहेगा। आज का कार्यक्रम इसका प्रतीक है। जोश की बातों में होश की बातें करने का काम मुझे सौंपा जाता है। मोहन भागवत ने कहा, प्रधानमंत्री जी ने तप किया, अब हमें भी तप करना है। राम राज कैसा था, यह याद रखना है। हम भी भारत वर्ष की संतानें हैं। कोटि-कोटि कंठ हमारे हैं, जो जयगान करते हैं। हमें अच्छा व्यवहार रखने का तप-आचरण करना होगा। हमें भी सारे कलह को विदाई देनी होगी। छोटे-छोटे परस्पर मत रहते हैं, छोटे-छोटे विवाद रहते हैं। उसे लेकर लड़ाई करने की आदत छोड़नी पड़ेगी।' भागवत ने कहा, 'सत्य कहता है कि सभी घटकों राम हैं। हमें समन्वय से चलना होगा।

दर्शन को बेकाबू हुई जनता, वीआईपी फंसे

अयोध्या राम मंदिर के गर्भगृह में विधिवत रामलला की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद अयोध्या में भगदड़ मच गई। कई वीवीआईं जनता के बीच में फंस गए। इस दौरान पुलिस की व्यवस्थाएं भी कमजोर दिखाई दीं। जानकारी के अनुसार, प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होने के बाद जनता मंदिर में रामलला के दर्शन करने के लिए बेकाबू हो गई। अयोध्या में अलग-अलग रूट बनाए गए थे। इसके बाद भी कई सेलिब्रिटी ट्रैफिक में फंस गए। साउथ के सुपरस्टार धनुष, सिंगर सोनू निगम और कैलाश खेर जैसी कई हस्तियों को भीड़ ने घेर लिया। मंदिर के गेट पर लोगों का जमावड़ा देखने को मिला। मंदिर से निकलते ही सितारों को पब्लिक ने घेर लिया। मेहमानों को जद्दोजहद के बाद उनकी गाड़ियों तक पहुंचाया जा रहा है।

रामलला टेंट में नहीं, अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे

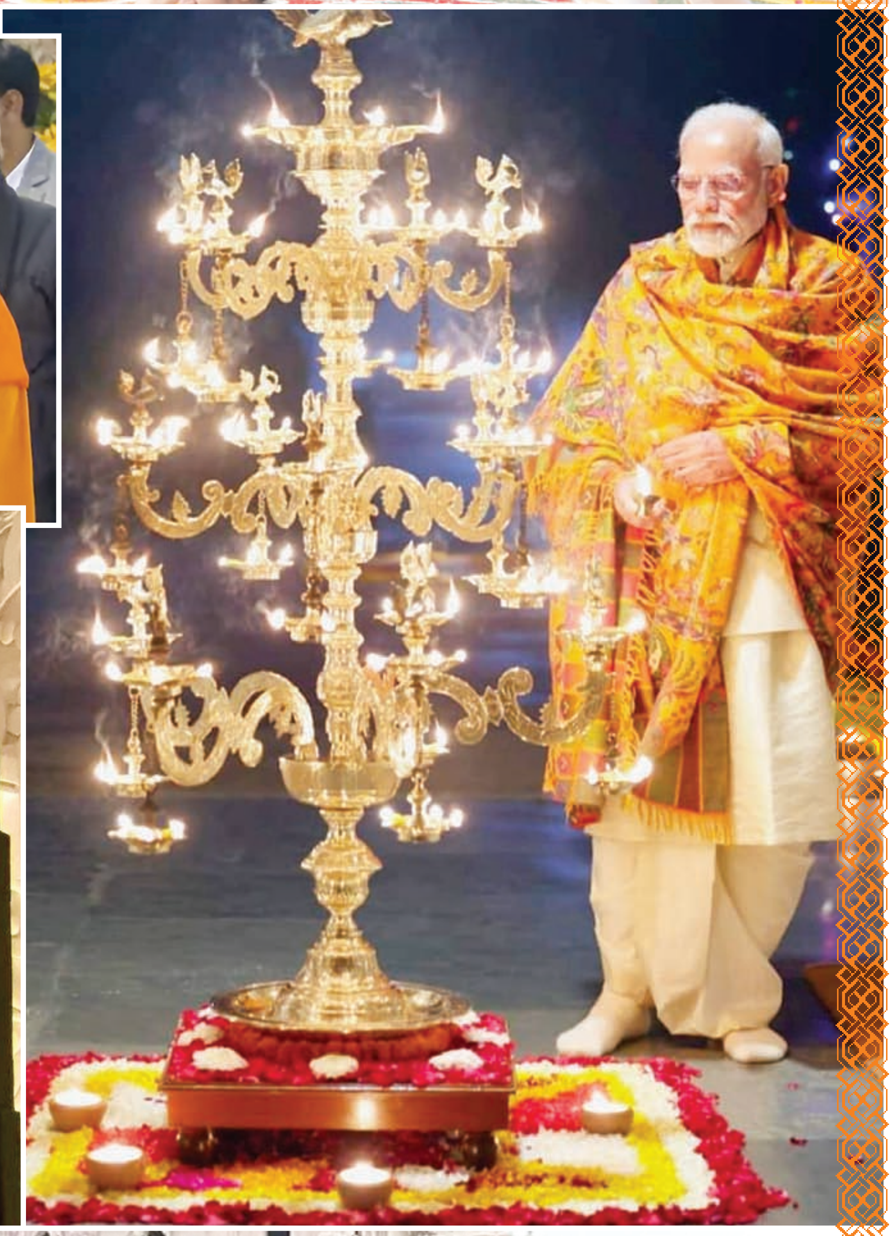

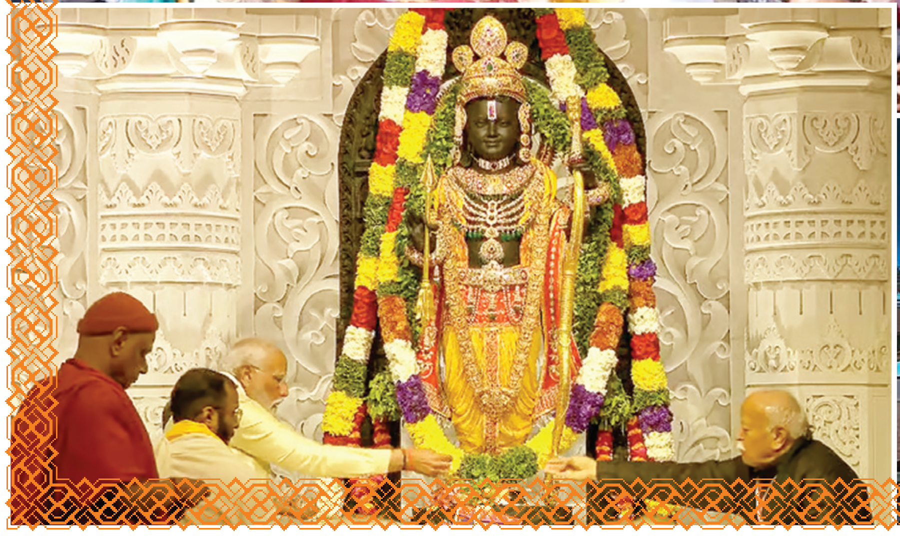

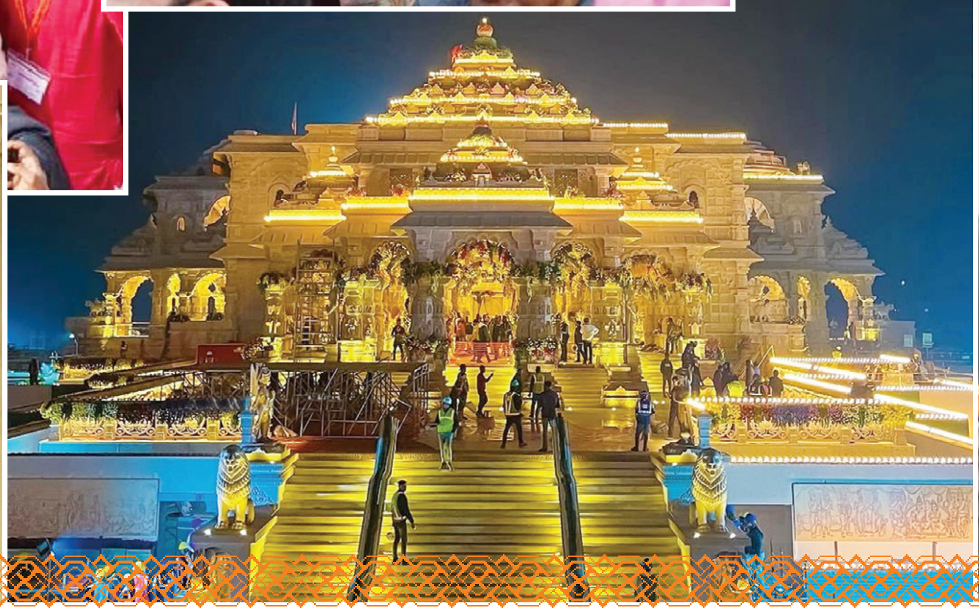

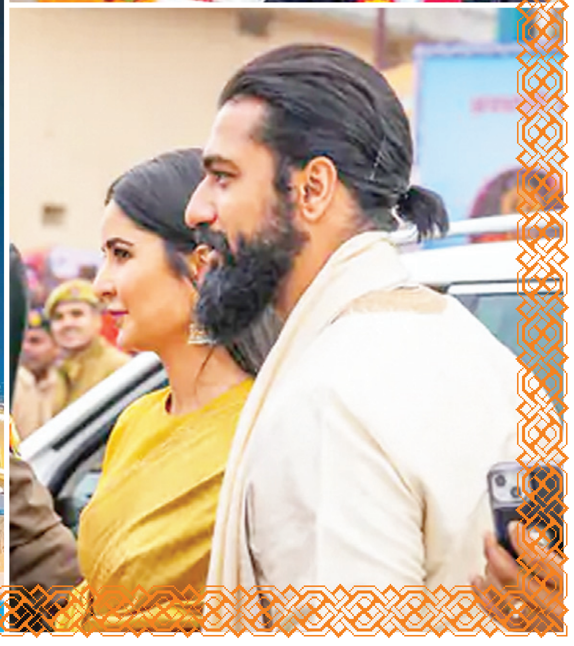

सुविचार
हम उन लोगों से भी सीख सकते हैं, जिन लोगों से हम खुद को श्रेष्ठ समझते हैं।

Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 23 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 07 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

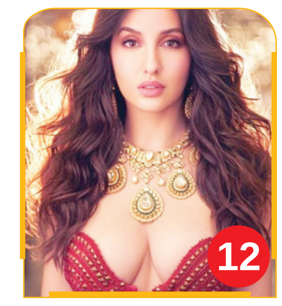
12
डीपफेक वीडियो की शिकार हुईं नोरा...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'साष्टांग दंडवत' होकर रामलला का लिया आशीर्वाद

अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस दौरान पीएम मोदी ने रामलला के सामने साष्टांग दंडवत प्रणाम किया और रामलला के मुख्य पुजारी नृत्य गोपाल दास के भी पैर छुए। बता दें कि पीएम मोदी की यह तस्वीर लोगों को काफी पसंद आ रही है। बता दें कि जब साल 2020 में राम मंदिर का शिलान्यास हुआ था। उस दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दंडवत होकर भगवान राम को प्रणाम किया और उनका आशीर्वाद लिया था।

2500 हुनरमंद युवाओं को सीएम सारेन ने सौंपा ऑफर लेटर

निजी क्षेत्र में 75 फीसदी स्थानीय लोगों को मिल रही नौकरी : हेमंत

- पिछले डेढ़ वर्षों में 50 हजार से अधिक युवक-युवतियों को नियुक्तियां देने का काम सरकार ने कर दिखाया
- केंद्र सरकार के कई उद्यम अब निजी हाथों में चले गए, इसलिए अब सरकारी नौकरियां कम मिल रही
- राज्य सरकार ने झारखंड में एक बेहतरीन उद्योग पॉलिसी बनाते हुए टेक्सटाइल इंडस्ट्री को जोड़ा

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड में एक बेहतरीन उद्योग पॉलिसी बनाते हुए टेक्सटाइल इंडस्ट्री को जोड़ा। राज्य सरकार और टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लोगों के वादे के मुताबिक 75% स्थानीय लोगों को अपने संस्थानों में नियुक्तियां दीं। राज्य सरकार के साथ-साथ टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लोगों ने भी कदम से कदम मिलते हुए जरूरतमंद लोगों को रोजगार से जोड़ने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में 50 हजार से अधिक युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में नियुक्तियां देने का काम राज्य सरकार ने कर दिखाया है। पहले गांव-देहात के नौजवान फौज में नौकरी करने की तैयारी करते थे, परंतु वर्तमान के समय में फौज में भी नियुक्तियां रुक सी गई हैं। गांव-देहात के वैसे बच्चे जो शहर में रहकर पढ़-लिख जाते थे, वे बैंक और रेलवे में नौकरी की तैयारी करते थे, लेकिन गलत नीति-निर्धारण के कारण आज बैंक तथा रेलवे में नौकरियां घटी हैं। केंद्र सरकार के कई उद्यम अब निजी हाथों में चला गया है। यही कारण है कि अब सरकारी नौकरियां कम हो रही हैं। हमारी सरकार ने एक अच्छी उद्योग नीति बनाकर 75% स्थानीय लोगों को राज्य में स्थापित इंडस्ट्री में रोजगार देने का नियम बनाया है। सीएम सोमवार को रांची के खेलगांव स्थित टानाभगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित रोजगार मेले में 2500 कौशल प्राप्त युवाओं को ऑफर लेटर वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक राजेश कच्छप, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, उद्योग सचिव जितेंद्र कुमार सिंह, जियाडा एमडी शशि रंजन, टेक्सटाइल इंडस्ट्री के दीपक अग्रवाल एवं सुधीर ढींगरा सहित बड़ी संख्या में ऑफर लेटर प्राप्त करने वाले युवक-युवतियां, महिलाएं एवं अन्य उपस्थित थे।

टानाभगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित रोजगार मेले में एक युवा को नियुक्ति पत्र सौंपते सीएम हेमंत सोरेन।

कोरोना संक्रमण में बेहतर मैनेजमेंट व्यवस्था बनाई : सीएम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य बना जिसने प्रवासी मजदूरों को लॉकडाउन के समय हवाई जहाज सहित विभिन्न माध्यमों से वापस घर लाने का कार्य कर दिखाया, लॉकडाउन के कारण कई इंडस्ट्री बंद हुई जो आज तक उबर नहीं पायी। कोरोना संक्रमण का असर आज भी कहीं न कहीं देखने को मिल रहा है। ऐसी विपरीत स्थिति में भी हमारी सरकार ने एक बेहतर मैनेजमेंट का उदाहरण देते हुए बिना अफरा-तफरी के राज्यवासियों और प्रवासी मजदूरों को सुरक्षित रखने का काम कर दिखाया है। वैश्विक महामारी के समय हमारी सरकार के अधिकारी निरंतर यहां के जनमानस को बचाने का रास्ता ढूंढते रहे। राज्य सरकार एवं महिला समूह की दीदियों ने गांव-गांव पंचायत-पंचायत पहुंचकर लोगों को खाना खिलाया, घरों पर अनाज उपलब्ध कराया। कोरोना से निबटने में हमारी महिला दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान, मजदूर आदिवासी, पिछड़े, जरूरतमंद सहित सभी वर्गों की पीड़ा को हमारी सरकार समझती है। हमारी सोच है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य प्रदान करें। हमारी सरकार रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और आगे भी करती रहेगी। हमारी सरकार वर्तमान समय में राज्य के सभी 60 वर्ष से अधिक बुजुर्ग व्यक्तियों को पेंशन दे रही है। राज्य में दिव्यांग, विधवा सभी को पेंशन योजना से आच्छादित किया गया है। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जहां सर्वजन पेंशन योजना लागू की गई है। राज्य के स्कूलों में अध्यनरत सभी बच्चियों को सावित्रीबाई फुले योजना से जोड़ा जा रहा है। इस योजना के तहत बच्चियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। आदिवासी, दलित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक बच्चे कुछ शिक्षा के लिए विदेश में अब पढ़ने जा रहे हैं।

प्रारंभिक विद्यालयों में बहाल होंगे 7232 सहायक उर्दू के आचार्य, हेमंत ने दी मंजूरी

RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन ने झारखंड के प्रारंभिक विद्यालयों में उर्दू के लिए सहायक आचार्य के 7232 पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इनमें प्राथमिक विद्यालयों (वर्ग 1 से 5) के लिए 5478 एवं उच्च प्राथमिक (वर्ग 6 से 8) विद्यालयों में 1754 पद शामिल हैं। आपको बता दें कि पूरे राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में उर्दू के सहायक शिक्षकों के लिए 4401 पद स्वीकृत हैं। इनमें 689 उर्दू शिक्षक के पदों पर नियुक्ति की गई, जबकि 3712 पद रिक्त हैं। ऐसे में राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में उर्दू के सहायक शिक्षकों के स्वीकृत पदों को प्रत्यर्पित करते हुए उक्त पदों के विरुद्ध सहायक आचार्य का पद सृजन एवं वेतनमान परिवर्तित किया गया है। झारखंड के सभी जिलों के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्यनरत उर्दू छात्रों के क्रम में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (रांची) के प्रतिवेदन के आधार पर कुल 7981 सहायक आचार्य का पद सृजित किया जाना है। इसमें प्राथमिक विद्यालयों में 6167 एवं मध्य विद्यालयों में 1754 सहायक आचार्य का पद है, लेकिन प्राथमिक विद्यालयों में इंटर प्रशिक्षित 689 उर्दू सहायक शिक्षक कार्यरत हैं।

SHARE

सेंसेक्स	:	71,423.65
निफ्टी	:	21,571.80

SARAFA

सोना	:	5,940
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सीएम को ईडी का एक और समन, 31 जनवरी तक बुलाया

RANCHI : जमीन घोटाला मामले में ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को फिर समन भेजा है। ईडी ने सोमवार को सीएम को पत्र भेजकर 27 जनवरी से 31 जनवरी के बीच उपस्थित होने को कहा है। बता दें कि बीते 20 जनवरी को ईडी ने हेमंत सोरेन से उनके आवास पर जाकर सात घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी के अधिकारियों ने सीएम आवास में एक अलग कमरे में पूछताछ की थी। इस दौरान रांची, दिल्ली और कई राज्यों से आये ईडी के अधिकारियों ने उनसे सवाल पूछे थे।

झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन को लगा बड़ा झटका

आय से अधिक संपत्ति की सीबीआई कर सकती जांच

दिल्ली हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा चुनाव से पहले लोकपाल केस में झामुमो के सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा है। 'कोर्ट ने सीबीआई जांच को रद्द करने की राज्यसभा सांसद और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद के इस फैसले के बाद आय से अधिक संपत्ति मामले में शिबू सोरेन के खिलाफ सीबीआई जांच का रास्ता खुल गया है। जल्द सीबीआई जांच शुरू कर सकती है। इस मामले में अंतिम सुनवाई 22 सितंबर 2023 को हुई थी। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

- शिबू सोरेन परिवार के खिलाफ निशिकांत दुबे ने की थी शिकायत
- शिबू सोरेन ने सीबीआई जांच को दी थी चुनौती
- मामले को दुर्भावना और राजनीति से प्रेरित बताया था
- 12 सितंबर 2023 को शिबू सोरेन के खिलाफ लोकपाल की कार्यवाही पर लगी थी रोक

सीआरपीएफ के आईजी कमांडेंट व 500 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज

RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन से 20 जनवरी को ईडी की पूछताछ के दौरान सीएम आवास तक सीआरपीएफ के जवानों के आने का मामला तूल पकड़ रहा है। इस मामले को लेकर रांची जिला प्रशासन द्वारा सीआरपीएफ के आईजी, कमांडेंट समेत अन्य पदाधिकारी के खिलाफ गोंदा थाना में मामला दर्ज कराया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले सीएमओ ने इस संबंध में गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय से पूरी जानकारी मांगी थी कि कैसे सीआरपीएफ के जवान प्रतिबंधित इलाके में आ गये? इनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गयी है? बीते 20 जनवरी को जब ईडी के अधिकारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके कांके रोड स्थित सरकारी आवास में पूछताछ कर रहे थे, तो कई बसों में भरकर सीआरपीएफ के जवान वहां पहुंचे थे। वे मुख्यमंत्री आवास में जाना चाहते थे। लेकिन जिला प्रशासन ने उन्हें वापस भेज दिया था। वहीं दूसरी ओर धारा 144 के उल्लंघन के मामले में झामुमो कार्यकर्ता और भीम आर्मी के खिलाफ भी गोंदा थाना में मामला दर्ज कराया गया है।

खाद्य, सार्वजनिक वितरण व उपभोक्ता मामले विभाग ने गिनाईं उपलब्धियां

6,671 राशन दुकानें सीएससी के रूप में विकसित, गरीबों को पांच रुपये में भोजन

PHOTON NEWS RANCHI : खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं की बीते 4 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर विभागीय सचिव अमिताभ कौशल ने सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के सभागार में कहा कि खाद्य सुरक्षा को लेकर विभाग गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। झारखंड की जनवितरण प्रणाली दुकानों को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। 10 हजार जनवितरण प्रणाली दुकानों को सरएससी के लिए चिन्हित किया गया है, जिसमें से अब तक 6,671 जन वितरण प्रणाली दुकानों को सीएससी के रूप में विकसित किया जा चुका है। वर्तमान में 377 स्वीकृत नियमित दाल-भात केन्द्रों के माध्यम से जरूरतमंदों को पांच रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। पेज 03 भी पढ़े।

विभाग की उपलब्धियां गिनाते विभागीय सचिव अमिताभ कौशल

लाभुकों को उचित मात्रा में हो खाद्यान्न वितरण

सभी जनवितरण प्रणाली दुकानों में डिजिटल वजन मापने की मशीनें का अधिष्ठापन किया जा रहा है। कुल 25,282 जनवितरण प्रणाली दुकानों में से अबतक 23,944 दुकानों में डिजिटल वजन मापने की मशीनें का अधिष्ठापन किया जा चुका है। शेष दुकानों में अधिष्ठापन की कार्रवाई की जा रही है। पश्चिमी सिंहभूम जिले के 50 जन वितरण प्रणाली दुकानों एवं रामगढ़ जिला के 07 जन वितरण प्रणाली दुकानों में 4जी नेटवर्क आधारित ई-पॉस मशीनों के माध्यम से पॉयलट आधारित खाद्यान्न वितरण की जा रही है। राज्य अन्तर्गत बॉयोमेट्रिक सत्यापन असफल होने का प्रतिशत ज्यादा वाले लगभग 1500 जन वितरण प्रणाली दुकानों में आईआरआईएस स्कैनर उपलब्ध कराते हुए खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। चीनी वितरण योजना भारत सरकार से 18.50 रुपए प्रति किलोग्राम प्राप्त अनुदान से कार्यान्वित की जा रही है।

चना दाल व पीवीटीजी डाकिया योजना

वित्तीय वर्ष 2023-24 में माह सितंबर 2023 से झारखंड सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित लगभग 65,98,574 परिवारों को प्रतिमाह 1 रुपए प्रति किलोग्राम की अनुदानित दर पर 1 किलोग्राम चना दाल उपलब्ध करायी जा रही है। झारखंड अन्तर्गत पीवीटीजी डाकिया योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित पीवीटीजी परिवारों को अन्त्योदय श्रेणी के तहत रखते हुए 35 किलोग्राम चावल प्रति परिवार प्रतिमाह बंद पैकेट में उनके निवास स्थान पर मुफ्त में उपलब्ध कराया जाता है। योजनान्तर्गत खाद्यान्न के पैकेजिंग का कार्य ग्रामीण विकास विभाग के झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाईटी के सखी मंडलों द्वारा किया जाता है।

गणतंत्र दिवस : झांकी के साथ-साथ राज्य का सांस्कृतिक दल झूमर नृत्य-संगीत पर झूमेंगे दर्शक

नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर दिखेगा झारखंड का सिल्क

PHOTON NEWS RANCHI : इस बार गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर झारखंड का तसर सिल्क दिखेगा। झांकी में तसर कीट का पालन, कोकून उत्पादन एवं संग्रहण में शामिल जनजातीय महिलाएं तथा तसर बुनाई, आधुनिक वस्त्र परिधान की प्रदर्शन है। तसर सिल्क के आधुनिक परिधानों में सुसज्जित जीवंत माडल एवं देश-विदेशों को आपूर्ति प्रदर्शित रहेगी। झांकी के साथ-साथ राज्य का सांस्कृतिक दल झूमर नृत्य-संगीत के साथ चलेगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। प्राचीन काल में तसर सिल्क को 'कोसा' अथवा 'वन्य सिल्क' कहा जाता था। अब यह 'अंहिसा सिल्क' के रूप में पूरी दुनिया में ख्याति अर्जित कर रहा है। तसर के लिए कोकून उत्पादन की नई तकनीक में तसर कीट को जिंदा निकलने दिया जा रहा हैं जबकि पारंपरिक मलवरी सिल्क के उत्पादन में कोकून को गर्म पानी में उबालने के कारण तसर कीट की मौत हो जाती थी। इस प्रकार से तसर सिल्क पृथ्वी की जैव विविधता के संरक्षण में सहायक साबित हो रही है। वहीं झारखंड राज्य की जनजातीय समुदायों की आजीविका का सशक्त माध्यम बन रही है।

तसर उत्पादन में अग्रणी है राज्य : राज्य में चारों ओर फैले विशाल वन क्षेत्र में तसर खाद्य पौधों की प्राकृतिक उपलब्धता और मौसम की अनुकूलता के कारण देश में आर्गेनिक तसर रेशम का प्रमुख तथा अग्रणी उत्पादक राज्य है। राज्य में उत्पादित तसर अपने प्राकृतिक रंग एवं चमक के कारण रेशमी परिधानों में अपनी अलग पहचान रखता है। झारखंड राज्यों के जंगलों से प्राप्त तसर रेशम अपने कड़ापन, धागे की मजबूती, धागे की लंबाई सहित अपने प्राकृतिक गुणों के लिए औरों से अलग है। इसके साथ ही देश में उत्पादित तसर का 62 प्रतिशित हिस्सा झारखंड में उत्पादित हो रहा है। झारखंड से उत्पादित तसर को यूएस, यूके, जर्मनी, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, स्वीडन एवं स्वीटजरलैंड आदि देशो में निर्यात किया जा रहा है। झारखंड के तसर को जीआई टैग दिलाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न जनजातीय समूहों के तकरीबन एक लाख पचास हजार लोग तसर सिल्क से अपनी आजीविका चला रहे हैं। झारखंड राज्य में प्रति वर्ष औसतन करीब 20500 मीट्रिक टन तसर का उत्पादन होता है।

> तसर रेशम की झांकी गणतंत्र दिवस के लिए चयनित होना तसर रेशम उद्योग के लिए गौरव की बात है। रांची ने इस महान उपलब्धि के लिए भारत के आदिवासी किसानों, बुनकरों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों और तसर उद्योग के सभी सहयोगियों का योगदान है। देश के लगभग 3.5 लाख लोग तसर उद्योग से जुड़े हैं जिसमें 2.2 लाख झारखंड से हैं।
>
> **डॉ. एनबी चौधरी, निदेशक केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नगड़ी, रांची।**

राहुल को मंदिर जाने से रोका, धरने पर बैठे

GUWAHATI : भारत जोड़ो न्याय यात्रा के नौवें दिन सोमवार (22 जनवरी) को राहुल गांधी असम के नगांव पहुंचे। वे यहां बोदोर्वा थान में संत श्री शंकरदेव के जन्मस्थल पर दर्शन करने आए थे, लेकिन उन्हें एंट्री नहीं दी गई। सुरक्षाबलों ने राहुल और अन्य कांग्रेसी नेताओं को रास्ते में हैबरगांव में रोक दिया। यहां सुरक्षाबलों से बहस के बाद राहुल और अन्य कांग्रेसी नेता धरने पर बैठ गए। सभी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद 3 बजे मंदिर आने के लिए कहा गया है। धरने के दौरान राहुल ने कहा- मैंने कौन-सा अपराध किया है कि मैं मंदिर नहीं जा सकता? क्या पीएम मोदी तय करेंगे कि मंदिर कौन जाएगा। आज क्या सिर्फ एक ही व्यक्ति मंदिर जा सकता है। मैं शंकरदेव की विचारधारा में विश्वास रखता हूं। वे हमारे गुरु की तरह हैं। इसलिए मैंने सोचा था कि जब भी असम आऊंगा, उनका आशीर्वाद जरूर लूंगा। राहुल ने आगे कहा- मुझे 11 जनवरी को इसका न्योता मिला था।

श्रीरामलला के आगमन पर सूबे में जन्मे 91 बच्चे

माताएं भी खुद को मान रही हैं भाग्यशाली

PHOTON NEWS RANCHI : अयोध्या में 500 साल बाद भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। यह दिन सनातनियों के लिए, खासकर उन महिलाओं के लिए विशेष रहा, जिन्होंने 22 जनवरी को बच्चों को जन्म दिया। झारखंड के रांची में रात 12 बजे से दिन के दो बजे तक 27 बच्चों का जन्म सरकारी अस्पताल में हुआ। इसमें रिम्स में 11 और सदर अस्पताल में 16 बच्चों का जन्म हुआ। प्रदेशभर में इस समय के दौरान 91 बच्चों के जन्म लेने की सूचना आयी। इसमें 40 बच्चों का जन्म नॉर्मल हुआ। इन बच्चों को जन्म देने वाली माताएं बुहुतर खुश थी कि श्री राम के साथ-साथ उनके घर में भी भगवान के रूप में बच्चे का जन्म हुआ है। भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा सबसे अच्छे मुहूर्त में हुआ। इस दिन बच्चे को जन्म देने वाली माताएं भी खुद को स्वभाग्यशाली मान रही हैं। वे कह रही हैं कि अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन ही बच्चे को जन्म देकर, वे माता कौश्लया जैसी भाग्यशाली माता कहलाएंगी।

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Tuesday, 23 January 2024

राममय हुआ रांची, भक्ति में डूबे लोग, उमड़ा जनसैलाब

PHOTON NEWS RANCHI : अयोध्या धाम के भव्य एवं दिव्य राम मंदिर में श्री रामलला विराजमान हो गए हैं। पूरे देश में उत्सव का माहौल है। रांची में भी जगह-जगह राम भक्त झूमते नजर आ रहे हैं। पूरा रांची राममय हो गया है। रांची के कोकर, लालपुर, बरियातू, अल्बर्ट एक्का चौक, सर्जना चौक, मेन रोड का संकट मोचन मंदिर, डोरंडा, धुर्वा, हिनू, बूटी मोड़ और अन्य जगहों पर स्थित मंदिरों में लोग भगवान राम के भक्ति गानों पर झूम रहे हैं। सड़कों पर शोभा यात्रा निकाली जा रही है। कई जगहों पर लड्डू, पूरी, सब्जी, हलुआ, बुंदिया, खिचड़ी का वितरण किया जा रहा है। डीसी राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता लगातार कंट्रोल रूम से और घूम-घूम कर विधि-व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरे से भी नजर रखी जा रही है। एसएसपी ने कहा है कि सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। किसी भी तरह का भड़काउ मैसेज करने पर पुलिस सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी।

BRIEF NEWS

हेसाग छठ तालाब में जले 5100 दीप

RANCHI : अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर हटिया हेसाग छठ तालाब में समाजसेवी दुर्गेश यादव के नेतृत्व में 5100 दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया गया। यादव ने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि ऐतिहासिक क्षण के हम सभी गवाह बन रहे हैं। अब हर वर्ष दो बार दिवाली मनाएंगे। मौके पर समाजसेवी दुर्गेश यादव, कृष्ण नाथ, रूपेश यादव, प्रिंस, आदित्य सिंह, शुभम, अक्षरा सिंह, काजल सिंह, केशिका सिंह एवं सैकड़ो की संख्या में सभी उपस्थित थे।

शांति सद्भाव को लेकर हर चौक-चौराहों पर नजर आए समाजसेवी

RANCHI : आज रांची शहर में हर चौक-चौराहों पर समाजसेवियों के द्वारा शांति सद्भाव को लेकर हर चौक चौराहों पर समाजसेवी नजर आए। कर्बला चौक पर कर्बला चौक दुकानदार समिति के अध्यक्ष हाजी माशूक, मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड के अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी, समाजसेवी अफरोज आलम, समाजसेवी मंसूर आलम, लोअर बाजार थाना के शशी पांडे, मजिस्ट्रेट गजेंद्र पासवान, सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकील उर रहमान,

चुटिया महादेव मंडा से निकाली गई भव्य झांकी

RANCHI : अयोध्या में रामलला के विराजमान होने की खुशी में रांची के चुटिया महादेव मंडा से सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम साहू के नेतृत्व में सोमवार को भव्य झांकी निकाली गई। इसमें हजारों महिला-पुरुष बच्चे-बूढ़े सम्मिलित थे। झांकी में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण सीता मैय्या, हनुमान जी और पूरे वानर सेना की जीवंत झांकी निकाली गयी। झांकी ने लोगों का मन मोह लिया। हजारों लोग एक साथ महादेव मंडा से झारखंड की सबसे प्राचीन श्रीराम मंदिर चुटिया पहुंचे। वहां हिंदूवादी नेता भैरव सिंह ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यक्रम में कैलाश केसरी, राजकुमार महतो, विपिन अनीश आर्यन और भी सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे

संवैधानिक अधिकारों को कुचलने का प्रयास कर रही असम सरकार :राजेश ठाकुर

RANCHI : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि संविधान के तहत मिले मौलिक और धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों को कुचलने का प्रयास असम की सरकार कर रही है। ठाकुर असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के काफिले पर हुए हमले और राहुल गांधी को शंकरदेव मंदिर में नहीं जाने देने के विरोध में रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में सोमवार को आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकुर ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हमला करने और राहुल गांधी को श्री शंकरदेव मंदिर जाने से रोके जाने से साबित हो गया है कि गोड्से की विचार धारा से ओत-प्रोत लोग जनता और कांग्रेस से डर रहे हैं। इसी घबराहट में इस तरह का असंवैधानिक कदम भाजपा सरकार की ओर से उठाया जा रहा है। असम में भाजपा ने हमला किया और ऐसे हमलों के जरिये भगवान राम को भी बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। हम संवैधानिक दायरे में भारत की जनता के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं और गोड्से के विचारधारा के लोग लगातार असंवैधानिक कृत्य कर देश में अराजक माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

मेन रोड में 50 से अधिक लोगों का पाकेटमारों ने उड़ाया मोबाइल व पर्स

PHOTON NEWS RANCHI : मेन रोड में सोमवार को जुलूस के दौरान पाकेटमारों का बोलबाला रहा। पाकेटमारों ने 50 से अधिक लोगों का मोबाइल और पर्स उड़ा लिया। लोगों ने लोअर बाजार,डेली मार्केट और कोतवाली थाना में केस किया है। थाना में एक व्यक्ति आवेदन देकर निकल नहीं रहा था कि दूसरा व्यक्ति आवेदन देने पहुंच जा रहा था। पुलिस को सूचना मिलने के बाद पाकेटमारों को पकड़ने के लिए जवानों को मेन रोड में भेजा गया लेकिन एक भी पाकेटमार पुलिस की पकड़ में नहीं आया। जुलूस में लोग राम भक्ति में लगे हुए। पाकेटमारों ने इसकी का फायदा उठाया। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज से पाकेटमारों को पहचाने का प्रयास किया गया लेकिन लोगों की भीड इतनी अधिक थी कि पाकेटमारों को पहचाना मुश्किल हो गया। पुलिस आशंका जता रही है कि तीन पहाड़ में रहने वाले गिरोह के लोग शहर में आए हुए हैं। इस गिरोह के द्वारा सिर्फ मोबाइल उड़ाया जाता है। हालांकि ज्यादातर लोगों ने थाना में लिखित शिकायत किया है कि उनका मोबाइल गिर गया। पिछले शनिवार को भी कांके रोड में कई लोगों का मोबाइल और पर्स उड़ा लिया गया था। इस संबंध में गोंदा थाना में केस हुआ है।

झारखंड के 51 हजार से अधिक मंदिरों में एक साथ हुए धार्मिक अनुष्ठान :रंगनाथ

PHOTON NEWS RANCHI : रांची किशोरगंज चौक स्थित शक्ति आश्रम विश्व हिन्दू परिषद प्रांत कार्यालय में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर स्थित दुर्गा माता की मंदिर में भव्य पूजा अर्चना की गयी।

इस दौरान पुरोहित नवीन पांडेय ने पूजा, आरती एवं वैदिक अनुष्ठान कराया। अयोध्या में जब भव्य दिव्य श्रीराम मंदिर में राम लला की प्रथम आरती होने लगी तो उपस्थित सभी लोगों ने टीवी के सामने खड़े होकर राम लला की आरती में शामिल हुए। साथ ही आरती संपन्न होने के बाद प्रसाद स्वरूप भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जहां सैकड़ों भक्तों ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में शामिल रंगनाथ महतो व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मौके पर प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो ने बताया कि झारखंड के गांव-गांव में लगभग इक्यावन हजार से अधिक मंदिरों पर आज कोई न कोई धार्मिक अनुष्ठान हुए, पूरा प्रदेश सोमवार को राममय हो गया है। आगे उन्होंने कहा पांच सौ वर्षों के लंबे संघर्ष एवं लाखों रामभक्तों के बलिदान के बाद यह शुभ घड़ी आई है और इस खुशी में आज पूरे प्रदेश में भव्य दीपोत्सव भी मनाई जा रही है। कार्यक्रम में मुख्यरूप से विहिप प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो, विभाग सेवा प्रमुख रविशंकर राय, महानगर उपाध्यक्षा डॉ. ज्योतिका श्रीवास्तव, महानगर सहमंत्री विश्वरंजन कुमार, रेणु अग्रवाल, तड़ित राय, टिंकू, ज्ञान, विपिन, कपिल सहित अन्य उपस्थित थे।

कोकदोरो में दूसरा जलसा-ए-दस्तारबंदी तीन मार्च को, शामिल होंगे कई उलेमा

PHOTON NEWS RANCHI : दारुल उलूम हुसैनिया, कोकदोरो (इस्लामपुर) का दूसरा जलसा-ए-दस्तारबंदी 03 मार्च 2024 को नमाज ईशा होने जा रहा है। जिसमें 34 हुफ्फाजे कराम को दस्तार-ए-फजीलत की सनद से नवाजा जाएगा।

जलसा की तैय्यारी को ले कर सोमवार को कोकदोरो इस्लामपुर अंजुमन के सदर अब्दुल मजीद अंसारी की अध्यक्षता में बैठक की गई। मजीद अंसारी ने जानकारी देते हुवे बताया कि आज की बैठक में मुख्य रूप से मोकरीर, जलसा गाह, मस्तूरात की बैठने की जगह, टेंट, लाइट, साउंड, तआम गाह, पानी, बिजली सहित कई जरूरी बातों पर चर्चा की गई।

बैठक में तय हुवा कि, जलसा गाह कोकदोरो निवासी अब्दुल गफ्फार के मकान के सामने वाला प्लॉट में होगा। वहीं, तआम-गाह के लिए जलसा गाह का निर्माण किया जाएगा।

जलसा की सरपरस्ती-हजरत मौलाना अख्तर हुसैन मजाहिरी, कांके पतराटोली। जलसा की सदारत-हजरत मौलाना इसहाक कससमी साहब (सदर, राफ्ते मदारिस झारखंड) खुसुसी मेहमान-हजरत मौलाना शौकत अली साहब बस्तवी (उस्तादे-हदीस दारुल उलूम देवबंद व नाजीमे-मदारिस इस्लामिया अरबिया, कुल-हिन्द) शायरे इस्लाम-हजरत कारी मोहम्मद एहसान मोहसिन साहब, मोजफ्फरनगर यूपी। नेजामत-हजरत मौलाना सुफियान हैदर, रांची। तिलावते कुरान पाक-हजरत कारी शोहैब अहमद साहब (मोदर्रिस, मदरसा आलिया अरबिया, कांके-पतराटोली)

अयोध्याधाम की तर्ज पर श्री राममंदिर की प्रस्तुत की गई झांकी

RANCHI : सूरज संगम मारवाड़ी टोला अपर बाजार रांची के द्वारा अयोध्याधाम में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर परिसर में 151 बजरंग बली के झंडे के साथ साज सज्जा की गई। संगम के संयोजक राजेश कुमार गुप्ता ने कहा अयोध्याधाम की तरह श्री राममंदिर की झांकी प्रस्तुत की गई, जो आकर्षण का केंद्र बना है। इस झांकी को पंकज वर्मा कलाकार बनाया। साथ ही महाभंडारे का कार्यक्रम 2 बजे से शुरू किया गया। जिसमें 351 किलो दूध का खीर, पुरी बुंदिया और सेव का वितरण किया गया। संगम के अध्यक्ष संजय पोद्दार ने कहा दीपावली की तरह परिसर को सजाया गया। संस्थापक शंकर प्रसाद ने कहा शाम में आतिशबाजी का कार्यक्रम हुआ। शाम को पूजा अर्चना के बाद शंख और घंटी की आवाज से पूरा माहौल राममय हो गया।

रामनवमी व दीपावली एक साथ मना रहे हैं रामभक्त : संजय सेठ

PHOTON NEWS RANCHI : अयोध्या धाम में श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरी रांची राममय में हो चुकी है। इस अवसर पर रांची के सांसद संजय सेठ ने एक विशेष गाड़ी सजाकर, रांची शहरी और ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान सांसद ने कई शोभा यात्राओं पर पुष्प बरसाए। साथ ही कई मंदिरों में जाकर भगवान का पूजन, आरती और हवन में शामिल हुए।

रांची शहर सहित नामकुम, टाटीसिलवे जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्र में भी सांसद ने भ्रमण किया। रामभक्तों को इस विशेष दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि सोमवार का के दिन पूरी दुनिया राममय हो गयी है।

कार्यक्रम में उपस्थित सांसद संजय सेठ व अन्य। ● फोटोन न्यूज

हम रामनवमी और दीपावली एक साथ मना रहे हैं। शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद भगवान रामलला अपनी जन्मभूमि पर विराजमान हुए हैं। यह दिन पूरी दुनिया के लिए ऐतिहासिक और अद्भुत है। भूतों न भविष्यति, इस दिन जैसा दिन शायद नहीं आएगा। हर रामभक्त को इस दिन की प्रतीक्षा थी और भगवान राम की कृपा से सभी भक्तों की प्रतीक्षा पूर्ण हुई। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने जिस राज्य की संकल्पना की थी, वह संकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण हो रही है। हम राम राज्य की तरफ बढ़ रहे हैं।

वर्षों की उपलब्धियों के बारे में विभागीय सचिव अमिताभ कौशल ने दी जानकारी, बोले-

खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीरता से कार्य कर रहा विभाग

PHOTON NEWS RANCHI : खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं की बीते चार वर्षों की उपलब्धियों के बारे में सोमवार को विभागीय सचिव अमिताभ कौशल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा को लेकर विभाग गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। राज्य की एक बड़ी आबादी को खाद्य सुरक्षा विभाग की विभिन्न स्कीमों से आच्छादित किया जा रहा है।

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि विभाग योजनाओं के कार्यान्वयन को लेकर विभिन्न स्तर पर कार्य कर रहा है। लोगों के पोषण की आवश्यकता को देखते राज्य सरकार द्वारा राज्य खाद्य सुरक्षा योजना स्वीकृत की गई है। इसके अंतर्गत लाभुकों को प्रति माह पांच किलोग्राम चावल उपलब्ध

कराया जाता है। इस योजनान्तर्गत प्रारंभ में 15 लाख लाभुकों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 20 लाख कर दिया गया है। इस योजनान्तर्गत अबतक 33,16,489 लाभुक आच्छादित हुए हैं।

अमिताभ कौशल ने बताया कि किसानों से धान का क्रय सीधे करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने व्यापक व्यवस्था की है ताकि राज्य के किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो सके। राज्य सरकार द्वारा धान अधिप्राप्ति के लिए सभी जिलों में आवश्यकतानुसार पर्याप्त संख्या में धान अधिप्राप्ति केन्द्र खोले गये हैं। धान अधिप्राप्ति के लिए झारखंड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लि. को नोडल एजेंसी बनाया गया है। खरीफ विपणन मौसम 2023-24 में धान अधिप्राप्ति हेतु कुल 6.00 लाख एमटी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। खरीफ विपणन मौसम 2023-24 में भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2183 रुपये प्रति क्विंटल के अतिरिक्त 117 रुपये प्रति क्विंटल की दर से किसानों को उनके आय में वृद्धि एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बोनस भुगतान का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि खरीफ विपणन मौसम 2023-24 से धान अधिप्राप्ति योजना अन्तर्गत न्यूनतम सीमा पैरामीटर (एमटीपी) के तहत बायोमेट्रिक आधारित खरीद (आधार आधारित अधिप्राति प्रणाली) लागू किया गया है, जिससे अधिप्राप्ति केन्द्रों (लैम्पस/पैक्स आदि) पर किसानों से धान क्रय के समय उनका बॉयोमीट्रिक प्राप्त करते हुए पहचान सुनिश्चित की जायेगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 एवं झारखण्ड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (जेएसएफएसएस) से आच्छादित 65,98,574 लाभुक परिवारों के बीच वर्ष में दो बार एक धोती, लुंगी तथा एक साड़ी रुपये 10/-प्रति वस्त्र की दर से धोती, लुंगी एवं साड़ी का वितरण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दो श्रेणियों यथा-अन्त्योदय परिवार (एएवाई) तथा पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ श्रेणी (पीएचएच) को नियमित रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। पात्र गृहस्थ योजना के अन्तर्गत लाभुकों को पांच किलोग्राम खाद्यान्न प्रति सदस्य प्रतिमाह एवं अन्त्योदय अन्न योजना के अन्तर्गत लाभुक परिवार को 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति परिवार प्रतिमाह कराया जाता है। अधिनियम के तहत लाभुकों का आच्छादित किये जाने का लक्ष्य 2,64,25,385 है, जिसके विरुद्ध वर्तमान में शत प्रतिशत लाभुक आच्छादित हैं। भारत सरकार के दिशा-निर्देश के आलोक में एनएफएसए से आच्छादित लाभुकों को माह जनवरी, 2023 से मुफ्त में खाद्यान्न (चावल एवं गेहूं) उपलब्ध कराया जा रहा है।

निशुल्क यूरोलॉजी व नैफ्रोलोजी जांच शिविर का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : शहर के जाने-माने यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर प्रशांत कुमार, नैफ्रोलोजिस्ट डॉक्टर अरविंद चरण मंगल व लाइफ लाइन क्लिनिक के सहयोग से इटकी में निःशुल्क मूत्र रोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 300 मरीजों की जांच की गई। डॉक्टर प्रशांत कुमार ने मूत्र रोग से संबंधित और डॉक्टर अरविंद चरण मंगल नेफ्रोलॉजिस्ट ने किडनी से संबंधित कई जानकारी शिविर में उपस्थित लोगों को दी। वही सभी मरीजों का यूरोफ्लोमेट्री जांच की गई। शिविर में यूरोलॉजी क्येर क्लिनिक के निदेशक यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत कुमार ने अपनी निःशुल्क सेवाएं दी। शिविर में यूरोफ्लोवमेट्री मशीन द्वारा मरीजों की निःशुल्क जांच की गई। शिविर का लाभ आसपास के मरीजों ने उठाया। डॉक्टर प्रशांत कुमार ने कहा कि

ऐसे मरीज जिनके गुर्दे में पथरी, प्रोस्टेट बढ़ा हुआ, पेशाब की थैली में पथरी, पेशाब में खून आना, पेशाब नली में सिकुड़न, पुरुष बाझपन या गुर्दे, वृषण, प्रोस्टेट, लिंग, पेशाब की थैली में कैंसर आदि की परेशानी है, वो अपनी जांच इस शिविर में या यूरोलॉजी क्येर क्लिनिक बूटी मोड़ के नजदीक, बरियातु रोड, अस्पताल में करा सकते हैं। वहीं डॉक्टर अरविंद चरण मंगल ने मरीजों को किडनी रोग के बारे में जानकारी दी। पेशाब में जलन, खून आना, एवं नैफ्रोलाजी से संबंधित मरीजों को जागरूक किया।

BRIEF NEWS

हर तरफ बही भक्ति की धारा, जगह-जगह किया गया धार्मिक अनुष्ठान

LOHARDAGA : अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोहरदगा जिला पूरी तरह राममय हो गया। हर तरफ भक्ति की धारा बह रही थी। पूरे शहर को आकर्षक तरिके से सजाया संवारा गया था। मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया था, जहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड रही थी। जगग-जगह सामूहिकता के साथ सुंदर कांड का पाठ किया जा रहा था। भंडारा का आयोजन किया गया था। लोहरदगा शहरी क्षेत्र के महात्मा गांधी पथ स्थित फूलवारी राममंदिर मे विशेष पूजा अर्चना की गई और भव्य भंडारा का आयोजन किया गया।

दीपोत्सव एवं भव्य आतिशबाजी से राममय हुआ सिदगोड़ा सूर्यधाम

JAMSHEDPUR : अयोध्या के राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। इसे लेकर पूरे देशभर में उल्लास और उत्साह का माहौल है।प्रभु श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम अवसर पर सिदगोड़ा सूर्यधाम परिसर स्थित राम मंदिर में पुरोहितों द्वारा सोमवार को पूरे दिन विशेष अनुष्ठान-पूजन किया गया। जिसमें सुबह में श्रीराम दरबार का विशेष पूजन, रामरक्षा स्तोत्र का पाठ एवं दोपहर में हवन, आरती, शंखनाद एवं प्रसाद का वितरण किया गया।

बागबेड़ा रेलवे गुदड़ी बाजार के दुकानदारों ने बांटे एक हजार लड्डू

JAMSHEDPUR : अयोध्या में छह दिन चले अनुष्ठान के बाद सोमवार को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो गई। अयोध्या में बने राम मंदिर को लेकर चारों ओर खुशी का माहौल हैं। लौहनगरी जमशेदपुर में भी इसे लेकर लोगों में उत्साह दिखाई दिया। इसी खुशी में बागबेड़ा रेलवे गुदड़ी बाजार के समीप गोलचक्कर में दुकानदारों ने राहगीरों के बीच एक हजार लड्डू का वितरण किया। इसके साथ ही राहगीरों को तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी। सभी दुकानदारों ने एक साथ मिलकर जय श्री राम के नारे लगाए। इस दौरान लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। दुकानदारों ने बताया कि यह पूरे भारत देश के लिए गौरव का पल है। इस दिन को इतिहास में जाना जाएगा। लोगों में इसे लेकर बेहद ही खुशी का माहौल है।

सिदगोड़ा के जगदीप हत्याकांड का आरोपी आनंद सिंह गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा थाना अंतर्गत न्यू बारीडीह में गुरुवार देर शाम जगदीप सिंह उर्फ गोलू की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी रोहित सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसी मामले के नामजद आरोपी आनंद सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में मुख्य आरोपी करमजीत सिंह उर्फ कर्मे अब तक फरार है।

म्युचुअल फंड के कार्यालय में मिला सहेली की शादी में गई युवती का शव

पिता ने जतायी हत्या की आशंका, पुलिस से की जांच की मांग

PHOTON NEWS DHANBAD : एक ओर जहां पूरा देश अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव में डूबा हुआ था, ठीक उसी वक्त धनबाद का एक पिता अपनी बेटी की लाश के सामने उसकी मौत पर विलाप कर रहा था। मामला धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र स्थित श्रीराम प्लाजा का है, जहां टाटा म्युचुअल फंड्स के पूर्व कर्मी निशा का शव उसके ही पूर्व कार्यालय में संदेहास्पद स्थिति में पाया गया।

निशा कुमारी की फाईल फोटो।

घटना के संबंध में मृतिका निशा कुमारी (26) के पिता मनईटांड़ निवासी दीपक कुमार ने बताया कि रविवार की दोपहर करीब एक बजे वह अपनी बेटी को लेकर बैंक मोड़ चौराहा के पास पहुंचे। उनकी बेटी को अपनी एक सहेली की शादी में जाना था। वहां वह पिता की गाड़ी से यह कह कर उतर गई कि उसे शादी के लिए कुछ खरीददारी करनी है। शादी धनसार थाना क्षेत्र स्थित गांधी नगर में थी। इसके बाद देर रात तक बेटी के घर नहीं पहुंचने पर निशा के परिजन परेशान होकर बेटी को ढूंढने लगे। उसका कही पता नही लगने पर वह पुलिस के पास पहुंचे, जिसके बाद आज सुबह निशा का शव श्रीराम प्लाजा के दूसरे तल्ले पर स्थित टाटा म्युचुअल फंड्स के कार्यालय में संदेहास्पद स्थिति में पड़ा मिला।

उन्होंने बताया कि उनकी बेटी निशा कुमारी का विवाह सात दिसंबर 2023 को हुआ था। उससे पूर्व वह इसी कार्यलय में काम करती थी। लेकिन विवाह के बाद उसने काम छोड़ दिया था। उन्होंने बताया कि अपनी सहेली की शादी में जाने के लिए निकली उनकी बेटी आखिर टाटा म्युचुअल फंड के कार्यालय कैसे पहुंची? उन्होंने हत्या का शक जाहिर करते हुए पुलिस से जांच की मांग की।

वहीं निशा का शव आज सुबह सबसे पहले कार्यलय की सफाई करने पहुंचे सफाई कर्मियों ने देखा। निशा का सिर कार्यालय में रखे कुर्सी पर था, जबकि उसकी बाकी का शरीर फर्श पर पड़ा था। उसके पीठ पर चाकू घोपने का भी निशान मिला है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच करने में जुटी है।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बासुकीनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

PHOTON NEWS DUMKA : अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बाबा बासुकीनाथ मंदिर में जश्न का माहौल है। मंदिर को आकर्षक फूलों और रंग-बिरंगे बिजली के बल्बों से सजाया गया है। रात्रि में जागरण का आयोजन किया गया। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रसिद्ध तीर्थस्थल बाबा बासुकीनाथ धाम मंदिर में काफी चहल-पहल है। राम मंदिर के प्रतिष्ठापन की खुशी में बासुकीनाथ के पंडा-पुजारियों में उत्साह का माहौल है। इस शुभ अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए बासुकीनाथ धाम मंदिर में विशेष पूजा की व्यवस्था है।

पंडा धर्म रक्षिणी सभा के अध्यक्ष मनोज पंडा ने कहा कि यहां कई धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। बासुकीनाथ मंदिर को दीपों से सजाया जाएगा और

मंदिर प्रबंधन और स्थानीय लोगों के सहयोग से हवन-पूजन के साथ-साथ भोग प्रसाद का भी वितरण किया जाएगा। लोग सुबह से ही मंदिर में बाबा को जल चढ़ा रहे हैं और जय श्री राम के नारे लगा रहे हैं। मनोज पंडा ने बताया कि सोमवार रात बाबा मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जायेगा और क्षेत्र में उत्सव मनाया जायेगा।

बाबा बासुकीनाथ मंदिर को उसी तर्ज पर आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है जिस तरह राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या में राम मंदिर को सजाया गया है, इलाके के सभी लोगों ने अपने घरों को सजाया है।

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर आध्यात्मिक रंग में रंगा पलामू

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू सोमवार को आध्यात्मिक रंग में रंगा दिखा। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर जिले भर में एक हजार से अधिक मंदिरों में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गईं। कई संगठनों की ओर से शोभायात्रा निकाली गई। मंदिरों को फूलों, दीपों, झंडों और पोस्टरों से सजाया गया है। पूरा जिला राममय नजर आया।

शहर से लेकर गांव तक श्रीराम की भक्ति में लोग डूबे हुए हैं। बड़े मंदिरों के साथ ही गली-मुहल्ले के छोटे मंदिरों को भी सजाया गया है। अयोध्या में आयोजित श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण भी किया गया। विष्णु मंदिर में विशेष पूजा का लाइव प्रसारण भी किया जा रहा था। विशेष पूजा के बाद शाम में दीपोत्सव किया गया। राम के गीत सुबह से रात तक गूंज रहे हैं। श्रीराम के भगवा पताका से शहर पट गया है।

जिला और पुलिस प्रशासन विधि व्यवस्था को लेकर अलर्ट मोड में रहा। कार्यक्रम और संवेदनशील इलाकों की मॉनिटरिंग ड्रोन से की गयी। रविवार को पुलिस ने फ्लैग मार्च भी निकाला गया था। एसपी रीष्मा रमेशन ने कहा है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर धार्मिक भावना भड़काने वालों पर कठोर कार्रवाई होगी। सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी गई।

एक सौ लोगों ने किया सुंदर काण्ड का सामूहिक पाठ

मुख्य बाजार स्थित श्री संकट मोचन महावीर मंदिर प्रबंधन द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन गया। मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाया गया है। यहां एक सौ लोगों ने एक साथ सुंदर काण्ड का सामूहिक पाठ किया। इसके साथ ही भजन कीर्तन, महाआरती, भंडारा और प्रसाद वितरण हुआ। खासकर बाजार एरिया में भगवा झंडे लहराते नजर आए। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पंचमुहान पर जमकर पटाखे फोड़े गए। इसी तरह छहमुहान, थाना रोड में अंबेडकर पार्क के सामने, पंचमुहान, बाजार एरिया सहित अन्य जगहों पर भंडारा का आयोजन किया गया। खीर, पुड़ी का वितरण किया गया।

राममय हुआ संपूर्ण कोडरमा जिला रामलला की निकली भव्य शोभायात्रा

PHOTON NEWS KODERMA : अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिला मुख्यालय कोडरमा समेत जिले के विभिन्न इलाकों में सोमवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। वहीं मंदिरों में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए उमड़ पड़े। जिला मुख्यालय स्थित हनुमान मंदिर से जुलूस की शक्ल में श्रद्धालु ध्वजाधारी पहाडी स्थित मंदिर परिसर पहुंचे। इस दौरान शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

शोभायात्रा के दौरान भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की झांकी भी निकाली गयी। शोभा यात्रा में शामिल लोगों ने हनुमान मंदिर और राम जानकी मंदिर में पूजा अर्चना भी की। शोभायात्रा जिन जिन मार्गों से गुजरी, वहां का वातावरण श्री राम के नारों से गुंजायमान हो उठा।

इस दौरान अयोध्या में श्री राम मंदिर बनने और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में उत्साह चरम पर

शोभा यात्रा में शामिल भक्त। • फोटोन न्यूज

दिखा। वहीं झुमरीतिलैया, मरकच्चो, जयनगर, सतगावां, चंदवारा, डोमचांच समेत अन्य जगहों में भी शोभायात्रा निकाली गयी। झुमरीतिलैया में महाराणा प्रताप चौक स्थित हनुमान मंदिर से स्टेशन रोड तक शोभा यात्रा निकाली गयी।

कोडरमा में शोभायात्रा में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, विधायक नीरा यादव, पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता के साथ ही विश्व हिन्दू परिषद के नगर अध्यक्ष संजीव समीर, मंत्री आरके बसंत, उपाध्यक्ष रवि शंकर, आदित्य पांडेय, रीतेश सिंह, अजीत वर्णवाल, भाजपा नगर अध्यक्ष नरेंद्र पाल, मनोज कुमार झुन्नू, राजकुमार यादव, गौतम राणा, दीपनारायण सिंह, सन्तोष साव, विकास कुमार, शंभू कुमार, अक्षय रंजन, संतोष कुमार, डॉ विशाल, पवन पांडेय, अजय झा, विक्की विश्वकर्मा समेत काफी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे।

सदी के सबसे बड़े राम उत्सव का दिल खोल कर हुआ स्वागत

झंडा मैदान में 25 हजार जलाये गए दीये, लोगों में दिखा गजब का उत्साह

PHOTON NEWS GIRIDIH : युगों-युगों के लम्बे इंतजार, हजारों राम भक्तों के बलिदान, अनेक संत-महात्माओं की आकांक्षा-अभिलाषा के पश्चात अवधपुरी-अयोध्या धाम में सोमवार को सम्पूर्ण वैभव के साथ भारतीय संस्कृति के अराध्य रामलला राघव स्वरूप में दिव्य भव्य नव्य मंदिर में विराजमान हो गये। प्रभु श्री राम के विराजे जाने के साथ ही साढ़े तीन दशक पूर्व प्रयागराज कुंभ में परम पुज्य चमत्कारी संत श्री देवराहा बाबा के अमृत वचन सत्य हो गये, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रभु राम का भव्य मंदिर निर्विवाद बनेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रण भी पूरा हो गया, जो उन्होंने 1992 में अयोध्या यात्रा के दौरान किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री आम कार्यकर्ता के रूप में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी के साथ अयोध्य गये

थे। उन्होंने देखा कि अवध के राजा राम टेंट में हैं तो, वे व्यथित हुए और एक पत्रकार को सिर्फ इतना ही कहा कि अब जब भी श्रीराम का मंदिर बनेग तब वे अयोध्या आयेंगे। इसके अलावा अनेक रामभक्तों के मंदिर निर्माण को लेकर की गई प्रतिज्ञा भी आज पूर्ण हो गई। सोमवार को अयोध्या नगरी में शुभ मुहूर्त में जैसे ही रत्नजड़ित स्वर्णकमल के भव्य सिंहासन पर मनमोहक स्वरूप में श्रीरामलला विराजमान हुए, वैसे ही देशभर के साथ टीवी स्क्रीन पर लाइव कवरेज देख रहे गिरिडीह जिले के लोगों द्वारा घर-घर में बधाई देने का क्रम शुरू हो गया।

गिरिडीह के तमाम मंदिरों में चौक-चौराहों पर शंख ध्वनि के बीच ढोल-नगाड़े, घंटे- घड़ियाल बजने लगे। जय श्रीराम के जयकारों के साथ रामधुन पर लोग थिरकने लगे। युवकों ने सड़कों पर मंदिर परिसरों में आतिशबाजी कर महिलाओं ने श्री फल नारियल फोड़कर प्रभु श्री राम के अपने देश में अपनी जन्म भूमि पर विराजे जाने का स्वागत किया।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चाईबासा हुआ राममय, मंदिरों में कई कार्यक्रम आयोजित

PHOTON NEWS CHAIBASA : रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर के विभिन्न मंदिरों में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। सामूहिक सनातन धर्म उत्सव पिलाई हाल में अखिल भारत वर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन चाईबासा शाखा द्वारा अनुष्ठान किया गया। गणेश मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, शंभू मंदिर समेत अन्य मंदिरों में राम भजन कीर्तन का आयोजन किया गया एवं कई चौक चौराहा पर भक्तगणों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। हिंदू जागरण मंच की ओर से आयोध्या राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर 51 फिट बजरंग बली जी की महाआरती की गई। वहीं अयोध्या राम मंदिर आंदोलन के समय चाईबासा से जेल गए राम भक्तों को सम्मानित किया गया। इसके बाद कीर्तन, भजन संध्या, बच्चों के दुवारा सांस्कृतिक प्रोग्राम, आतिश बाजी, मंदिर उद्घाटन का सीधा प्रसारण एवं भंडारा आयोजित किए गए।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अधिवक्ताओं ने बांटे लड्डू

CHAIBASA : रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर सोमवार को जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं द्वारा लड्डू बांटकर भगवान राम के आगमन की खुशियां मनाई गई। इससे पूर्व झारखंड स्टेट बार काउंसिल के सदस्य अधिवक्ता अनिल कुमार महतो व अधिवक्ताओं ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विश्वनाथ शुक्ला के अलावा अन्य न्यायिक पदाधिकारियों के बीच लड्डू बांटे। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद, उपाध्यक्ष केसर परवेज, महासचिव फादर आगस्तीन कुल्लू, वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन प्रसाद साव, सरकारी

लड्डुओ का वितरण करते अधिवक्ता। • फोटोन न्यूज

वकील पवन शर्मा, मदन मोहन दरीपा, अंकुर चौधरी, वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष मिश्रा, सुरेंद्र प्रसाद, नीरज कुमार, सतीश चन्द्र महतो, आशीष सिन्हा, केशव प्रसाद, विवेक शर्मा, अधिवक्ता सह सामाजिक कार्यकर्ता राजाराम गुप्ता,प्रदीप विश्वकर्मा, नंदा सिन्हा,अमरेश साव, सरफराज खान, संजीव ठाकुर, विशाल शर्मा, महेश निषाद, दिलीप सिंह, अनिल सुंडी, मोहित शर्मा, देवनंदन सिंह, किरण विश्वकर्मा, राहुल सिंह, अली हैदर, शैलेंद्र पान के अलावा काफी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद थे।

इधर मारवाड़ी युवा मंच चाईबासा जागृति शाखा की ओर से श्री श्याम मंदिर ठाकुरबाड़ी में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। सभी भक्तों ने 11-11 दीये जलाकर और हनुमान चालीसा पाठ कर भोग लगाकर श्री राम प्रभु को रिझाया गया। भक्तगण नीतू तिबड़ेवाल, ऋचा अग्रवाल, वीणा अग्रवाल ,सरिता अग्रवाल आदि ने अपनी सराहनीय उपस्थिति देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

बलवंत गोप की अध्यक्षता में झामुमो प्रखंड समिति की बैठक संपन्न, विधायक दीपक बिरुवा हुए शामिल

हर गांव टोले में लगेगा नया चापाकल : विधायक

PHOTON NEWS CHAIBASA : हाटगम्हारिया में झामुमो प्रखंड समिति की बैठक प्रखंड अध्यक्ष बलवंत गोप की अध्यक्षता में एवं विधायक दीपक बिरुवा की उपस्थिति में हुई। बैठक में मुख्य रूप से आगामी 2 फरवरी को मनाई जाने वाली सेरेंगसिया शहीद दिवस समेत में सड़क, बिजली, पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ता शहीद दिवस में होने पर सहमति जताई गई। इस दौरान कहा गया कि सेरेंगसिया शहीद दिवस में 100 मोटरसाइकिल से कार्यकर्ता शहीद स्थल के लिए रवाना होंगे। इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ताओं ने अन्य कई बिंदुओं पर अपनी बात रखी।

इस दौरान कहा गया कि क्षेत्र के

बैठक में शामिल विधायक दीपक बिरुवा व अन्य। • फोटोन न्यूज

कई गांव में चापाकल है किंतु अधिकतर चापाकल खराब पड़ी है कई जगहों पर नए चापाकलों की आवश्यकता है। जिसके कारण ग्राम वासियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समस्या का निराकरण जल्द कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि खासकर पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए सभी गांव टोले में जाकर निरीक्षण करें और इसकी सूची तैयार करें, ताकि स्वच्छ पेयजल को लेकर नए चपाकलों का निर्माण करा कर पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त कराया जा सके।

उन्होंने दो दिनों के अंदर नए चपाकलों की सूची जमा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे गांव टोला का भी चिन्हित करें। विधायक ने कहा कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य, खुशहाली और समृद्धि के लिए पानी सबसे जरूरी संसाधनों में से एक है और यह जीवन-यापन के लिए एक सार्वभौमिक आवश्यकता है। सभी अवसरों और प्रयोजनों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी तक सभी की पहुंच न केवल एक मौलिक अधिकार है, बल्कि सभी के लिए सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए भी पानी बेहद अहम है। संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से मिलकर जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। साथ ही जल्द ही हाटगम्हारिया प्रखंड झामुमो युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की एक संयुक्त कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया। मौके पर जिप सदस्य प्रमिला पिंगुवा, गोपाल हेंब्रम, किशोर सिंकु, कैरा कोड़ा, लादुरा लागुरी, छोटा दीपक बिरुवा, सुधीर बेहरा, तपन प्रधान, वीरेंद्र सिंकु, जुडिया सिंकु, कृष्ण कुम्हार, दामू चातोंबा, जीवनी सिंकु, बुलेट कोड़ा, महेंद्र पिंगुआ, बागुन सिंकु, राज गोप, मुरली कोड़ा, मरंग बाबू, सुनील बिरुवा, हरिचरण बिरुवा, गुलाब सिंह चातोंबा, राजेश चातोंबा, राजेश गागराई, छोटेलाल सिंकु, मंगल सिंह हेंब्रम, देवेंद्र देवगम, सोना लागुरी, टीकुन सिंकु, रामलाल सिंकु, अर्जुन सिंकु, राकेश सिंकु, कैलाश सिंकु समेत अन्य उपस्थित थे।

प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर लगातार निरीक्षण करते रहे डीसी एसपी व अन्य अधिकारी

PHOTON NEWS CHAIBASA : अयोध्या में प्रभु श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को देखते हुए उपायुक्त अनन्य मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर रीना हांसदा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप खलखो सहित अन्य अधिकारी चक्रधरपुर का भ्रमण कर विधि-व्यवस्था के स्थिति का निरीक्षण करते रहे। निरीक्षण के दौरान शहर के पवन चौक, रेलवे स्टेशन, इतवारी बाजार सहित विभिन्न चौक-चौराहों, आदि स्थानों का दौरा कर उपस्थित दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को सतर्कता के साथ कर्तव्य पर क्रियाशील रहने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने बताया गया श्री राम प्रभु के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के

क्षेत्र का निरीक्षण करते डीसी, एसपी व अन्य। • फोटोन न्यूज

उपलक्ष पर जिला में आयोजित होने वाले शोभायात्रा, धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान विधि-व्यवस्था भंग करने वाले अथवा अशांति फैलाने में सलंग्न कतिपय व्यक्तियों पर विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने आम जनों से अपील किया कि सोशल मीडिया यथा फेसबुक/ट्विटर/ व्हाट्सएप/ इंस्टाग्राम/यूट्यूब आदि पर भ्रामक एवं गलत पोस्ट को शेयर ना करें। किसी भी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान ना दें तथा अपवाह फैलाने वाले लोगों की सूचना डायल 100 या जिला स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर- 9508243546 पर अविलंब साझा करें। पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन जिला में शांति व्यवस्था बहाल रखने के लिए लगातार कृतसंकल्पित है।

आमजन के राम

राम की कहानी युगों से भारत को संवारने में उत्प्रेरक रही है। इसीलिए राष्ट्र के समक्ष सुरसा के जबड़ों की भांति फैले हुए सद्य संकटों की रामकहानी समझना और उनका मोचन इसी से मुमकिन है। शर्त यही है राम में रमना होगा, क्योंकि वे "जन रंजन भंज न सोक भयं" हैं। बापू का अनुभव था कि जीवन के अंधेरे और निराश क्षणों में रामचरित मानस में उन्हें सुकून मिलता था। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि "राम का असर करोड़ों के दिमाग पर इसलिये नहीं है कि वे धर्म से जुड़े हैं, बल्कि इसलिए कि जिन्दगी के हरेक पहलू और हरेक कामकाज के सिलसिले में मिसाल की तरह राम आते हैं। आदमी तब उसी मिसाल के अनुसार अपने कदम उठाने लग जाता है।" इन्हीं मिसालों से भरी राम की किताब को एक बार विनोबा भावे ने सिवनी जेल में ब्रिटेन में शिक्षित सत्याग्रही जेसी कुमारप्पा को दिया और कहा, "दिस रामचरित मानस ईज बाइबल ऐंड शेक्सपियर कम्बाइन्ड।" लेकिन इन दोनों अंग्रेजी कृतियों की तुलना में राम के चरित की कहानी आधुनिक है, क्योंकि हर नई सदी की रोशनी में वह फिर से सुनी, पढ़ी और विचारित होती है। तरोताजा हो जाती है। गांधी और लोहिया ने सुझाया भी था कि हर धर्म की बातों की युगीय मान्यताओं की कसौटी पर पुनर्समीक्षा होनी चाहिए। गांधीजी ने लिखा था, "कोई भी (धार्मिक) त्रुटि शास्त्रों की दुहाई देकर मात्र अपवाद नहीं करार दी जा सकती है।" बापू ने नये जमाने के मुताबिक कुरान की भी विवेचना का जिक्र किया था। लोहिया तो और आगे बढ़े। उन्होंने मध्यकालीन रचनाकार संत तुलसीदास के आधुनिक आलोचकों को चेताया, "मोती को चुनने के लिए कूड़ा निगलना जरूरी नहीं है, और न कूड़ा साफ करते समय मोती को फेंक देना।" रामकथा की उल्लास-भावना से अनुप्राणित होकर लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला की सोची थी। उसके पीछे दो प्रकरण भी थे। कामदगिरी के समीप स्फटिक शिला पर बैठकर एक बार राम ने सुन्दर फूल चुनकर काशाय वेशधारिणी सीता को अपने हाथों से सजाया था। (अविवाहित) लोहिया की दृष्टि में यह प्रसंग राम के सौन्दर्यबोध और पत्नीव्रता का परिचायक है, जिसे हर पति को महसूस करना चाहिये। स्वयं लोहिया ने स्फटिक शिला पर से दिल्ली की ओर देखा था। सोचा भी था कि लंका की तरह केन्द्र में भी सत्ता परिवर्तन करना होगा। तब नेहरू- कांग्रेस का राज था। फिर लोहिया को अपनी असहायता का बोध हुआ था, रावण रथी, विरथ रघुवीर की भांति। असमान मुकाबला था, हालांकि लोहिया के लोग रथी हुए उनके निधन के बाद। लोहिया रामचरितमानस के छोटे किस्सों का उद्धरण करते थे और आमजन की जिज्ञासा जगाते थे ताकि राम पर चर्चा व्यापक हो। मसलन बड़े भाई राम अकसर अनुज लक्ष्मण को उकसाते थे। जब धनुष टूटा तो नाराज परशुराम से लक्ष्मण का विवाद तीखा था। शूर्पणखा को टालने के लिए फिर राम ने लक्ष्मण को एवजी बनाया। दोनों में संवाद का आयमन क्या था? लोहिया ने अपने राम को साधारण मनुष्य जैसा ही देखा था। महात्मा गांधी के विषय में एक अचंभा अवश्य होता है। द्वारका के निकट सागर किनारे वे पैदा हुए पर जीवनभर सरयूतटी राम के ही उपासक रहे।

आस्था का विराट रूप

अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम ने जितना व्यापक रूप ले लिया है, इसकी पहले से शायद ही किसी को कल्पना रही हो। यह सही है कि देश के हिंदू समाज का बड़ा हिस्सा इस घड़ी का लंबे समय से इंतजार कर रहा था, लेकिन फिर भी इसे लेकर जिस तरह का माहौल बना है, उसे असाधारण ही नहीं, अभूतपूर्व कहा जा सकता है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह तो यह है कि मंदिर निर्माण को लेकर देश में पूरी तरह से सर्वसम्मति बन चुकी है। जो भी किंतु-परंतु थे, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद समाप्त हो गए। देश के तमाम राजनीतिक दल इस मसले पर साथ खड़े दिख रहे हैं। जो प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो रहे, वे भी इसका विरोध नहीं कर रहे, किसी न किसी तरह से समर्थन ही जता रहे हैं। दूसरी वजह यह है कि मंदिर निर्माण की प्रक्रिया से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े संगठनों ने इस काम में किसी तरह की खेमेबाजी को आड़े नहीं आने दिया। हिंदुत्व से जुड़े तमाम पंथों, समूहों, संप्रदायों को खुले दिल से इस कार्यक्रम में शामिल किया गया। आबादी के बड़े से बड़े हिस्से को सांकेतिक रूप में ही सही, पर इस प्रक्रिया में शामिल करने के विशेष प्रयास किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और उनकी छवि व लोकप्रियता का भी इस पूरी प्रक्रिया पर साफ असर देखा जा सकता है। अगर अतीत में पहले कभी इस तरह का परिदृश्य नहीं दिखा तो उसकी एक वजह संचार के वे नए-नए साधन भी हैं जो विज्ञान ने हाल के समय में मुहैया कराए हैं। टीवी चैनल ही नहीं, सोशल मीडिया की मौजूदगी, हर हाथ में स्मार्टफोन और इंटरनेट तक आसान पहुंच की इसमें बड़ी भूमिका रही है। इस पूरे अभियान की सबसे अच्छी बात यह है कि यह किसी के खिलाफ नहीं है। इसमें किसी भी पंथ, संप्रदाय या समूह के लिए नफरत नहीं दिख रही है। सबका पॉजिटिव नजरिया ही सामने आ रहा है। सवाल है कि पॉजिटिविटी और उत्साह भरे इस माहौल में सबकुछ सिर्फ अच्छा ही अच्छा है या इसमें कुछ ऐसा भी है जिससे सावधान रहने की जरूरत है। तात्कालिक तौर पर भले सब ठीक लग रहा हो लेकिन लंबे फलक पर देखा जाए तो एक खास समूह की आस्था का यह जुनून देश और समाज के लिए समस्या भी पैदा कर सकता है। एक तो शासन और धर्म के बीच सम्मानजनक दूरी बनाए रखने की जो भावना संविधान में प्रतिष्ठित की गई है, वह कमजोर पड़ते जाने का खतरा है और दूसरी बात कि देशवासियों के जीवन की बुनियादी जरूरतों से जुड़े मसलों के लिए राजनीति में स्पेस कम होते जाने की आशंका है।

Social Media Corner

सच के हक में...

अयोध्या धाम में श्री राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा का अलौकिक क्षण हर किसी को भाव-विभोर करने वाला है। इस दिव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरा परम सौभाग्य है। जय सियाराम!

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

असम में न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी के सामने लगे मोदी मोदी और जय श्रीराम के नारे। इन नारों को सुन राहुल गांधी जी अपना आपा खो बैठे और बस से उतरकर पब्लिक से भिड़ गए। राहुल जी को अब इन नारों की आदत डाल लेनी चाहिए। आप जहां जहां जाईयेगा प्रभु श्रीराम का जयकारा जरूर सुनाई देगा!!!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

युवा झारखण्ड के बढ़ते कदम... रांची में स्थित टेक्सटाइल उद्योगों में 2500 कौशल प्रशिक्षित युवाओं को ऑफर लेटर वितरण कार्यक्रम में शामिल हुआ। इस शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएँ और जोहार।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

बेमिसाल है नेताजी की आजाद हिन्द फौज

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

जब सुभाष बोस जेल में थे तब गांधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इनकार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधी जी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपना वचन तोड़ने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्वारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये। 1930 में सुभाष कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबीयत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन् 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया।

आजादी की जंग में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को 126वीं जयंती मनाई जा रही है। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ही साहस व पराक्रम का उदाहरण है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। नेताजी की अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में हुई। तत्पश्चात उनकी शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई। उन्होंने इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय से सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया था। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा का नारा भी उनका उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। 1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस ने सिविल सर्विस की सरकारी नौकरी छोड़ कर कांग्रेस से जुड़ गए। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में नेताजी ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाष बोस उसके एक

सदस्य थे। 26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उनको जेल भेज दिया। जब सुभाष बोस जेल में थे तब गांधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इनकार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधी जी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपना वचन तोड़ने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्वारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये। 1930 में सुभाष कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबीयत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन् 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया। 1938 में गांधीजी ने कांग्रेस के हरिपुरा वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना तो था मगर उन्हें उनकी कार्यपद्धति पसन्द नहीं आयी। इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतंत्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था। परन्तु गांधीजी इससे सहमत नहीं थे। 1939 में जब नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने का वक्त आया तब सुभाष चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बनाया जाये जो इस मामले में किसी दबाव के आगे बिल्कुल न झुके। ऐसा किसी दूसरे व्यक्ति के सामने न आने पर सुभाष ने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना चाहा। लेकिन गांधीजी उन्हें अध्यक्ष पद से हटाना चाहते थे। गांधीजी ने अध्यक्ष पद के लिये पट्टाभि सीतारमैया को चुना। बहुत बरसों बाद कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ। चुनाव में नेताजी सुभाष को 1580 मत व सीतारमैय्या को 1377 मत मिले। गांधीजी के विरोध के बावजूद सुभाष बाबू 203 मतों से चुनाव जीत गये। गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बताया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 3 मई 1939 को सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की अनीता नाम की एक बेटी भी हुई। जर्मनी जाकर नेताजी हिटलर से मिले। 1943 में उन्होंने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया लक्ष्मी सहगल जिसकी कैप्टन बनी। नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। आजाद हिन्द फौज के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुंचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा दिया। खून भी एक दो बूंद नहीं इतना कि खून का एक महासागर तैयार हो जाये और उसमें मैं ब्रिटिश साम्राज्य को डूबो सकूं। 1944 को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत की अंग्रेज शासकों को आक्रमण कर चुनौती दी। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंदमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आजाद-हिन्द सरकार के नियंत्रण में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा। 6 जुलाई 1944 को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधी जी को पहली बार राष्ट्रपिता बुलाकर अपनी जंग के लिये उनका आशीर्वाद भी मांगा। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका। किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 के नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारत में सेना के बल पर शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतंत्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। विश्व इतिहास में आजाद हिंद फौज जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। जहां 30-35 हजार युद्ध बंदियों को संगठित, प्रशिक्षित कर अंग्रेजों को पराजित किया। पूर्व एशिया और जापान पहुंच कर उन्होंने आजाद हिन्द फौज का विस्तार करना शुरू किया। रंगून के जुबली हॉल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण सदैव के लिए इतिहास के पत्रों में अंकित हो गया। नेताजी की मृत्यु के संबध में विवाद बना हुआ है कि 18 अगस्त 1945 के बाद का सुभाषचन्द्र बोस का जीवन-मृत्यु आज तक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

नेताजी की दृष्टि में श्रीराम और रामराज्य

अमर स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने महात्मा गांधी की तरह सीधे रामराज्य की बात नहीं की। उनकी किसी भी राजनीतिक सभा में रामधुन नहीं बजाया जाता था लेकिन श्री रामचन्द्र के त्याग, आदर्श और संघर्ष की जीवन गाथा उनके पूरे जीवन के आदर्शों और दर्शन में मिलती है। सुभाषचंद्र जब किशोरावस्था में थे तभी से उन्होंने रामायण के आंतरिक भावों का चित्रण किया था। जब वे 13-14 वर्ष के थे तब उन्होंने अपनी मां प्रभावती देवी को एक पत्र में लिखा, "मां, भारत भगवान के महान प्रेम की भूमि है। इस महाद्वीप में लोगों को रास्ता दिखाने के लिए भगवान ने हमेशा अवतार लिया है। युगों-युगों से भगवान के अवतार ने धरती को पाप-मुक्त किया और हर भारतीय के दिल में धर्म और सच्चाई के बीज बोए। भगवान ने मानव शरीर धारण किया है और अपने अवतार के रूप में कई देशों में जन्म लिया है, लेकिन उन्होंने किसी भी देश में इतनी बार अवतार नहीं लिया है, इसलिए हम कहते हैं कि हमारी मूल भारत माता ईश्वर के महान प्रेम की भूमि है।" नेताजी लिखते हैं, दक्षिण में पवित्र गोदावरी दो कुंडों को भरकर कलकल ध्वनि के साथ निरंतर बहती रहती है - कैसी पवित्र नदी है! जैसे ही मैं देखता या सोचता हूं, मुझे रामायण का पांचवां अध्याय याद आ जाता है तब मैं अपने मन की आंखों में राम, लक्ष्मण और सीता को देखता हूं, जो राज्य और वैभव को त्याग कर गोदावरी के तट पर खुशी के साथ समय बिता रहे हैं, सांसारिक दुखों या चिंताओं को छोड़कर नैसर्गिक परमानंद के साथ। वे तीनों अपने दिन परमानंद में बिताते हैं, प्रकृति की पूजा करते हैं और भगवान की पूजा करते हैं और इस बीच हम लगातार सांसारिक दुखों से जल रहे हैं।" उसी उम्र में, सुभाष चंद्र ने यह भी उल्लेख किया कि आम लोग सुख के लिए हाहाकार कर रहे हैं लेकिन उनका कारण - "हमारा कोई धर्म नहीं है, कुछ भी नहीं। नहीं है, राष्ट्रीय जीवन भी नहीं है। अब हम एक कमजोर शरीर वाले गुलाम, भ्रष्ट, पापी राष्ट्र हैं! अफसोस! हे सर्वशक्तिमान! यह भारत की कैसी शोचनीय स्थिति है! क्या तुम हमें नहीं बचाओगे? यह तुम्हारा देश है, लेकिन भगवान देखो, तुम्हारे देश की क्या हालत है! आपके अवतारों द्वारा स्थापित सनातन धर्म कहां है? हमारे पूर्वजों आर्यों ने जिस जाति और धर्म को बनाया और स्थापित किया था, उसे अब त्याग दिया गया है। हे दयालु हरि, कृपया रक्षा करें!" सुभाष की मां भी भगवान राम की भक्त थीं। किशोरावस्था में ही सुभाष ने देश के लोगों की शांति के बारे में भी पत्र लिखा। इसमें उन्होंने लिखा, "भगवान के दिखाए रास्ते को आत्मसात किए बिना और पूजा के बिना शांति नहीं है। नश्वर जीवन में यदि कोई सुख है तो घर-घर जाकर गोविंद का नाम जपने के अलावा सुख का और कोई रास्ता नहीं है। जब मैं ऊपर देखता हूं, मां, मुझे और भी अधिक पवित्र दृश्य दिखाई देता है! मुझे रामायण का एक और दृश्य याद आता है। मैंने वाल्मीकि के पवित्र तपोवन में दिन रात महर्षि की पवित्र वाणी में वेद मंत्र पढ़ते हुए देखा, मैंने वृद्ध महर्षि को ध्यान मुद्रा में बैठे देखा- उनके चरणों में दो शिष्य- कुश और लव दिखे। महर्षि उन्हें शिक्षा दे रहे थे। वेदों की पवित्र ध्वनि से आकर्षित होकर क्रूर सर्प भी अपना विष खो चुका है, फन उठाकर चुपचाप मंत्रों को सुन रहा है। गोकुल गंगा में जल पीने आये हैं- वे भी एक बार मुख उठाकर उस पवित्र मंत्र को सुन रहे हैं जिसे सुनने से कान सार्थक हो जाते हैं। पास ही एक हिरण लेटा हुआ है - वह लगातार महर्षि के मुख की ओर बिना पलकें झपकाए देखता रहता है। रामायण में सब कुछ पवित्र है चाहे वह तिनका ही क्यों ना हो। लेकिन अफसोस! हम, धर्मत्यागी के रूप में, अब उस पवित्रता को नहीं समझ सकते। एक और पवित्र दृश्य याद आता है। भुवन तारिणी विपदा हरिणी भागीरथी बह रही हैं। इसके तट पर योगिकुल बैठे हैं- कुछ आधी बंद आंखों से ध्यान में डूबे हुए हैं - कुछ कानन के फूल लेकर मूर्तियां बनाकर पूजा कर रहे हैं, चंदन धूप जैसी पवित्र सुगंध फैली हैं - कुछ मंत्रोच्चार कर रहे हैं। क्षितिज के समय कुछ लोग गंगा के पवित्र जल की ओर आ रहे हैं। कोई गीत गा रहा है और पूजा के लिए जंगली फूल चुन रहा है। ये दृश्य आंख और मन को प्रसन्न करते हैं। लेकिन अफसोस! आज वे ऋषि कहां हैं? उनका पवित्र मंत्र कहां है? उनके यज्ञ, हवन आदि कहां हैं? सोचकर कलेजा फट जाता है!" युवावस्था की इसी भावना ने 1914 में मई-जून की चिलचिलाती गर्मी में सुभाष चंद्र को पहली बार हिमालय बुलाया। वे भगवा धारण कर घर से निकले। काशी, वृन्दावन, हरिद्वार आदि अखाड़ों में संतों के जीवन के विभिन्न व्यावहारिक अनुभव लिए। उसके पहले वर्ष क्रिसमस की छुट्टियों में 18-19 दोस्तों के साथ सुभाष ने साधु जीवन जीने के इरादे से शांतिपुर में गंगा के किनारे एक खाली घर में कुछ दिन बिताए। बिल्कुल नरेंद्रनाथ दत्त के स्वामी विवेकानन्द बनने के जीवन की शुरूआत की तरह। सुभाष चन्द्र की विभिन्न क्रांतिकारी गतिविधियों के पीछे अनेक साधु-संतों और महापुरुषों का आशीर्वाद था। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने अपने प्रिय सुभाष को देशनायक के संबोधन के साथ एक लम्बा पत्र लिखा। उन्होंने लिखा- सुभाष चंद्र, बंगाली कवि, मैं आपको बंगाल के निवासी के रूप में देशनायक के तौर पर स्वीकार करता हूं। गीता कहती है कि सत्य की रक्षा और बुराई के अंत के लिए ईश्वर बार-बार प्रकट होते हैं। जब देश आपदा के में फंस जाता है, तो नेता देश की पीड़ा से प्रेरित होकर उभरते हैं।" उस समय कांग्रेस की राजनीति के दबाव के कारण यह पत्र प्रकाशित नहीं हुआ, न तो कवि रवींद्रनाथ ने और न ही सुभाष चंद्र बोस ने देशनायक की अभिव्यक्ति को छपते देखा। गुरुदेव ने अंत में लिखा, ... फिर मैं आपको यह आशीर्वाद देकर जाऊंगा कि देश के दुःख को अपना दुःख बनाओ, देश की मुक्ति हो रही है। देश की जनता के कष्टों ने नेताजी के जीवन को भी श्री रामचन्द्र के समान दुःखमय, कष्टकारी, संघर्षपूर्ण बना दिया।

युवाओं के हीरो सुभाष चन्द्र बोस

भारत युवाओं की प्रेरणास्थली रहा है। यहां की मिट्टी में ऐसे महापुरुषों का जन्म हुआ है, जिन्होंने न केवल भारत के नौजवानों के लिए उत्साहवर्धन का काम किया है अपितु दुनिया भर में साहस और शौर्य का प्रतीक बने हैं। भारत विविधताओं से भरी क्षमताओं वाला देश है। विपरीत परिस्थितियों से लड़कर जीत हासिल करने में पारंगत लोगों की फेहरिस्त में अग्रिणी नाम है नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का, जिनके जन्म दिवस 23 जनवरी को भारत पराक्रम दिवस के रूप में मनाता है। उनकी सूझबूझ और रणनीति से प्रेरित होकर जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें नेताजी कहकर संबोधित किया। 23 जनवरी 1897 को ओडिशा के कटक में जानकीनाथ बोस और प्रभावतीदत्त बोस के घर जन्मे सुभाषचन्द्र बोस युवाओं के जोशीले नेताजी के रूप में तमाम नवयुवकों के हीरो हैं। जो जीवन की चुनौतियों को स्वीकारना जानते हैं। सदियों से कहावत रही है कि पूत के पांव पालने में दिख जाते हैं जिसका बेहतरीन उदाहरण सुभाषचन्द्र बोस हैं। साहस के साथ समाज सेवा, देश प्रेम के साथ राष्ट्र भक्ति की मिसाल हैं सुभाषचन्द्र बोस। बचपन में आप जितने साहसी थे उतने ही उदार भी। कहते हैं कि ओडिशा के कटक शहर में स्थित उड़िया बाजार में प्लेग फैला हुआ था। उस इलाके में केवल बापू पाडा मोहल्ला इस बीमारी से बचा हुआ था। उसकी बड़ी वजह थी वहां पर मौजूद साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम। जिसे करने के लिए 10 वर्ष से 18 वर्ष के नवयुवकों ने एक टीम बनाई हुई थी उस टीम का नेतृत्व कर रहा था 12 साल का एक बालक। इस बाजार में हैदर अली नाम के एक व्यक्ति का दबदबा था। हैदर बापू पाडा में साफ-सफाई करने वाले बच्चों को अकसर डांट फटकार कर भगा देता। लोग उससे बहुत परेशान थे। कुछ समय बाद हैदर के बेटे और पत्नी को भी प्लेग हो गया यह खबर सुनते ही अभियान दल का मुखिया हैदर की मदद में जुट गया। जबकि लोग उससे दूर भागने लगे। हैदर के मन में उस बालक के सेवाभाव को देखकर और स्वयं के किए गए बर्ताव को देखकर आत्मग्लानि का भाव उत्पन्न हो गया और उसका हृदय परिवर्तन हो गया। हैदर का हृदय परिवर्तन करने वाला वह असाधारण बालक और कोई नहीं बल्कि सुभाषचन्द्र ही था। उनमें नेतृत्व की कमाल की शक्ति थी। बडे. से बडे. सूरमा भी परास्त हो जाते थे। बडे. होकर अंग्रेजों को नाको चने चबवाने का काम सुभाषचन्द्र बोस ने बखूबी किया। जीवन की जटिलताओं को सरल बनाने का साहस जैसा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस में दिखाई देता है। आज भी भारतीय युवाओं में सिविल सेवा की परीक्षा को पास करने के जज्बे पर नेताजी को देखा जा सकता है। आप ने वर्ष 1919 में भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) की परीक्षा उत्तीर्ण की और बाद में इस्तीफा देकर देश की आजादी के सपने को सच करने के मिशन में लग गए। सुभाषचन्द्र बोस अपने आध्यात्मिक गुरु विवेकानन्द एवं राजनीतिक गुरु चितरंजन दास को बहुत मानते थे। सन 1921 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने चितरंजन दास की स्वराज पार्टी द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र फारवर्ड के सम्पादन का कार्यभार संभाला। भारत पूर्ण स्वराज के साथ दुनिया से नजर मिलाए यह सपना नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का था। ऐसे कई मौके आए जब नेताजी ने भारत की गुलामी की जंजीरों को पिघलाने की कोशिश की। कभी जेल गए तो कभी ब्रिटिश हुकूमत को आसानी से चकमा देकर अपने सीक्रेट मिशन को पूरा करने में सफल रहे। उन्होंने कभी भी अंग्रेजी हुकूमत को चैन से सोने न दिया। भारत में आजादी का दिन 15 अगस्त 1947 के दिन के रूप में दर्ज है लेकिन आजादी के इस दिन से लगभग चार साल पहले ही नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने हिन्दुस्तान की पहली सरकार का गठन कर दिया था। 21 अक्टूबर 1943 का दिन इतिहास कभी न भुला पाएगा, जब भारत पर अंग्रेजी हुकूमत थी और नेताजी ने सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार की स्थापना कर सबको अचंभे में डाल दिया। नेताजी का यह कदम अंग्रेजी सरकार को यह बतलाने के लिए पर्याप्त था कि भारत में उनकी सरकार का कोई अस्तित्व नहीं रह गया है भारतीय अपनी सरकार चलाने में सक्षम है। आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति के तौर पर सुभाष चन्द्र बोस ने स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनाई।

तनाव घटाने की कोशिश

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से देश में कोचिंग सेंटरों के लिए जो नई गाइडलाइन जारी की गई है, उसे सही दिशा में उठाया गया कदम कहा जा सकता है। इसका मकसद कोचिंग सेंटरों के रेगुलेशन का स्टैंडर्ड सेट करना बताया गया है। भारत में स्टूडेंट्स जिस तरह के तनाव से गुजरते हैं, उसका अंदाजा उनकी खुदकुशी के आंकड़ों से हो जाता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 2019 से 2021 के बीच ही 35,000 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने खुदकुशी की। अफसोस की बात यह है कि खुदकुशी करने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। 2019 में स्टूडेंट्स की खुदकुशी की जो संख्या 10,335 थी, वह 2020 में 12,526 हो गई और 2021 में बढ़कर 13,089 तक जा पहुंची। इस तनाव का एक बड़ा केंद्र जाने अनजाने देश भर में फलते-फूलते कोचिंग सेंटर भी हो गए हैं। कोटा जैसे कोचिंग हब से स्टूडेंट्स की खुदकुशी की खबरें जब-तब आती रहती हैं और राज्य सरकार के साथ दूसरी पहल के बावजूद वहां इस पर रोक लगाने में कामयाबी नहीं मिल पाई है। मुखर्जी नगर में भी कोचिंग करने पहुंचे स्टूडेंट्स कितने स्ट्रेस में रहते हैं, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है। न केवल स्टूडेंट्स बल्कि पैरेंट्स भी इस बात को लेकर बेकरार रहते हैं कि उनका बच्चा किसी तरह से कॉम्पिटिशन निकाल ले। इस क्रम में वे अक्सर बच्चों को कम उम्र में भी कोचिंग में भर्ती करा देते हैं ताकि वे दूसरे बच्चों से आगे रहें। इसके लिए कोचिंग संस्थानों की ऊंची फीस भरने को भी तैयार रहते हैं। इन सबका प्रेशर आखिरकार बच्चों पर ही पड़ता है। उन्हें लगता है कि अगर किसी वजह से वे नाकाम हुए तो न केवल पैरेंट्स की उम्मीदें टूटेंगी बल्कि उनकी मेहनत की कमाई भी बेकार जाएगी। लिहाजा वे खुद को कॉम्पिटिशन की तैयारी में झोंक देते हैं, लेकिन कामयाबी की उम्मीद नजर न आने पर उनके टूट जाने का खतरा बना रहता है। इस लिहाज से यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा मंत्रालय की गाइडलाइन में उन पहलुओं पर खास ध्यान दिया गया है जिनसे कोचिंग सेंटरों के तनाव का स्रोत में तब्दील होने के आसार बढ़ते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

अंतरिम बजट में होगा 5.3 फीसदी नुकसान का लक्ष्य!

वित्त वर्ष 2025 के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी के 5.3 प्रतिशत के बराबर रखा जा सकता है

नई दिल्ली ।

अर्थशास्त्रियों और अनुमान लगाने वाली एजेंसियों के कई अनुमानों के विश्लेषण से पता चलता है कि आगामी अंतरिम बजट में वित्त वर्ष 2025 के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी के 5.3 प्रतिशत के बराबर रखा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ अर्थशास्त्रियों का पूंजीगत व्यय में कमी आने का अनुमान है, जो कोविड के बाद के दो वित्तीय वर्षों में बहुत ज्यादा रहा है। अनुमान लगाने वाली एजेंसियों के 10 शोध रिपोर्टों का विश्लेषण किया गया गया है। इनमें से 8 ने अनुमान लगाया है कि राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 5.3 प्रतिशत रहेगा, जबकि दो एजेंसियों ने 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आम चुनावों को देखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लेखानुदान या अंतरिम बजट पेश करेंगी, जिससे अगली सरकार द्वारा पूर्ण बजट पेश किए जाने के पहले शुरुआती व्यय किया जा सके। गोल्डमैन सैक्स ने एक बयान में कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2025 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 5.2 से 5.4 प्रतिशत के बीच रखेगी। वित्त वर्ष 26 तक मध्यावधि के हिसाब से राजकोषीय समेकन का लक्ष्य 4.5 प्रतिशत करने के सरकार के लक्ष्य को

देखते हुए यह अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 24 में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 5.9 प्रतिशत रखा गया है।

बजट में अनुमानित नॉमिनल जीडीपी वृद्धि की तुलना में इसके कम रहने, विनिवेश से कम आमदनी और सब्सिडी के ज्यादा बोझ के कारण ज्यादातर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह लक्ष्य अधिक गैर कर राजस्व व प्रमुख मंत्रालयों के बचत से पूरा किया जाएगा। इसी तरह का विचार पेश करते हुए बार्कलेज का कहना है कि ज्यादा कर व गैर कर राजस्व संग्रह से विनिवेश राजस्व से आई कमी की भरपाई हो जाएगी और उम्मीद है कि केंद्र सरकार चालू वित्त वर्ष में आसानी से जीडीपी के 5.8 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य प्राप्त कर लेगी।

सैमसंग लांच करेगी नया डिजिटल हेल्थ केयर डिवाइस

सैन जोस ।

साल 2024 में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स एक नया डिजिटल हेल्थ केयर डिवाइस, गैलेक्सी रिंग लॉन्च करने जा रही है। यह जानकारी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इवेंट के बाद, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल डिवीजन के प्रमुख रोह ताए-मून ने कंपनी के रिंग-शेप्ड वाले हेल्थ डिवाइस के रिलीज प्लान को पत्रकारों के साथ साझा की। रोह ने कहा, गैलेक्सी वॉच के अपने फायदे हैं, लेकिन कुछ कंज्यूमर्स को हर समय वॉच पहनने में असहजता महसूस होती है। यही कारण है कि गैलेक्सी वॉच सैमसंग हेल्थ को आवश्यक जानकारी भेजने और 24/7, पूरे सप्ताह और साल के 365 दिन इसका विश्लेषण करने के लिए अपर्याप्त है। इसलिए हमें डिजिटल हेल्थ सिस्टम या सैमसंग हेल्थ को पूरा करने के लिए रिंग के फॉर्म फैक्टर की आवश्यकता है। गैलेक्सी वॉच सैमसंग की स्मार्टवॉच है, जो हेल्थ और फिटनेस फीचर्स के साथ-साथ स्मार्टफोन के लिए रिमोट कंट्रोल के रूप में भी काम करती है। रोह ने कहा कि गैलेक्सी वॉच की तुलना में गैलेक्सी रिंग लंबे समय तक पहनने के लिए अधिक उपयुक्त है और इसकी बैटरी लाइफ भी बेहतर है। यह केवल हेल्थ फीचर्स पर फोकस करती है। नई स्मार्ट रिंग के बारे में अभी ज्यादा

डिटेल्स सामने नहीं आई है, लेकिन सैमसंग ने कैलिफोर्निया के सैन जोस में एसएपी सेंटर में अपने लेटेस्ट गैलेक्सी एस सीरीज स्मार्टफोन के लिए अनपैक्ड इवेंट के दौरान डिवाइस के लिए एक टीजर जारी किया।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बदलीं

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.24 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी देखी जा रही है। क्रूड के भाव 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गए हैं। वैश्विक बाजार में सोमवार सुबह कच्चे तेल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.24 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ले ूटीआई के भाव भी 73.57 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहे थे। इस बीच सोमवार को सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव दिख रहा है। सोमवार को यूपी के कई शहरों में तेल के भाव बढ़ गए हैं तो बिहार में भी पेट्रोल 108 रुपये लीटर के पार चला गया है।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गाजियाबाद में पेट्रोल 34 पैसे बढ़कर 96.92 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 33 पैसे महंगा होकर 90.08 रुपये लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में कीमतें नीचे आईं और पेट्रोल 14 पैसे सस्ता होकर 96.43 रुपये लीटर तो डीजल 13 पैसे टूटकर 89.63 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 32 पैसे चढ़कर 108.12 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 30 पैसे की बढ़त के साथ 94.86 रुपये लीटर बिक रहा है। दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपये और डीजल 89.63 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपये और डीजल 94.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

दो कंपनियों ने कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

सीआई गेम्स, बिहेवियर इंटरएक्टिव पर छंटनी की मार

सैन फ्रांसिस्को ।

यहां वीडियो गेम बनाने वाली दो कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। बाजार की मुश्किल परिस्थितियों के चलते इन दोनों कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पोलैंड स्थित सीआई गेम्स ने पूरी कंपनी में अपने लगभग 10 प्रतिशत कर्मचारियों को निकाल दिया है, जबकि कनाडा स्थित बिहेवियर इंटरएक्टिव ने अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग तीन प्रतिशत की कटौती की है। सीआई गेम्स, जो स्नाइपर के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है, घोस्ट वॉरियर और लॉर्ड्स ऑफ द फॉलन सीरीज ने मार्केटिंग टीम से अधिकांश स्टाफ को कम कर दिया है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि लॉर्ड्स ऑफ द फॉलन डेवलपर हेक्सवर्क्स और स्नाइपर घोस्ट वॉरियर स्टूडियो अंडरडॉग भी प्रभावित हुए हैं। सीआई गेम्स के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, बिजनेस की ताकत और स्थिरता को बनाए रखने के लिए, सीआई गेम्स ने ये कठिन लेकिन आवश्यक निर्णय लिया है, जिससे कंपनी के लगभग 10 प्रतिशत कर्मचारी प्रभावित होंगे।

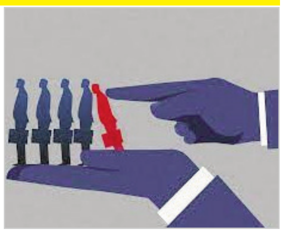

दूसरी ओर, बिहेवियर इंटरएक्टिव ने पुष्टि की, कि छंटनी ने केवल उनके मॉन्ट्रियल कर्मचारियों को प्रभावित किया। बिहेवियर इंटरएक्टिव के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हाल ही में, बाजार की बदलती परिस्थितियों के कारण कई व्यवहार परियोजनाओं के दायरे को समायोजित करना आवश्यक हो गया है। इसमें कहा गया है, इन स्थितियों में, हमारी प्राथमिकता हमेशा प्रतिभा को अन्य प्रोजेक्ट में पुनः नियुक्त करने की होती है। दुर्भाग्य से, यह विकल्प हमारे लिए हमेशा उपलब्ध नहीं होता है।

ये प्रस्थान हमारे कुल कार्यबल के 3 प्रतिशत से भी कम का प्रतिनिधित्व करते हैं। बिहेवियर इंटरएक्टिव को मल्टीप्लेयर हॉरर गेम डेड बाय डेलाइट के लिए जाना जाता है।

पिछले हफ्ते, गियरबॉक्स के स्वामित्व वाले गेम डेवलपमेंट स्टूडियो लॉस्ट बॉयज इंटरएक्टिव ने कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, जिसमें 400 से ज्यादा लोग कार्यरत थे।

बीते सत्र में शेयर बाजार में कारोबार 30 फीसदी कम हुआ

मुंबई ।

बीते कारोबारी दिन शनिवार को शेयर बाजार कारोबार में 30 फीसदी से ज्यादा की कमी दर्ज हुई क्योंकि एक्सचेंजों ने पूरे सत्र को निचोड़ने की कोशिश की ताकि सोमवार को घोषित विशेष छुट्टी की भरपाई हो सके। एनएसई व बीएसई पर नकदी में संयुक्त कारोबार 84,574 करोड़ रुपये रहा, जो इस महीने दर्ज 1.17 लाख करोड़ रुपये के औसत रोजाना कारोबार से 28 फीसदी कम है। इस बीच इक्विटी डेरिवेटिव का वॉल्यूम 303 लाख करोड़ रुपये रहा जबकि महीने का औसत 456 लाख करोड़ रुपये रहा है। बाजार के प्रतिभागियों ने कहा कि संस्थागत निवेशकों की तरफ से सुस्त भागीदारी का गतिविधियों पर असर पड़ा और कई शेयरों के कारोबार में सुस्ती दिखी। कारोबार और भी कम होता अगर एसऐंडपी बीएसई बैंकेक्स डेरिवेटिव की साप्ताहिक एक्सपायरी शनिवार से

सोमवार न की गई होती। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में काफी तेजी आने के बावजूद देसी बाजारों पर विस्तारित छुट्टी, कम वॉल्यूम और साप्ताहिक ऑप्शन एक्सपायरी का असर पड़ा।

शनिवार को 714 अंकों की घटबढ़ के बाद सेंसेक्स 260 अंक गिरकर 71,424 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 51 अंक गिरकर 21,572 पर बंद हुआ।

बजट के दिन महंगे हो जाएंगे टाटा के वाहन

मुंबई। नए साल 2024 की शुरुआत से ही भारत की वाहन निर्माता कंपनियों ने कारों की कीमतों में इजाफा कर दिया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया, होंडा, हुंडई, टोयोटा आदि कंपनियों ने अपने अपने मॉडलों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। इसी क्रम में देश की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने भी अपनी कारों के मॉडलों समेत सवारियों वाहनों की कीमतों में वृद्धि करने का ऐलान किया है। टाटा मोटर्स ने घोषणा की है कि वह 1 फरवरी 2024 से अपने पूरे यात्री वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में औसतन 0.7 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी. घरेलू ऑटोमोबाइल का कहना है कि भारत में सभी टाटा कारों की कीमतें बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। कंपनी का कहना है कि वाहन निर्माण लागत में वृद्धि को देखते हुए ग्राहकों को कीमतों में आंशिक बढ़ोतरी करके थोड़ा सा बोझ दिया जा रहा है। हालांकि वाहन निर्माता ने यह खुलासा नहीं किया है कि कीमत में बढ़ोतरी के बाद उसकी कारों की संशोधित कीमत क्या होगी। यह भारत में किसी भी वाहन निर्माता द्वारा अपने यात्री वाहनों की कीमत बढ़ाने का ताजा कदम है।

भारत के निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था बनने में ईवी की ओर रुख अहमः सिंह

नई दिल्ली । उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का विकास और उन्हें अपनाना भारत के निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था में बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सचिव ने कहा कि 2047 के लिए व्यापक दृष्टिकोण में कर प्रोत्साहन, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के अनिवार्य प्रावधान द्वारा समर्थित विभिन्न खंडों में इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर एक बड़ा बदलाव शामिल है। उन्होंने कहा कि सड़क से रेल तक माल ढुलाई के मॉडल शेयर में बदलाव माल परिवहन क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के लिए एक प्रभावी कदम होगा। अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी देना सतत विकास के प्रति देश के समर्पण को रेखांकित करता है। सिंह ने कहा कि उन्होंने दावोस में हाल ही में संपन्न विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में भविष्य के औद्योगिक परिवेश के वित्तपोषण पर एक सत्र में इन बातों पर चर्चा की थी। सरकार ने 18,100 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज के लिए पीएलआई योजनाएं और मोटर वाहन, मोटर वाहन उपकरण तथा ड्रोन उद्योगों के लिए 26,058 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना शुरू की हैं।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर शेयर बाजार बंद

मुंबई । राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पर 22 जनवरी सोमवार को शेयर बाजार बंद हैं। दोनों प्रमुख घरेलू शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने इस बारे में पिछले सप्ताह शुक्रवार की देर शाम को सूचित कर दिया था। कमॉडिटी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स में सुबह के 9 बजे से शाम के 5 बजे तक कारोबार नहीं होगा। उसके बाद शाम के 5 बजे से इवनिंग सेशन का कारोबार होगा। यह सप्ताह छुट्टियों से काफी प्रभावित हो रहा है। पिछले सप्ताह जहां 6 दिन बाजार में कारोबार हुआ था, इस सप्ताह सिर्फ 3 दिन ही कारोबार होने वाला है। सप्ताह के पहले दिन आज बाजार बंद है। सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को 26 जनवरी की छुट्टी है। ऐसे में बाजार में सिर्फ मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ही कारोबार होगा।

रिलायंस ने राम भक्तों के लिए विशेष सेवाएं शुरू की

अयोध्या । राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को देखते हुए रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल ने राम भक्तों तथा तीर्थयात्रियों के लिए कई विशेष सेवाएं शुरू की हैं। सूत्रों ने बताया कि समूह की दूरसंचार शाखा जियो ने अयोध्या में अपने ट्रू4जी और स्टैंडअलोन 5जी नेटवर्क को अपग्रे किया है। उन्नत व निर्बाध नेटवर्क के लिए शहर भर में अतिरिक्त टावर स्थापित किए हैं। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का दूरदर्शन के सहयोग से जियो टीवी, जियो टीवी प्लस और जियो न्यूज पर सीधा प्रसारण करेगा। रिलायंस रिटेल पूरे अयोध्या में महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष रूप से स्थापित कियोस्क किए हैं जिससे आगंतुक, तीर्थयात्री और अन्य यात्री पानी पी सकते हैं। मुख्य मार्ग पर भित्तिचित्र लगाए गए हैं। अयोध्या में स्मार्ट बाज़ार तथा स्मार्ट पॉइंट स्टोर्स में आने वाले सभी आगंतुकों को दीये बांटे जाएंगे। श्रद्धालुओं को शहर में दुकानों के बाहर स्थापित कियोस्क पर चाय परोसी जाएगी।

एयरटेल ने अयोध्या में नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाई

अयोध्या ।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों के बीच दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी एयरटेल ने अयोध्या के प्रमुख ऐतिहासिक क्षेत्र और शहर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर अपनी नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाई है। एयरटेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने अयोध्या के हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, प्रमुख ऐतिहासिक क्षेत्रों, होटलों और शहर के अन्य सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर अपने नेटवर्क को बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने पूरे शहर को निर्बाध बातचीत और डेटा सेवाओं से कवर करने के लिए अतिरिक्त नेटवर्क साइट चालू की हैं, सेल ऑन व्हील्स लगाए हैं और ऑप्टिक फाइबर केबल बिछाई हैं। मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्रों के लिए कुछ अतिरिक्त साइट्स और बीटीएस भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने शहर में उच्च गति वाले इंटरनेट वाले क्षेत्रों के लिए फाइबर भी बिछाया गया है, जिससे आगंतुकों ग्राहकों को कोई परेशानी ना हो। उन्होंने बताया कि एयरटेल ने इसके अलावा अयोध्या धाम, अयोध्या कैंट, एयरपोर्ट, कटरा रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, रामप्रस्थ पार्क, राम भद्र, ब्रह्मकुंड, गुप्तार घाट, परिक्रमा मार्ग, राजमार्ग पर सेल ऑन व्हील्स तैनात किया है। इससे पहले दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया ने भी अयोध्या शहर के सभी प्रमुख क्षेत्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाने की घोषणा की थी।

कंपनियों के मुनाफे में आई सुस्ती, वृद्धि की रफ्तार पिछली 14 तिमाहियों में सबसे कम

कंपनियों की बिक्री साल भर पहले के मुकाबले केवल 9.4 फीसदी अधिक रही

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के अभी तक आए कारोबारी पे रिणामों से लगता है कि कंपनियों के मुनाफे में इजाफे की रफ्तार मंद पड़ रही है। उनकी आय में इजाफा तो और भी सुस्त रफ्तार से हो रहा है। अभी तक जिन कंपनियों के नतीजे आए हैं, उनमें से 215 का कुल मुनाफा 2022-23 की तीसरी तिमाही के मुकाबले 12.5 फीसदी बढ़ा है, जो 14 तिमाहियों में सबसे धीमी रफ्तार रही। इन कंपनियों की शुद्ध बिक्री साल भर पहले के मुकाबले केवल 9.4 फीसदी अधिक रही, जो दिसंबर, 2020 तिमाही के बाद सबसे खराब प्रदर्शन रहा। उस तिमाही में शुद्ध बिक्री 3.5 फीसदी घटी थी। पिछले साल जुलाई में एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी का विलय हुआ था और आंकड़े उसी के हिसाब से दुरुस्त किए गए हैं। शुरुआत में ही नतीजों की घोषणा करने वाली इन कंपनियों में से अगर बैंक, वित्त, बीमा और शेयर ब्रोकिंग कंपनियों को निकाल दिया जाए तो बची हुई कंपनियों ने और भी बदतर प्रदर्शन किया और अक्टूबर-दिसंबर 2023 में उनका मुनाफा साल भर पहले की अपेक्षा 7.8 फीसदी ही बढ़ा। इस तिमाही में उनकी आय में भी केवल 4.5 फीसदी इजाफा हुआ 2020-21 की तीसरी तिमाही के बाद से गैर बीएफएसआई कंपनियों के राजस्व में यह सबसे धीमी बढ़ोतरी है। अभी तक नतीजे घोषित करने वाली जिन कंपनियों को अपने नमूने में लिए गए हैं उनका मुनाफा तीसरी तिमाही में 1.02 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि साल भर पहले मुनाफा 91,000 करोड़ रुपये ही था।

चालू वित्त वर्ष की ही दूसरी तिमाही में उनका मुनाफा 99,484 करोड़ रुपये था। बीएफएसआई को निकालने के बाद बचीं 157 कंपनियों की कुल आय अक्टूबर-दिसंबर, 2022 के 53,175 करोड़ रुपये से बढ़कर 57,342 करोड़ रुपये हो गई। इसी वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में इनका आंकड़ा 55,175 करोड़ रुपये था। शुरुआती नतीजों वाली कंपनियों के नमूने में आईटी सेवा क्षेत्र के नाम सबसे ज्यादा हैं। उनके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज है, जिसकी कच्चे तेल की रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन, दूरसंचार तथा रिटेल में गहरी पैठ है। तीसरी तिमाही में इन कंपनियों के मुनाफे में 40 फीसदी हिस्सेदारी बैंकों की है। उनका मुनाफा साल भर पहले की तुलना में 16.9 फीसदी बढ़ा है, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में दिखी 25.2 फीसदी वृद्धि से बहुत कम है। सभी बीएफएसआई कंपनियों का मुनाफा अक्टूबर-दिसंबर, 2022 के मुकाबले 18.9 फीसदी अधिक था, मगर जुलाई-सितंबर, 2023 में हुई 26.1 वृद्धि से कम रहा।

पेटीएम का जोर लागत घटाने और एआई पर रहेगा

सीईओ ने कहा, मशीन और प्रणालियों की क्षमता बढ़ाने की कोशिश जारी

नई दिल्ली ।

फिनटेक दिग्गज पेटीएम ने कहा है कि उसकी नजर व्यावसायिक दक्षता में सुधार लाने के लिए आर्टीफिशल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित प्रणालियों के इस्तेमाल पर है। कंपनी के अधिकारियों ने तीसरी तिमाही के नतीजों के अवसर पर विश्लेषकों के साथ बातचीत में यह जानकारी दी। पेटीएम के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ज्यादा व्यावसायिक विस्तार करने के बजाय हम अपने प्लेटफॉर्म पर मशीन और प्रणालियों की क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इन प्रणालियों में वृद्धि बरकरार रहेगी। व्यवसाय की परिचालन दक्षता में सुधार के लिए तकनीक-आधारित प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करने की यह पहल कंपनी द्वारा कर्मचारी लागत तर्कसंगत बनाने के प्रयासों के बीच शुरू की जा रही है। कर्मचारी लागत ढांचे को तर्कसंगत बनाने की प्रक्रिया में नियुक्ति रणनीति में बदलाव लाना, कर्मियों को अनुबंध पर रखना, सख्त परफॉरमेंस अप्रेजल जैसे बदलाव शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा कि इस समय एआई के जरिये हम कम लोगों के साथ ज्यादा कुशलता से काम कराने में सक्षम हैं। कुछ ऐसी

दक्षताएं हैं जो टेक्नोलॉजी-आधारित और एआई संचालित हैं। कंपनी ने पिछली कुछ तिमाहियों में अपनी कर्मचारी लागत में गिरावट दर्ज की है। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के लिए कर्मचारी लागत 809 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के 807 करोड़ रुपये से कुछ अधिक है।

सोनी का जी एंटरटेनमेंट के साथ विलय समझौता समाप्त

नई दिल्ली । सोनी ग्रुप कॉर्पोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एसपीएनआई ने एक नोटिस जारी कर एसपीएनआई और जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) द्वारा जेडईईएल के एसपीएनआई में विलय से संबंधित निश्चित समझौतों को समाप्त कर दिया है, जिसकी घोषणा 22 दिसंबर 2021 को गई थी। समझौते के तहत विलय 21 दिसंबर 2023 से पहले पूरा किया जाना था। इसमें लेनदेन को पूरा करने के लिए एक महीने के अतिरिक्त समय के साथ नियामक से तथा अन्य अनुमति हासिल करना शामिल था। इस समझौते से देश में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का मीडिया उद्यम बन खड़ा होने की उम्मीद थी। कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट को पहले सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) के नाम से जाना जाता था।

बच्चे से दोस्ती कितनी सच्ची?

आप दुनिया की बेस्ट मॉम हैं क्योंकि अपने बच्चे के साथ आप दोस्ताना व्यवहार करती हैं। माता-पिता बच्चे के दोस्त तो बन जाते हैं, पर इस रिश्ते की कुछ सीमाएं भी होती हैं। बच्चे की अच्छी परवरिश के लिए इन सीमाओं को अपनाना भी जरूरी है।

मिष्ठी के लिए दोस्ती का मतलब है उसकी मां रितु। रितु से वो सबकुछ साझा करती है। सुबह स्कूल जाने से लेकर घर वापस आने तक की बातें तो बताएगी ही, साथ ही वह हर घटना पर अपनी राय, जैसे उसको क्या अहसास हुआ, किस बात पर गुस्सा आया, किस बात पर हंसी, सब अपनी मां से साझा करती है। मगर यह दोस्ती तब तक अच्छी है, जब तक वह अपनी उम्र के हिसाब से सोच रही है। क्योंकि उसको अपनी बातों पर मां की राय भी मिलती है इसलिए कहीं वो मां के हिसाब से तो दुनिया को नहीं देखने लगी? इसका खयाल मां रितु को ही रखना होगा। ध्यान देना होगा कि मिष्ठी से जब वह दिल की बातें करें तो अपनी और उसकी उम्र याद रखें।

बच्चे की गाइड– माता–पिता होने के नाते आपको ध्यान रखना होगा कि आपको बच्चे के लिए कोच, सपोर्टर, गाइड और एजुकेटर की भूमिका निभानी है। इसमें कोई कोताही न हो, तभी बच्चे की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाएं। आपको यह याद रखना होगा आपका यह दोस्त असल में आपका बच्चा है, जिसकी उम्र बहुत कम है।

बिगड़े ना रिश्ते का संतुलन– आज 15 साल की उम्र में रोहन की यह दोस्ती कुछ ऐसी हो गई है कि लोग रोहन को बदतमीज कहने लगे हैं। दरअसल जैसे पापा को रोहन की गलती पर उसे डांटना चाहिए, ठीक वैसे ही वह भी पापा को उनकी गलतियां याद दिलाने लगा है। बस, यहीं पर माता–पिता और बच्चों के बीच दोस्ती का मामला बिगड़ जाता है। जरूरत है कि बच्चे के दोस्त तो बनें, पर यह न भूलें कि सुझाव तो दोनों एक–दूसरे को दे सकते हैं। पर, राह सिर्फ आप बेटे को दिखा सकते हैं, बेटा आपको नहीं। बच्चे को आपके उम्र और अनुभव की कद्र करनी होगी।

कमजोरियां न ही बताएं– कोशिश कीजिए कि बच्चे को आप परफेक्ट लगें, ऐसे कि आप उसके लिए सब कुछ अच्छा करेंगे। इसके साथ जिंदगी में आप किन परेशानियों से जूझ रहे हैं, किससे मन–मुटाव है, जैसी बातें भी बच्चों से दूर ही रखिए।

हल बताएं नहीं, पूछें– हालांकि दोस्त का काम परेशानी में पूरा साथ देना और हल बताना होता है, पर आप हमेशा ऐसा न करें। मान लीजिए कोई उसका मजाक उड़ा रहा है। इससे उसके विकास में कमी आएगी। ऐसे में बच्चे से पूछें कि इस समस्या का समाधान क्या है। वो ऐसा नहीं कर पा रहा है तो भी आप बस हिंट दें। बच्चे की राय लें कि 'फलां तरह हल निकल सकता है या कोई और रास्ता सही रहेगा' फिर बच्चा जो राह चुने, उसे चुनने का उससे कारण जरूर पूछें।

कब पेरेंट्स का रोल निभाना है– आपको पता होना चाहिए कि कब आपको दोस्त का जामा उतारकर पेरेंट्स बनना है। अब उसकी परेशानी का समाधान आप ढूंढेंगी, क्योंकि यह बच्चे के बस की बात नही है। हो सकता है कोई उसका शोषण कर रहा हो या किसी भी दूसरी तरह से बेवजह बड़ी दिक्कत खड़ी कर रहा हो।

क्या कहते हैं मनोवैज्ञानिक – बच्चों और माता–पिता के बीच संवाद की कमी नहीं होनी चाहिए। इसी कमी को पूरा करने के लिए माता–पिता को बच्चों के दोस्त बनने की सलाह दी जाती है। इससे एक–दूसरे के बीच समझ बनती है और बच्चे अपनी बात खुल कर कह पाते हैं। रिश्ते में नियमों की बात करें, तो रहन–सहन का परिवेश भी कई नियम बनाता है। जैसे नॉर्थ ईस्ट में लड़के–लड़की की दोस्ती बड़ी बात नहीं है। आप बच्चे को इसके लिए नहीं टोकेंगी, पर यही नियम देश के अन्य हिस्सों में बदल जाता है।'

बच्चे में लाएं अनुशासन – दोस्त बने पर हमकदम नहीं। कुछ काम उसे अकेले भी करने दें। बच्चों से घर के छोटे–मोटे काम जरूर करवाएं। अपने जीवन में आपने जो सीमाएं बनाई हैं, उनको बच्चों के साथ जरूर बांटिए। उनसे जीवन के कुछ नियमों को हर दिन के कामकाज में लागू करने को कहें। अगर आप बच्चे के साथ कुछ ज्यादा ही जुड़ गई हैं, तो आज ही से सकारात्मक तरीके से उसमें आवश्यक कमी लाना शुरू कर दें।

ताकि बने व्यक्तिगत पहचान – बच्चे के दोस्त तो बनिए, पर इस दोस्ती के चक्कर में उसकी व्यक्तिगत पहचान को न भूलिए। मतलब दोस्त तो बनें, पर हमेशा साथ रहने वाला दोस्त नहीं, ताकि बच्चे को भी खुद की पहचान का अहसास हो। कुछ जिम्मेदारियां वह खुद उठाए और अहसास करे कि हमेशा कोई साथ नहीं होगा। आगे चलकर ढेरों काम खुद करने होंगे। इससे उसमें निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ेगी।

क्या है ज्यादा जरूरी फैशन या सेहत?

फैशन भी बहुत अजीब है। खुद को खूबसूरत बनाने और अपने फैशन की धाक जमाने के लिए सेलेब्रिटी क्या–क्या नहीं करते? कहीं न कहीं वे इस बात को भूल जाते हैं कि फैशन का खामियाजा उनके शरीर को ही भुगतना पड़ता है। जब विक्टोरिया बेखम को प्रिंस विलियम और केट मिडलटन की शादी में हाई हील्स पहने हुए देखा गया तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि पूरी दुनिया हाई हील्स के प्रति उनके प्यार को बखूबी जानती है। लेकिन, सबकी आंखें उस वक्त ठिठक गईं, जब बेटी के जन्म के बाद उन्होंने बिना हील्स वाली फुटवियर पहननी शुरू कर दी। दरअसल, प्रेग्नेंसी में लंबे समय तक हाई हील्स पहनने की वजह से वो स्लिप डिस्क का शिकार हो गई थीं, जिसकी वजह से उन्हें हाई हील्स से तौबा करनी पड़ी। अब यहां सवाल यह उठता है कि स्लिप डिस्क होता क्या है और हाई हील्स का इससे क्या रिश्ता? हालांकि प्रेग्नेंसी में महिलाओं को कमर दर्द की शिकायत होना आम बात है क्योंकि गर्भावस्था के नौ महीनों के दौरान महिलाओं के शरीर में कई हार्मोनल व शारीरिक बदलाव होते हैं। प्रेग्नेंसी के आखिरी समय में तो शरीर का विकास इतना अधिक हो जाता है कि कई अंगों पर दबाव पड़ने लगते हैं।

ऐसी स्थिति में हाई हील्स पहनने से हमारे पैरों के अंगूठे से लेकर हिप्स, स्पाइन, कंधे आदि पर शरीर का अतिरिक्त भार आ जाता है, जिससे उनके बीच में संपर्क स्थापित करने वाली नसें भी बोझिल हो जाती हैं। यही वजह है कि लंबे समय तक, खासकर प्रेग्नेंसी में अगर हाई हील्स पहनी जाए तो वे कमर व गर्दन पर बुरा असर करती हैं।

कितनी ऊंची पहनें हील्स

अगर आप प्रेग्नेंसी के दौरान कमर दर्द या उससे संबंधित किसी भी बीमारी से बचना चाहती हैं तो 1.5 इंच से ज्यादा ऊंची हील्स न पहनें। अगर आप की लंबाई कम है और आपको थोड़ा सा लंबा दिखना है तो कभी–कभार 3 इंच की हील्स पहन सकती हैं, लेकिन रोजाना इन्हें इस्तेमाल में न लाएं। प्रेग्नेंसी में केवल फ्लैट फुटवियर पहनना ही महिलाओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। यदि आपको रोजाना अधिक चलना पड़ता है तो हाई हील्स न ही पहनें। ज्यादा ऊंची हील्स आपके शरीर के बैलेंस को बिगाड़ सकती है। कई मामलों में यह स्लिप डिस्क का कारण भी बन सकता है।

स्लिप डिस्क की हो सकती हैं शिकार

स्लिप डिस्क को हर्नियेटिड डिस्क भी कहा जाता है। जब भी शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है या रीढ़ की हड्डी पर जोर पड़ता है जैसे गलत तरीके से उठना–बैठना, बार–बार झुकना, झुककर बैठना, व्यायाम न करना, प्रेग्नेंसी आदि की स्थिति में स्लिप डिस्क की आशंका और बढ़ जाती है। दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं का वजन खासकर पेट और कमर के हिस्से में दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इससे रीढ़ की हड्डी पर भी कभी–कभी गलत असर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी का आकार बिगड़ने लगता है और इससे कमर के निचले हिस्से और गर्दन पर भी असर होता है। ऐसे में अगर लगातार हाई हील्स पहनी जाए, तो डिस्क पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है और इसकी शुरुआत अक्सर भयानक कमर दर्द से होती है। नसों में एक अजीब प्रकार का खिंचाव व झनझनाहट स्लिप डिस्क का एक बड़ा लक्षण है। यह झनझनाहट पूरी नस में दर्द उत्पन्न करती है जो कष्टदायक होता है। इसके अलावा प्रभावित जगह पर सूजन होना भी इस दर्द को और अधिक जटिल बना देता है।

इन बातों का ध्यान दें

प्रेग्नेंसी में हाई हील्स न पहनें, खासकर अंतिम महीनों में। उठने–बैठने के तरीके में परिवर्तन करें। बैठते वक्त सीधे तन कर बैठें। कमर झुकाकर या कूबड़ा निकालकर न बैठें और न ही चलें। यदि बैठे–बैठे ही अलमारी की रैक से कुछ उठाना है तो ध्यान रहे कि पेट पर सारा दबाव न पड़े। अपनी क्षमता से अधिक वजन न उठाएं। नरम या गुदगुदे से बिस्तर पर न सोएं बल्कि सपाट पलंग या तख्त पर सोएं। ताकि पीठ की मांसपेशियों को पूरा विश्राम मिले। तनाव की स्थितियों से बचें। चिंता दूर करने के लिए टहलें। ध्यान करें और खुश रहें।

प्रेग्नेंसी के दौरान फैशनेबल दिखने के चक्कर में कई बार महिलाएं अपनी सेहत को भी अनदेखा कर जाती हैं। पर, यह अनदेखी कभी-कभार प्रेग्नेंसी के दौरान और कभी बच्चे के जन्म के बाद सेहत पर भारी पड़ जाती है। गर्भावस्था में हाई हील्स से दूर रहने की सलाह क्यों दी जाती है

बच्चे को हो जाएगा अपने खाने से प्यार

जब तक बच्चा सिर्फ दूध पर निर्भर है, तब तक तो कोई परेशानी नहीं। पर जैसे ही वह छह माह का हुआ, उसे ठोस आहार देने की शुरुआत हो जाती है। पर ठोस आहार देने की शुरुआत के साथ संभव है कि बच्चे को पाचन संबंधी कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़े। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के शुरुआती आहार का चुनाव सोच-समझकर करें।

बच्चा को कब दें ठोस आहार

बच्चे को ठोस आहार की शुरुआत छह माह से कर देनी चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि बच्चे को ठोस आहार तब ही देना शुरू करें, जब बच्चे का सिर स्थिर हो जाए ।बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह ठोस आहार को कुछ देर मुंह में रखने के बाद उसे निगलना सीखने लगे। अमूमन शुरुआत में बच्चा खाने को चीभ से बाहर ठेलना ही जानता है। खाने को निगलने की प्रक्रिया को वह धीरे–धीरे सीखता है। बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह सहारा लेकर बैठना शुरू कर दे।

बच्चे को ठोस आहार देना धीमे–धीमे बढ़ने वाली प्रक्रिया है। खुराक कैलोरी व प्रोटीन से भरपूर होनी चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप ऐसे खाद्य पदार्थ चुनें, जिनसे बच्चे की जरूरतें पूरी हो सकें। शुरुआत में आप अपने शिशु को कोमल कैलोरी युक्त खाद्य पदार्थ दे सकती हैं, जैसे कि सूजी की खीर, घी वाली खिचड़ी, दलिया, कुचला हुआ केला आदि। आपके शिशु के लिए इस उम्र में आयरन बेहद अहम है। जो शिशु मां के गर्भ में वक्त पूरा करके जन्म लेते हैं उनके शरीर में आयरन का भंडार छह महीनों तक रहता है। उसके बाद उसके शरीर से आयरन का भंडार कम होने लगता है और उसे अपनी खुराक में आयरन चाहिए होता है। इस लिहाज से आयरन युक्त खाद्य को खास महत्व देना चाहिए। कुचली हुई सब्जियों से शुरुआत करें और फिर धीरे–धीरे उसे अन्य चीजें खिलाएं। दालें, फलियां, अंकुरित दालें, ब्रोकली व बंदगोभी आयरन का अच्छा स्त्रोत हैं। इस बात को भी ध्यान में रखें कि बच्चे को जब पहले–पहल ठोस खाद्य पदार्थ दिया जाता है तो कुछ दिनों तक उसे कब्ज, अपच, पेट दर्द या इस तरह की अन्य परेशानियां हो सकती हैं। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के खाने की शुरुआत सेमी–लिक्विड फूड से करें, साथ तरल पदार्थ और पानी ज्यादा दें। परेशानियों को दूर भगाने में हमदर्द की जन्म घुट्टी और हमदर्द बेबी केयर रेंज के अन्य प्रोडक्ट भी आपकी मदद कर सकते हैं।

क्या है पोषक तत्वों की भूमिका

आयरन, बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास के अलावा हीमोग्लोबिन के उत्पादन के लिए जरूरी है। हीमोग्लोबिन कोशिकाओं को ऑक्सीजन पहुंचाने व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाता है। कैल्शियम व फॉस्फोरस हड्डियों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। बच्चे को प्रचुर मात्रा में कैल्शियम देने की सलाह दी जाती है ताकि बाद में फैक्चर आदि की आशंका कम हो। विटामिन ए, विटामिन ई, आपके बच्चे की रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। प्रोटीन बच्चे की समग्र वृद्धि और विकास में केन्द्रीय भूमिका निभाता है और यह शरीर के ऊतकों के निर्माण व मरम्मत के लिए जरूरी है। अगर ऊर्जा की जरूरत पूरी न हो तो हो सकता है कि शरीर प्रोटीन को ऊर्जा के लिए प्रयोग करे और इससे बच्चे के विकास और वृद्धि पर विपरीत असर पडेगा।

खाना खजाना

शाकाहारी मुगलई कोफ्ते

सामग्री – 200 ग्राम आलू, 150 ग्राम गाजर, 250 ग्राम टमाटर, 200 ग्राम फूलगोभी, दो छोटे चम्मच बेसन, 2 स्लाइस ब्रैड, आधा छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच मिर्च, आधा छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, आधा छोटा चम्मच घी

ग्रेवी के लिए – हरी मिर्च, अदरक का 1 टुकड़ा, खसखस के 2 चम्मच, टमाटर 4 बड़े, काजू 50 ग्राम, किशमिश 50 ग्राम, पनीर 100 ग्राम, गर्म मसाला 1 चम्मच, पानी 3 कप, नमक, मिर्च एवं धनिया अंदाजे से।

विधि – मटर के दाने निकाल कर उसमें आलू, गाजर, गोभी के छोटे–छोटे टुकड़े मिला लें। पानी डालकर कूकर में तब तक पकाएं जब तक सब्जियां गल न जाएं। फिर पानी निकाल कर रख लें। उबली हुई सब्जियों में सूखा भुना बेसन, ब्रैड और मसाले डाल कर मैश कर लें । थोड़ा सा घी हाथ पर लगा कर छोटे–छोटे रोल बनाएं तथा बाद में गर्म घी में तल कर रख दें।

ग्रेवी बनाने की विधि – प्याज बारीक पीस लें। खसखस, अदरक व हरी मिर्च एक साथ पीस लें। तेल गर्म करके प्याज लाल होने तक भूनें, बाद में खसखस का बनाया पेस्ट डाल कर थोड़ा और भूनें। अब टमाटर का पेस्ट डाल कर घी छोड़ने तक पकाएं। फिर 3 कप पानी डालें और काजू–किशमिश डालें तथा अच्छी तरह उबाल लें। ग्रेवी को गाढ़ा होने तक पकने दें। तले हुए कोफ्ते बोल में सजा कर, उसके ऊपर गर्मा–गर्म ग्रेवी डालें तथा कसा पनीर, धनिया और गर्म मसाला छिड़क कर परोसें।

स्वादिष्ट पाव भाजी

सामग्री – एक आलू उबला एवं मैश किया हुआ, आधा कप हरे मटर, आधा कप शिमला मिर्च, एक फैंचबीन, एक लौकी, 100 ग्राम टमाटर कद्दूकस किया हुआ, आधा कप अदरक–लहसुन का पेस्ट, 2 चम्मच प्याज बारीक कटा, 2 चम्मच हल्दी पाऊडर, आधा चम्मच पावभाजी मसाला, 2 चम्मच टोमैटो सॉस, एक चम्मच बारीक कुतरा हरा धनिया, नमक स्वादानुसार, छ–पाव

बनाने की विधि – शिमला मिर्च के बीज निकाल लें। फैंचबीन के दोनों सिरे काट कर बीच में दो टुकड़े करें। लौकी छील कर मोटे टुकडों में काट लें। सभी सब्जियों को हैन्ड चॉपर में डालें और बारीक कर लें। एक प्रैशरपैन में प्याज भूनें और फिर पानी का छींटा मार कर अदरक–लहसुन भूनें। इसमें कद्दूकस किया टमाटर डाल कर दो मिनट चलाएं। सभी सब्जियां, पाव भाजी मसाला, नमक एवं हल्दी डालें। साथ ही एक कप पानी डाल कर एक सीटी आने तक पकाएं। प्रैशरपैन ठंडा होने पर डाल कर भाजी गाढ़ी होने तक पकाएं। इसमें टोमैटो कैचअप भी डाल दें। हरे धनिए से सजाएं और पाव के साथ सर्व करें। पाव को बीच से काटें और ऐसे ही तवे पर गर्म कर लें।

दावते कड़ाही पनीर

सामग्री – 250 ग्राम पनीर, 2 शिमला मिर्च, 2–3 टमाटर, 2 प्याज मोटे कटे हुए, 2 हरी मिर्च, 6–7 कलियां लहसुन, 1 इंच लंबा टुकड़ा अदरक, 2 टेबलस्पून तेल या घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, थोड़ी–सी लाल मिर्च, एक–चौथाई छोटा चम्मच गर्म मसाला, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया बारीक कटा हुआ

बनाने की विधि – शिमला मिर्च के बीज निकाल कर उसे बारीक काट लें। अदरक, हरी मिर्च एवं लहसुन को मिक्सी में पीस लें। कड़ाही में तेल डाल कर गर्म करें तथा उसमें जीरा डाल कर भूनें, फिर उसमें हरी मिर्च, प्याज, अदरक, लाल मिर्च, धनिया और गर्म मसाला डाल कर तब तक भूनें जब तक मसाला तेल न छोड़ दे। मसाले में टमाटर डालें और नर्म होने तक पकाएं, उसके बाद शिमला मिर्च डाल कर 2–3 टेबलस्पून पानी और नमक स्वादानुसार डालें और ढक कर 4–5 मिनट के लिए पकाएं। जब शिमला मिर्च नर्म हो जाए तब पनीर को क्यूब के शेप में काटें और उसे भी कड़ाही में डाल दें। सब्जी को 2–3 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकने दें, कड़ाही पनीर बन कर तैयार है। हरा धनिया कड़ाही पनीर पर डालें और चपाती या नान के साथ परोसें।

चटपटे मूंगफली के दही–वड़े

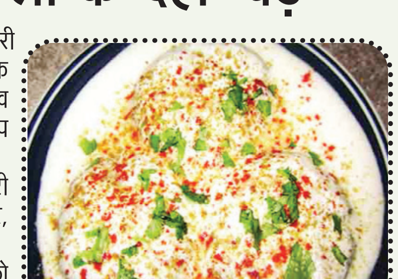

सामग्री – 250 ग्राम मूंगफली, 2 चम्मच हरी मिर्च कटी हुई, 3 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, आवश्यकतानुसार ऑलिव ऑयल, एक–चौथाई फ्रूट सॉल्ट, 2 कप पानी, 1 चम्मच शूगर फ्री, 4 चम्मच दही

गार्निशिंग के लिए – इमली की चटनी, हरी चटनी, जीरा और काली मिर्च पाऊडर, अदरक, भुनी मूंगफली

बनाने की विधि – सबसे पहले मूंगफली को हरी मिर्च और आवश्यकतानुसार पानी के साथ ग्राइंड कर लें। अब इसे बाऊल में निकाल कर उसमें बेसन, नमक, फ्रूट साल्ट मिलाएं। भीगे कपड़े पर इस मिक्सचर के छोटे–छोटे बॉल बना कर डालें और हल्के हाथों से दबाएं। अब इन्हें मध्यम आंच पर डीप फ्राई करें। बाऊल में गर्म पानी डाल कर उसमें वड़े को भिगोएं और हाथों से दबा कर अतिरिक्त पानी निकाल लें। अब चीनी मिला दही इन वड़ों के ऊपर डालें। इसे चटनी, जीरा, काली मिर्च पाऊडर, अदरक और भुनी मूंगफली से गार्निशिंग करके सर्व करें।

घर पर ही कर सकते हैं ऐसे व्यायाम

खोखले दावे करते स्लिमिंग सेंटर आज हरी गली-कूचे में खुलते ही जा रहे हैं और लोग यहां आकर अपना समय व पैसा दोनों बरबाद कर रहे हैं। लोग इन सेंटरों में इस आशा के साथ आते हैं कि एक दिन वह भी आकर्षक नजर आएंगे। यहां हम आपको अपने को फिट व चुस्त रखने के कुछ व्यायाम बता रहे हैं जिन्हें आप घर में ही आजमा कर आकर्षक दिखने का अपना सपना बिना इन सेंटरों में धन और समय गंवाए ही पूरा कर सकते हैं।

व्यायाम खासतौर पर उन अंगों के लिए बेहद असरदार हैं जो या तो बढ़ती उम्र के कारण दुर्बल होने लगते हैं या फिर शरीर का भार बढ़ने के कारण फैलने लगते हैं जैसे– पेट, जांघ, बाजुओं का पिछला हिस्सा व कमर आदि। इन व्यायामों के जरिए निश्चय ही बेहतरीन परिणाम आपको मिलेंगे।

टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम

वार्म होने के बाद सबसे पहले टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम करना चाहिए। इसके लिए एक कुरसी के किनारे बैठ जाएं। घुटने एक साथ जोड़ लें, पैरों के बीच की दूरी डेढ़ फीट हो। ध्यान रहे पंजे अंदर की ओर इशारा करते हुए हों। अब पंजों को जितना ऊपर उठा सकती हैं उठाएं, फिर नीचे लाएं। इसे 16 बार दोहराएं। अब पैरों को बाहर की ओर मोड़ते हुए घुटने मिलाकर पैरों में फासला रखते हुए एक बार फिर 16 बार उठाएं। अंत में एडियों को जमीन पर जमाते हुए दोनों पैरों को जमीन के साथ रगड़ते हुए अंदर की ओर लाएं। अब पांवों को स्वीप करते हुए बाहर की ओर लाएं और दोबारा उठाएं। इसे 16 बार दोहराएं।

सपाट पेट व कमर को सही आकार देने के लिए व्यायाम

पीठ के बल लेट जाएं व हाथों को सिर के पीछे ले जाएं। टांगें मोड़ते हुए पैरों के तलवों से जमीन पर दबाव डालें जिससे कि दोनों टांगों के बीच कुछ फासला आ जाए। अब बायीं कुहनी को ऊपर की ओर उठाएं व दाएं घुटने की तरफ झुकें फिर वापिस जाएं। इसे 12 बार दोहराएं।

अब दाएं पांव को जमीन से दो इंच ऊपर की ओर उठाएं और बायीं कुहनी को दाएं घुटने की तरफ सामने 16 बार लाएं। अब इन व्यायामों को दूसरी तरफ से दोहराएं। पीठ के बल लेट जाएं। दोनों टांगों को ऊपर की ओर उठाते हुए घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़ लें। टखनों को क्रास कर लें तथा घुटनों के बीच करीब आधा इंच का फासला रखें। अब धीरे–धीरे शरीर के निचले हिस्से को जितना ऊपर उठा सकती हैं, उठाने का प्रयास करें। सर्वोत्तम परिणाम के लिए पेट को व्यायाम के दौरान अंदर ही रखें।

जांघों की मजबूती के लिए व्यायाम

इसके लिए सबसे पहले बायीं तरफ करवट लेकर लेट जाएं, शरीर के ऊपरी हिस्से को कुहनी पर टिकाते हुए। अब दायीं टांग को इस तरह मोड़ें जिससे कि घुटना ऊपर की तरफ इशारा करता हुआ हो। अब दाएं पांव को हल्के मुड़े घुटने के पीछे ले आएं पेट अंदर की तरफ रखते हुए। ध्यान रहे कि बायां पांव छत की तरफ इशारा करता हुआ हो। बायीं टांग को काफी ऊंचा उठाएं। इसे 24 बार दोहराएं। अब दूसरी तरफ से इसे करें।

ऊपरी बाजू के लिए व्यायाम

ऊपरी बाजू में वही पहले जैसा खिंचाव व सही शेप देने के लिए व्यायाम बहुत ही कारगर सिद्ध हो सकता है। कुरसी के किनारे बैठ जाएं व दोनों हाथों से कुरसी के किनारे थाम लें। कुरसी पर बैठे–बैठे ही आगे की तरफ बढ़ें जब तक कि आप कुरसी से नीचे न आ जाएं। अब धीरे–धीरे शरीर के ऊपरी भाग को ऊपर व नीचे ले जाएं, बाजुओं को मोड़ते व सीधा करते हुए। इसे 12 बार दोहराएं।

भारत से दुश्मनी लेकर पछता रहा मालदीव, अब मांग रहा माफी

– मालदीव मेडिकल सुविधा के लिए 98 फीसद भारत पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से दुश्मनी लेकर मालदीव अब पछता रहा है। अब स्थिति ऐसी बन गई कि वहां के नेताओं के साथ-साथ आमजन भी भारत से माफी मांग रहे हैं। मामला बस यह था कि मालदीव के मंत्रियों ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद से भारतीयों ने सोशल मीडिया पर मालदीव में पर्यटन का बहिष्कार करने लगे। इसमें भारत के सभी बड़े हस्ती भी शामिल हो गए। हालत ऐसा है कि अब मालदीव लोगों को मेडिकल ट्रिटमेंट के लिए भारत से गुहार लगानी पड़ रही है। मालूम हो कि मालदीव मेडिकल सुविधा के लिए 98 फीसद भारत पर निर्भर है। बायकॉट-मालदीव ट्रेंड होने के बाद वहां के पर्यटन पर भारी असर पड़ा है। भारत की टूरिज्म कंपनियों ने बड़े मात्रा ने टिकट को कैंसिल कर दिया। आनन फानन में मालदीव ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए जिम्मेदार तीन उप मंत्रियों को हटा दिया। इसके बाद मालदीव के कई लोगों ने एक्स पर अपना असंतोष व्यक्त करते हुए अपने भारतीय दोस्तों से माफी मांगी और भारत की नियोजित चिकित्सा यात्राओं के बारे में चिंता व्यक्त की। एक्स पर एक यूजर ने पोस्ट में लिखा है, मैं अपने सभी भारतीय दोस्तों से माफी मांगता हूं और भारत की

हमारी पहले से बुक की गई पारिवारिक मेडिकल यात्रा के बारे में चिंतित हूं। चिकित्सा सहायता के लिए मालदीव की भारत पर निर्भरता की सीमा की जांच करने से द्वीप राष्ट्र के सामने आने वाली स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों का पता चला है। हालांकि प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं द्वीपों पर उपलब्ध हैं, उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए अक्सर राजधानी माले या यहां तक कि विदेश की यात्रा की आवश्यकता पड़ती है। चिकित्सा पर्यटन के लिए मालदीव के 98 फीसदी लोग भारत को प्राथमिकता देते हैं। इसके बाद उनकी दूसरी पसंद श्रीलंका है। भारत की उन्नत चिकित्सा सुविधाएं, प्रसिद्ध डॉक्टर और तुलनात्मक रूप से सस्ती उपचार लागत के साथ-साथ इसे मालदीव में आसानी से उपलब्ध नहीं होने वाली जटिल मेडिकल ट्रिटमेंट इसे आकर्षक विकल्प बनाती है। मालदीव ने आसंधा नाम से एक सार्वजनिक रेफरल प्रणाली स्थापित की है, जो अपने नागरिकों के लिए विदेशी उपचार का वित्तपोषण करती है। इस योजना के तहत, मालदीव के मरीजों को सार्वजनिक क्षेत्र के चिकित्सकों द्वारा विशिष्ट प्रक्रियाओं के लिए विदेश यात्रा करने के लिए निर्धारित किया जा सकता है, जिसमें भारत एक प्रमुख गंतव्य है।

राजस्थान में नहीं थम रहा ठण्ड का कहर, सीकर जिले में न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री पंहुचा

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में कंपकंपा देने वाली सर्दी का दौर जारी है, जहां सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस और अलवर में 2.8 डिग्री सेल्सिसयस रहा। राज्य के कई अन्य हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में न्यूनतम तापमान करौली में 3.3 डिग्री, पिलानी में 3.6 डिग्री, भीलवाड़ा में चार डिग्री, अंता (बारां) में 4.4 डिग्री, सीकर में 4.5 डिग्री, गंगानगर में पांच डिग्री, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में 5.5 डिग्री दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक न्यूनतम तापमान संगरिया (हनुमानगढ़) में 5.6 डिग्री, जालौर में 5.8 डिग्री और डबोक (उदयपुर) में 5.9 डिग्री रहा।अन्य स्थानों पर रात का तापमान छह डिग्री से ऊपर रहा। राज्य में अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, झुंझुनू, करौली, सवाई माधोपुर और सीकर समेत कुछ इलाकों में कोहरे से लेकर घना कोहरा देखने को मिला। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी।

ममता बनर्जी ने कोलकाता में सर्वधर्म सद्भाव रैली शुरू की

कोलकाता। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में सर्वधर्म सद्भाव रैली की शुरुआत की। विभिन्न धर्मगुरुओं और पार्टी नेताओं के साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख बनर्जी ने यहां हाजरा मोड़ से 'संगति मार्च' शुरू किया। सफेद और नीली बॉर्डर वाली सूती साड़ी पहने और गले में शॉल लपेटे बनर्जी को सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन करते देखा गया। मुख्यमंत्री ने शहर के कालीघाट मंदिर में पूजा अर्चना के बाद रैली शुरू की।इससे पहले बनर्जी ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा का ''चुनावी हथकंडा'' बताकर आलोचना की थी। मुख्यमंत्री हाजरा मोड़ से रैली का नेतृत्व कर रही हैं।इस दौरान वह मस्जिदों, गिरिजाघरों, गुरुद्वारे सहित विभिन्न धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न पूजा स्थलों का दौरा करेंगी। रैली का समापन पार्क सर्कस मैदान में एक विशाल सभा के साथ होगा।

दिल्ली वासियों को कड़ाके की ठंड से मिली थोड़ी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को सर्दी से थोड़ी राहत मिली जहां न्यूनतम तापमान, एक दिन पहले के 4.8 डिग्री से बढ़कर 6.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। मौसम कार्यालय के अनुसार, न्यूनतम तापमान इस मौसम के सामान्य तापमान से एक डिग्री नीचे है। दोपहर या शाम तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाने की संभावनाहै। अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। रेलवे के अनुसार, उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 23 ट्रेनें अपने तय समय से विलंब से चल रही हैं।

देहरादून में मनाया गया दीपोत्सव, डेढ़ लाख से अधिक दीप जलाए गए

देहरादून। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर उत्तराखंड के देहरादून में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें करीब डेढ़ लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए। यह कार्यक्रम परेड ग्राउंड में रखा गया था जिसमें शाम को लोगों के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पहुंचे थे और उन्होंने भी दीप जलाए। इस अवसर पर धामी ने सभी देश और प्रदेशवासियों को रामलला प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाएं दीं और राम भजन भी गाए। यहां उन्होंने कहा कि एक लंबे इंतजार के बाद रामलला की अपनी जन्मभूमि में विराजमान होने का शुभ अवसर आया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में माताओं और बहनों ने दीपोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करके भगवान राम के प्रति अपनी आस्था दिखाई है और जन-जन के सहयोग एवं भक्तिभाव के साथ डेढ़ लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए हैं। उन्होंने कहा कि हम भी भगवान राम की कृपा से ही इस भव्य दीपोत्सव में शामिल हुए हैं।

अटल सेतु पर भीषण सड़क हादसा, रैलिंग से टकराकर कई बार पलटी खा गई कार

मुंबई। देश में समुद्र के ऊपर बने सबसे लंबे पुल अटल सेतु पर रविवार को भीषण एक्सीडेंट हुआ है।एक कार के डैशबोर्ड पर लगे कैमरे में देखा जा सकता है कि कैसे पीछे से आ रही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रेलिंग से टकराती है। इसके बाद कई बार पलटने के बाद रुक जाती है। जिस किसी ने भी इस वीडियो को देखा वो हैरान रह गया।यह हादसा इतना भीषण था कि पहली नजर में देखने में ऐसा लगा कि मानो इसमें कोई भी शख?स जिंदा नहीं बचा होगा। मुंबई में बना यह ताजा सी-रूट दक्षिण मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ता है। इस पुल के बनने से घंटों का सफर अब मिनटों में कर पाना संभव हो सका है। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है। हैचबैक के पीछे कार के डैशकैम फुटेज में वाहन को लेन काटते और रेलिंग से टकराते हुए दिखाया गया है। कार चिरले (रायगढ़ जिले के उरण तालुका का एक गांव) जा रही थी। इसमें यात्रा कर रहे दो महिलाओं और बच्चों समेत सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।21,200 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा के समय को कम करता है। यह मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच कनेक्टिविटी में भी सुधार करता है और मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत तक यात्रा के समय को मौजूदा दो घंटे से घटाकर लगभग 15-20 मिनट कर देता है।

अब अमेरिका में पढ़ाई करना हुआ आसान, दाखिले के लिए ये है जरुरी डॉक्यूमेंट

नई दिल्ली। भारतीय छात्रों में अमेरिका में पढ़ाई करना अब और भी आसान हो गया है।कई अमेरिकी यूनिवर्सिटी भारतीय स्टूडेंट्स को अपने यहां एडमिशन देती हैं। कुछ में विशेष स्कॉलरशिप देने का प्रावधान भी है। लेकिन स्टूडेंट वीजा हासिल करने का काम छात्र के जिम्मे ही होता है. अमेरिका में स्थित यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने के लिए 3 तरह के वीजा हासिल किए जा सकते हैं। अगर आप अमेरिका मे पढ़ाई करना चाहते हैं तो आपको इनके बारे में पता होना चाहिए। अमेरिकी यूनिवर्सिटी में विदेशी स्टूडेंट्स के तौर पर सबसे ज्यादा एप्लीकेशन भारतीयों की आती है। हर साल बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स हायर एजुकेशन के लिए भारत का रुख करते हैं। जानिए सेमेस्टर शुरू होने से पहले किन दस्तावेजों की जरूरत होती है, स्टूडेंट वीजा कितनी तरह के होते हैं और अमेरिका में पढ़ाई का पैटर्न क्या है। भारतीय स्टूडेंट्स फॉरेन एजुकेशन के लिए चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, रशिया जैसे देशों में जाना पसंद करते हैं। विदेश की किसी भी टॉप यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना आसान नहीं होता है. विदेशी यूनिवर्सिटी में एडमिशन हासिल करने के लिए वहां के वीजा संबंधी नियमों की जानकारी होना भी जरूरी है। किसी भी अमेरिकी यूनिवर्सिटी में अप्लाई करने से पहले पढ़ाई का पैटर्न समझना जरूरी है। अमेरिका में हायर एजुकेशन को 4 श्रेणियों में बांटा जाता है- एसोसिएट डिग्री (एए, एएस, एएएस), स्नातक डिग्री, मास्टर डिग्री और पीएचडी या डॉक्टरेट की डिग्री। हर स्तर को पास करने के लिए अलग-अलग क्रेडिट की जरूरत होती है। स्टूडेंट्स को हर सेमेस्टर के आखिर में उनके प्रदर्शन के आधार पर क्रेडिट दिए जाते हैं। 1 सेमेस्टर लगभग 30 क्रेडिट का होता है। ज्यादातर यूनिवर्सिटी स्नातक यानी ग्रेजुएशन की डिग्री के लिए कुल 120-130 क्रेडिट और मास्टर्स डिग्री के लिए हर सेमेस्टर में कुल 30-64 क्रेडिट मांगती हैं। आप जिस यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए अप्लाई कर रहे हैं, वहां का क्रेडिट सिस्टम पता कर लें। अमेरिका फॉरेन स्टूडेंट्स को 3 तरह के वीजा देता है।

मोदी तपस्वी कठोर तप किया लेकिन अब हम सब के तप करने की बारी : मोहन भागवत

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा हो गई। समारोह में शामिल होने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत की। अयोध्या के राम मंदिर में आज रामलला की प्राणप्रतिष्ठा हो गई। समारोह में शामिल होने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज के आनंद का वर्णन कोई कई नहीं कर सकता। रामलला के साथ भारत का स्व लौट आया है। छोटे-छोटे मंदिर में आज राम भक्तों में उत्साह लहर की दिख रही है।आज पीएम मोदी ने कठोर व्रत रखा है। पीएम मोदी एक तपस्वी हैं। परंतु, वह अकेले तप कर रहे हैं। यह तपस्या सबको करना होगा। मोहन भागवन ने कहा कि अयोध्या वह जगह है, जहां कोई द्वंद नहीं है। भगवान राम को 14 सालों का वनवास झेलना पड़ा। राम दुनिया के कलह को मिटाकर वापस अयोध्या आए। आज रामलला 500 साल बाद फिर से वापस आए हैं। मोहन भागवत ने कहा कि हमको भी सारे कलह को विदाई देनी पड़ेगी। छोटे-छोटे विवाद होते रहते हैं, उसको लेकर लड़ाई करने की आदत छोड़नी होगी।

आपत्ति के बाद भी जारी है सिद्धू की ताबड़तोड़ रैलियां, बोले- पंजाब में चोरों का शासन

चण्डीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के भीतर संकट और गहरा गया जब पार्टी ने पूर्व विधायक महेशिंदर सिंह और उनके बेटे धर्मपाल को पार्टी के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू के लिए मोगा में एक रैली आयोजित करने के कुछ घंटों बाद 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के लिए नोटिस जारी किया। इस बीच, मोगा में एक और समानांतर रैली को संबोधित करते हुए, सिद्धू ने सीएम भगवंत मान को पंजाब के मुद्दों पर उनके साथ खुली बहस करने की चुनौती दी। सिद्धू ने कहा कि पंजाब में इस समय भ्रष्ट नेताओं का शासन है।

मोगा में अपने संबोधन में सिद्धू ने कहा कि अब समय आ गया है जब दहाड़ते शेरों वाली कांग्रेस को खड़ा करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें एक ईमानदार कांग्रेस खड़ी करनी हैज मैं कोई लुढ़कता हुआ पत्थर नहीं हूं जिस पर मान आकर चुटकुले सुना सकें। सिद्धू एक सच्चे सिख हैं...सिद्धू एक कांग्रेसी थे, वह एक कांग्रेसी हैं और एक कांग्रेसी ही मरेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे 'क्लेप्टोक्रेसी' नामक इस शब्द के बारे में तब तक पता नहीं था जब तक कि एक उच्च शिक्षित व्यक्ति, जो पंजाब के लिए भी उतना ही चिंतित था, ने मुझे नहीं बताया। यह 'चोरन दा तंत्र' (चोरों का

शासन) है। यह भ्रष्ट ही हैं जो अब राज्य पर शासन कर रहे हैं।

सीएम मान को उनके साथ बहस करने की चुनौती देते हुए, सिद्धू ने कहा कि 'आइए एक कमरे में अकेले बैठें और मैं आपको तथ्य बताऊंगा।' अपनी ही पार्टी पर निशाना साधते हुए सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस मूर्खों के स्वर्ग में नहीं रह सकती। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस से भी अपील करता हूं। बात पंजाब की है। हर पंजाबी के दिल में ये सवाल है...उन्हें इस जाल से कौन बाहर निकालेगा? कैसे? लोग अपनी करोड़ों की संपत्ति बेचकर विदेश जा रहे हैं। उन्हें वापस कौन लाएगा? लोग पदों के लिए पार्टियां बदलते हैं लेकिन मैं इस व्यवस्था को बदलने के लिए काम कर रहा हूं।

केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए, सिद्धू ने कहा, 'भगवान राम सभी के हैं और अयोध्या मंदिर का जश्न सभी को मनाना चाहिए। लोग राम राज्य की स्थापना की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां गरीबों, किसानों, वंचितों और समाज के अन्य निचले वर्गों के लिए न्याय और समानता हो। लेकिन वह 15 लाख रुपये कहां हैं जो पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेशी तटों से काला धन वापस लाने के बाद प्रत्येक निवासी के खाते में जमा करने का वादा किया था।'

आचार्य कृष्णम का विपक्षी नेताओं से अनुरोध......भाजपा से लड़ें राम से नहीं

-ईसाई या मुस्लिम भी राम के निमंत्रण को अस्वीकार नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राम मंदिर के अभिषेक के निमंत्रण को अस्वीकार करने वाले इंडिया गठबंधन पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि भगवान राम भारत की आत्मा हैं। कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण था। आचार्य प्रमोद ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। कोई ईसाई या पुजारी या मुस्लिम भी भगवान राम के निमंत्रण को अस्वीकार नहीं कर सकता। राम भारत की आत्मा हैं। राम के बिना भारत की कल्पना भी नहीं हो सकती।

आचार्य कृष्णम ने कहा कि निमंत्रण को अस्वीकार करना भारत की सभ्यता और संस्कृति का अपमान करना है। इसका मतलब है भारत के गौरव और अस्तित्व को चुनौती देना। उन्होंने कहा कि मैं सभी विपक्षी दलों से आग्रह करना चाहूंगा कि भाजपा से लड़ें

लेकिन राम से नहीं। बीजेपी से लड़े लेकिन सनातन से नहीं। बीजेपी से लड़ें लेकिन भारत से नहीं। कांग्रेस ने कहा कि हमारे देश में लाखों लोग भगवान राम की पूजा करते हैं। धर्म एक निजी मामला है। लेकिन आरएसएस/बीजेपी ने लंबे समय से अयोध्या में मंदिर का राजनीतिक प्रोजेक्ट बनाया है। भाजपा और आरएसएस के नेताओं द्वारा अधूरे मंदिर का उद्घाटन स्पष्ट रूप से चुनावी लाभ के लिए किया गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू यादव और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सुप्रीमो शरद पवार जैसे कई अन्य विपक्षी नेताओं ने कहा है कि वे समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं।

बिहार सरकार हर एक बीपीएल परिवार को देगी 2 लाख

बेगूसराय (एजेंसी)। बिहार सरकार ने सरकार ने राज्य से हो रहे पलायन को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस योजना के तहत आर्थिक मदद देकर हर घर में उद्योग स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। बिहार में गरीब परिवारों को रोजगार के लिए सरकार दो-दो लाख रुपए देगी। यह राशि तीन किश्तों में लाभुकों को मिलेगा। उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य के विभिन्न वर्ग के गरीब परिवारों के आर्थिक विकास के लिए बिहार लघु उद्यमी योजना चालू किया गया है। इसी के तहत लाभ दिया जाएगा। इसको लेकर बेगूसराय उद्योग विभाग के कार्यालय के द्वारा भी तैयारी पूरी कर ली गई है। 26 जनवरी के बाद से योजना का लाभ बेगूसराय के निवासी भी ले पाएंगे। यह राशि लाभुकों को तीन किश्तों में दी जाएगी। पहले साल 25 फीसदी, दूसरे साल 50 फीसदी और तीसरे साल 25 फीसदी राशि देय होगी। यह योजना पांच वर्षों के लिए लागू की गयी है। वर्ष 2023-24 में इस योजना का लाभ 26 जनवरी के बाद से प्राप्त कर सकते हैं। बिहार के रहने वाले बीपीएल परिवार के 94 लाख परिवार अपने जिले के उद्योग विभाग के कार्यालय में जाकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। बेगूसराय जिला मुख्यालय में उत्पाद थाना के पीछे जिला उद्योग भवन है। जहां जाकर आप इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप भी बिहार में बीपीएल परिवार के सदस्य हैं तो बिहार लघु उद्यमी योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना का लाभ हर बीपीएल परिवार के एक ही सदस्य को मिल मिलेगा, अगर आप इस योजना का लाभ लेना चाहते तो आधार कार्ड और राशन कार्ड लेकर अपने जिला के उद्योग कार्यालय पहुंचे। आपको बता दें कि इस योजना का लाभ लेने के लिए किसी भी कर्मी को कोई भी राशि न दें। अगर आपसे योजना का लाभ लेने के बदले राशि की मांग की जा रही है तो जीएम से इसकी शिकायत कर सकते हैं।

राहुल की न्याय यात्रा पर बोलीं स्मृति ईरानी, बरसाती मेंढक से की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष की तुलना

अमेठी (एजेंसी)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर सोमवार को हमला करते हुए उनकी तुलना बरसाती मेंढक से कर दी। अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अमेठी के दौरे पर आई स्मृति ईरानी ने संवाददाताओं से बातचीत में राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन पर तंज करते हुए कहा, जब बरसात आती है तो छोटे-छोटे मेंढक निकल आते हैं। उसी तरह अब चुनाव आ रहा है तो लोग आयेंगे और जायेंगे।

उन्होंने कहा कि बरसात जाते ही यह मेंढक गायब हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव आ रहा है तो यह लोग आए हैं और उसके बाद चले जाएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 14 जनवरी से मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की है। उनकी यह यात्रा उत्तर प्रदेश से भी गुजरेगी और महाराष्ट्र में संपन्न होगी।

स्मृति ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए कहा, आज राम भक्तों के लिए ऐतिहासिक दिन है। लगभग 500 साल तक राम भक्तों ने धैर्य दिखाया। जिन भक्तों ने धैर्य और मर्यादा का प्रमाण दिया मैं उनको प्रणाम करती हूं। आज राम भक्तों का सपना साकार हो रहा है। कांग्रेस के अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने से जुड़े एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिसकी जैसी मति है वैसा ही उसका कर्म।

9999 हीरों से सूरत के रत्नकार ने बनाई प्रभु श्रीराम मंदिर की मनमोहक छवि

सूरत। अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर काफी समय से भारत समेत पूरी दुनिया राममय गई थी। हर व्यक्ति प्रभु श्रीराम की भक्ति में लीन है और बड़ी बेसब्री से प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा कर रहा था।500 वर्षों के बाद प्रत्येक रामभक्त की प्रतीक्षा का आज अंत हो जाएगा। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। ऐसे में आज सूरत से एक रत्नकार की अदभुत कला सामने आई है। रत्नकार ने हीरों का उपयोग कर प्रभु श्रीराम मंदिर की मनमोहक छवि बनाई है। रत्नकार ने यह छवि बनाने में 9999 हीरों का उपयोग किया है। प्रभु श्रीराम के लिए देशभर से नाना प्रकार के उपहार अयोध्या जा रहे हैं। गुजरात के वडोदरा से 108 फूट लंबी अगरबत्ती अयोध्या भेजी गई थी जो वहां प्रज्वलित की जा चुकी है और अपनी सुगंध फैला रही है। प्रभु श्रीराम मंदिर की थीम के साथ एक हीरों का हार भी बनाया गया है। 40 कारीगरों ने 35 दिनों की मेहनत से यह हार बनाया है। अब सूरत के एक रत्नकार द्वारा 9999 के हीरों की मदद से प्रभु श्रीराम मंदिर की छवि तैयार की है।

कई सारी विशेषताएं और खूबियां से तैयार हुआ रामलला का मंदिर

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में बने दिव्य रामलला के मंदिर का निर्माण नागर शैली में किया गया है। मंदिर में प्रवेश पूर्व दिशा की ओर से होगा। दक्षिण दिशा से भक्तों को मंदिर से बाहर निकाला जाएगा। मंदिर की संरचना तीन मंजिला है। भक्त पूर्वी दिशा से 32 सीढ़िया चढ़कर मुख्य मंदिर में पहुंच सकते हैं।

राम मंदिर की लंबाई 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है। यह मंदिर तीन मंजिला है, जिसमें हर मंजिल की ऊंचाई 20 फीट है। मंदिर में 392 खंबे और 44 द्वार बनाए गए हैं। मंदिर में कुल पांच मंडपों का निर्माण हुआ है, नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप है। रामलला को गर्भ गृह में स्थापित किया जाएगा जो की ग्राउंड फ्लोर पर बना है। पहली मंजिल पर भगवान राम का दरबार सजाया जाएगा। मंदिर में खभों और दीवारों पर देवी देवताओं की मूर्तियों उकेरी गई है। मंदिर के पास एक सीता को ऊपर भी देखने को मिलेगा जो की पौराणिक काल का है। परिसर के हर कोने में सूर्य, भगवती, गणेश और शिव के मंदिर भी बनाए जाएंगे। परिसर के दक्षिणी हिस्से में अन्नपूर्णा और-हनुमान जी का मंदिर होगा। महर्षि वशिष्ठ, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, निषाद राज, शबरी और अगस्त्य के मंदिर भी प्रस्तावित है। रामलला के मंदिर की खासियत है कि यह लोहे का प्रयोग नहीं हुआ है। धरती के ऊपर किसी तरह के कांक्रीट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। मंदिर के नीचे नीव डालने के लिए 14 मीटर मोटी रोलर कंपैक्टेड कांक्रीट बिछाई गई है। धरती की नमी से मंदिर को बचाने के लिए 21 फीट ऊंची प्रिंट ग्रेनाइट से बनी है। मंदिर का पूरा परिसर 70 एकड़ में फैला हुआ है। 70 एकड़ में फैला यह पूरा हिस्सा इसके 70 प्रतिशत इलाके में पेड़ पौधे लगाए जाएंगे। मंदिर परिसर में पर्यावरण और जल संरक्षण का भी पूरा ध्यान दिया गया है। मंदिर परिसर में स्नानागार, शौचालय, वॉश बेसिन, ओपन टेप्स की सुविधा दी गई है। दिव्यांगजनो और वृद्धों के लिए भी मंदिर में राम और लिफ्ट बनाई गई है। मंदिर में एक दर्शनार्थ सुविधा केंद्र का निर्माण हो रहा है, जिसकी क्षमता 25000 है। दर्शनार्थियों का सामान रखने के लिए लॉकर की व्यवस्था बनेगी है। मंदिर के हर ओर आयातकार पर कोटा निर्मित हो रहा है। मंदिर के दक्षिण पश्चिमी हिस्से में नवरत्न कुबेर टीला बनाया जाएगा। यहां भगवान शिव के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है। जटायु प्रतिमा की स्थापना भी की गई है।

टाइम्स स्क्वेयर पर दिखा भव्य राम मंदिर

– अमेरिका में भी भक्तों में खुशी की लहर

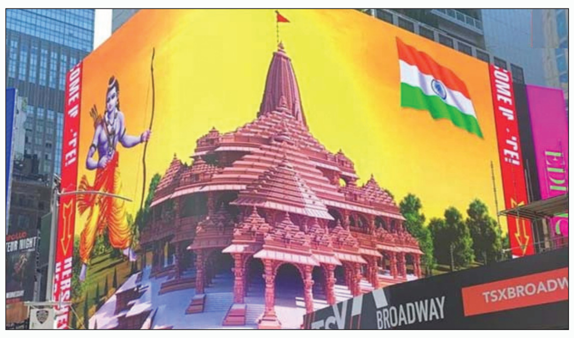

न्यूयॉर्क । सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की धूम है और अमेरिका में रह रहे भारतीय भी इससे अछूते नहीं है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध टाइम स्क्वायर की स्क्रीन पर भी दिखाया गया। अमेरिका में बसे भारतीय भी प्रभु श्री राम के भव्य राम मंदिर में विराजमान होने वाले ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर टाइम्स स्क्वायर पर ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर के सदस्यों द्वारा लड्डू भी बांटे गए। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लाइव प्रसारण के लिए न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में जगह–जगह बड़ी स्क्रीन लगाई गई हैं। यहां पर राम मंदिर उद्घाटन का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया। अमेरिका में हिंदुस्तानियों की बड़ी आबादी रहती है। अमेरिका के साथ–साथ दुनिया के कई देशों में बड़ी संख्या में भारतीयों की आबादी रहती है, वहां राम मंदिर कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया गया। न्यूयॉर्क की ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर संस्था के अनुसार अमेरिका में भी इस कार्यक्रम को बेहद धूमधाम से मनाया जा रहा है। दुनिया भर के लोगों को इस आयोजन से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की।उन्होंने कहा कि, जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार था आज वो दिन आ ही गया। टाइम्स स्क्वायर में भी लोग जश्न में डूबे हैं और हर जगह अयोध्या जैसी ही लग रही है। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले टाइम्स स्क्वायर पर ढोल की गूंज के साथ ही, जय श्री राम के नारे लगाए गए। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का जश्न मनाने के लिए न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर पर भारी भीड़ जमा हो गई है। उत्सव में सैकड़ों हिंदुओं ने हिस्सा लिया।

चीन में भूस्खलन, 47 लोग दबे

कुनमिंग। दक्षिण पश्चिम चीन के युन्नान प्रांत में सोमवार सुबह भूस्खलन हो गया, जिसमें कुल 47 लोगों के दबने की खबर है। जानकारी अनुसार झाओटोंग शहर के लियांगशुई गांव में सोमवार सुबह 5:51 बजे यह घटना घटित हुई, जिसमें लापता हुए लोगों की तलाश के लिए 33 अग्निशमन वाहनों और 10 लोडिंग मशीनों के साथ 200 से अधिक बचाव दल लगाए गए हैं। बताया जाता है कि भूस्खलन में करीब 47 लोग दबे हैं।

इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हुई

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के ठिकानों पर इजरायल ने मिसाइलों से हमला किया था, जिसमें मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 13 हो गई। यह जानकारी युद्ध से जुड़े मामलों पर काम करने वाली एक एजेन्सी ने दी है। इस संबंध में सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स का कहना है कि 13 मरने वालों में वे पांच ईरानी भी शामिल हैं जिनमें से तीन ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स में कमांडिंग भूमिका निभाई थी। इनके अतिरिक्त चार सीरियाई ईरानी मिलिशिया के साथ अनुबंधित रहे और दो लेबनानी व्यक्ति समेत एक इराकी नागरिक एवं एक सीरियाई तथा एक नागरिक कार्यकर्ता भी है। गौरतलब है कि इज़रायल ने शनिवार को मिसाइलों से हमला किया था। यह हमला समृद्ध माज़ेह वेस्टर्न विला के पड़ोस पर किया गया था। विशेष रूप से एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया था, जहां कथित रुप से आईआरजीसी कमांडरों की एक बैठक चल रही थी। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसे अत्याचारों को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान भी किया है।

यूक्रेन के बाजार में गोलाबारी में 25 लोगों की मौत

दोनेत्स्क। रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के एक बाजार में की गई गोलाबारी में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि हमला रविवार सुबह दोनेत्स्क शहर के उपनगर तेकस्तिलशचिक में हुआ है, जिसमें अनेक लोगों की मौत हो गई। गौरतलब है कि दोनेत्स्क में रूस द्वारा शीर्ष अधिकारी डेनिस पुशिलिन तैनात है। उन्होंने बताया कि इस हमले में दो बच्चों समेत 20 लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि गोलाबारी यूक्रेनी सेना द्वारा की गई थी। इस घटना ने यूक्रेन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। पुशिलिन का कहना था कि आपातकालीन सेवा के कर्मचारी घटनास्थल पर बचाव कार्य कर रहे हैं। वहीं, स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रविवार को रूस के उस्त–लुगा बंदरगाह पर एक रासायनिक परिवहन टर्मिनल में दो विस्फोट हुए, जिसके बाद आग लग गई। रिपोर्ट के मुताबिक बंदरगाह पर यूक्रेनी ड्रोन द्वारा हमला किया गया था, जिससे एक गैस टैंक में विस्फोट हुआ और आग फैल गई। रूस स्थित किंगिसेप क्षेत्र में बंदरगाह के प्रमुख यूरी जापलात्स्की ने अपने बयान में कहा है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन जिले में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

दर्शन के लिए उत्सुक हूं... रामलला को देख क्यों भावुक हुआ इजरायल

जेरूसलम। आज राम लला अपने मंदिर में प्रगट हो गए हैं। अयोध्या मंदिर में राम लला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई, इस कार्यक्रम को लाखों लोगों ने अपने घरों और देश भर के मंदिरों में टेलीविजन पर देखा। पूरी दुनिया के हिंदू इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। विदेशों में भी राम मंदिर की धूम देखने को मिली। अमेरिका से लेकर फ्रांस तक राम मंदिर का जश्न देखने को मिला। इसी बीच भारत के दोस्त इजरायल का भी राम मंदिर को लेकर बयान सामने आया है। इजरायल राम मंदिर के मॉडल के सामने बैठा और भगवान श्री राम को याद किया। इजरायल ने कहा है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठान के इस शुभ अवसर पर भारत के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के इस्राइली राजदूत नाओर गिलोन ने सोशल मीडिया पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि दुनिया भर के भक्तों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। मैं अयोध्या में राममंदिर के जल्द दर्शन के लिए उत्सुक हूं। यकीनन वह मेरे पास मौजूद इस मॉडल से भी अधिक भव्य और सुंदर होगा। इजरायल के इस बयान के बाद भारत के लोगों ने जय श्री राम लिखा। भारतीय लोगों ने कहा कि भगवान राम की कृपा इजरायल पर बनी रहे। बता दें कि इजरायल पर हमास का हमला हुआ और वहां के कई लोगों को बंधक भी बना लिया गया।

ष्टड्डद्यद्बद्घश्व्ह्वद्बड्ड में 2 सप्ताह में 6 हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़, निकाली गई रैली

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस के उम्मीदवार रितेश टंडन ने दावा किया है कि पिछले दो हफ्तों में कैलिफोर्निया में छह भारतीय मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट के प्रतिनिधित्व के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टंडन ने राज्य सीनेटर आयशा वहाब की प्रतिक्रिया की कमी पर निराशा व्यक्त करते हुए कार्रवाई का आह्वान किया है। टंडन ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि पिछले दो हफ्तों में, छह भारतीय मंदिरों में तोड़फोड़ की गई है, जिनमें से पांच वहाब जिले में स्थित हैं। सीनेटर आयशा वहाब की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। टंडन और प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने बैठक की मांग करते हुए सीनेटर वहाब के कार्यालय के सामने एक रैली आयोजित की। कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान होने के बावजूद, कार्यालय बंद था, जिससे टंडन ने करदाताओं के डॉलर के उपयोग के बारे में चिंता जताई और संभावित वापसी का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आज, हमने सीनेटर वहाब के कार्यालय के सामने एक विरोध रैली आयोजित की, जिसमें उनके कर्मचारियों के साथ बैठक की मांग की गई। दुर्भाग्य से कार्य दिवस पर कार्यालय समय के भीतर होने के बावजूद, कार्यालय बंद था। यह स्थिति आपके कर डॉलर के उपयोग पर प्रकाश डालती है और सुझाव देती है कि इसे वापस लेने पर विचार करने का समय आ गया है।

जर्मनी में नस्लीय भेदभाव और विदेशियों को बाहर किये जाने के विरोध में एक रैली निकाली गयी। इस दौरान लोगों ने बैनर थामे हुए थे।

अब ताइवान के आकाश में दिखाई दिए चीनी गुब्बारे

–ताइपे सरकार ने जताया कड़ा विरोध

ताइवान । ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के ऊपर छह और चीनी गुब्बारे उड़ते हुए दिखाई दिए, जिनमें से एक द्वीप को पार कर गया। ताइवान मंत्रालय का कहना है कि उसने पिछले डेढ़ महीने में इसतरह के गुब्बारे कई बार देखे हैं। मंत्रालय ने महीने की शुरुआत में कड़े शब्दों में बयान में चीन पर विमानन सुरक्षा को धमकी देने और ताइवान के 13 जनवरी के चुनावों से कुछ दिन पहले गुब्बारों के साथ द्वीप के लोगों पर मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया था। चीनी रक्षा मंत्रालय, जिसने पिछले महीने गुब्बारों पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया था, ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। ताइपे सरकार की कड़ी आपत्तियों के बावजूद चीन ताइवान पर अपना दावा करता है। जासूसी के लिए चीन द्वारा गुब्बारों का उपयोग करने की संभावना पिछले फरवरी में एक वैश्विक मुद्दा बन गई जब अमेरिका ने एक चीनी निगरानी गुब्बारे को मार गिराया। चीन ने कहा कि गुब्बारा एक नागरिक जहाज था जो गलती से भटक गया। नवीनतम घटना में मंत्रालय ने सोमवार को पिछले 24 घंटों में चीनी सैन्य गतिविधियों पर अपनी दैनिक रिपोर्ट में खुलासा किया कि रविवार को छह गुब्बारे जलडमरूमध्य की संवेदनशील मध्य रेखा पर उड़ गए थे। हालाँकि, मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए मानचित्र के अनुसार, केवल एक ने दक्षिणी सिरे पर स्थित ताइवान द्वीप को पार किया। मंत्रालय ने कहा कि अन्य पांच गुब्बारे ताइवान के उत्तर की ओर उड़े लेकिन जमीन के ऊपर से नहीं उड़े।

बंधकों की रिहाई के बदले युद्ध समाप्त करने की हमास की शर्तों को नेतन्याहू ने किया खारिज

–कहा– सैनिकों की शहादत व्यर्थ हो जाएगी

जेरूसलम (एजेंसी)। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध को समाप्त करने और बंधकों को रिहा करने के लिए हमास द्वारा प्रस्तुत शर्तों को खारिज कर दिया, जिसमें इजरायल की पूर्ण वापसी और गाजा में हमास को सत्ता में छोड़ना शामिल होगा। जैसे ही इजरायली विमानों ने दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस पर बमबारी शुरू की, हमास के वरिष्ठ अधिकारी सामी अबू ज़ुहरी ने रॉयटर्स को बताया कि इजरायली नेता द्वारा गाजा में सैन्य आक्रमण को समाप्त करने से इनकार करने का इसका मतलब है कि (इजरायली) बंदियों की वापसी की कोई संभावना नहीं है।

नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि हमारे बंधकों की रिहाई के बदले में हमास युद्ध की समाप्ति, गाजा से हमारी सेना की वापसी, सभी हत्यारों और बलात्कारियों की रिहाई की मांग करता है और हमास को बरकरार रखने की मांग करता है। नेतन्याहू ने कहा कि मैं हमास के राक्षसों के आत्मसमर्पण की शर्तों को सिरे से खारिज करता हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका, कतर और मिस्र द्वारा नवंबर के अंत में किए गए एक समझौते के तहत, 7 अक्टूबर को हमास आतंकवादियों के हमले के दौरान गाजा में बंदी बनाए गए अनुमानित 240 बंधकों में से 100 से अधिक को इजरायल में रखे गए 240 फिलिस्तीनियों की रिहाई के बदले में मुक्त कर दिया गया था।

नेतन्याहू को कैद में रह गए 136 बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ा है। बंधकों और लापता व्यक्तियों के परिवार फोरम ने एक बयान में मांग की कि नेतन्याहू स्पष्ट रूप से कहें कि हम अक्टूबर की पराजय में अपहृत नागरिकों, सैनिकों और अन्य लोगों को नहीं छोड़ेंगे। इसमें कहा गया कि हमें अब सौदे को आगे बढ़ाना चाहिए। अगर प्रधान मंत्री बंधकों की बलि देने का फैसला करते हैं, तो उन्हें नेतृत्व दिखाना चाहिए और ईमानदारी से इजरायली जनता के साथ अपनी स्थिति साझा करनी चाहिए।

नेल्सन मंडेला की निजी वस्तुओं की फरवरी में होगी नीलामी, समाधि पर स्मारक उद्यान बनाने की योजना

जोहानिस्बर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की समाधि के आसपास स्मारक उद्यान बनाने के लिए उनकी लगभग 100 निजी वस्तुओं की फरवरी में नीलामी की जाएगी। नीलामी की जाने वाली वस्तुओं में अल्पसंख्यक श्वेत सरकार के राजनीतिक कैदी के रूप में 27 वर्ष तक जेल की सजा काट कर रिहा होने के बाद मंडेला को दिया गया पहचान दस्तावेज भी शामिल है। नीलामी में वह 'मदीबा शर्ट' भी रखी जाएगी जो उन्होंने महारानी एलिजाबेथ से मुलाकात के दौरान पहनी थी।

एक कैदी से राष्ट्रपति बनने तक की अपनी अभूतपूर्व यात्रा के सबसे यादगार अवसर पर मंडेला ने जो थ्री पीस पिनस्ट्राइप सूट पहना था और उन्हें उपहार में मिली सोने और चांदी की कई वस्तुओं की नीलामी की जाएगी। न्यूयॉर्क स्थित कंपनी ग्वेर्नसे की द्वारा की जाने वाली यह नीलामी मंडेला की बेटी मकाज़ीवे द्वारा 2022 में हुई कानूनी लड़ाई जीतने के बाद संभव हो पाई। दक्षिण अफ़्रीकी विरासत संसाधन एजेंसी (एसएएचआरए) ने 2022 की जनवरी में होने वाली नीलामी को रोकने की कोशिश की थी।

एजेंसी ने अदालत में दलील दी थी कि जिन 29 वस्तुओं की नीलामी की जानी है, उनमें रोबेन आइलैंड में मंडेला की जेल कोठरी की असली चाबी भी शामिल है। उसने कहा कि यह राष्ट्रीय संपत्ति है और इसे उनकी बेटी निजी संपत्ति बताकर नहीं बेच सकती। उसने कहा कि इसे सुरक्षित रखने के लिए इसे दक्षिण अफ्रीका को लौटाया जाना चाहिए। एजेंसी जिन वस्तुओं को विरासत सामान के रूप में अपने पास रखना चाहती थी उनमें मेंडला का पहचान दस्तावेज, उनके द्वारा जेल से अपने परिजनों एवं अन्य को लिखे गये पत्र, कारागार में रहते हुए उनके द्वारा बनाये गये रेखाचित्र तथा अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा सहित राष्ट्र प्रमुखों द्वारा उन्हें दिये गये उपहार शामिल हैं।

लॉन्ग कोविड के कारण अभी भी अज्ञात

–अधिकांश लोग गंभीर बीमारी के बाद हो जाते हैं ठीक

लंदन (एजेंसी)। शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा, लंबे समय तक रहने वाले कोविड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सार्स-सीओवी-2 वायरस से संक्रमित अधिकांश लोग गंभीर बीमारी के बाद ठीक हो जाते हैं। यह पहचान की है स्विस शोधकर्ताओं की एक टीम ने। हालांकि, संक्रमित लोगों में कुछ को लंबे समय तक चलने वाले लक्षण विकसित होते रहते हैं। लॉन्ग कोविड के कारण अभी भी अज्ञात हैं, और कोई नैदानिक परीक्षण या उपचार नहीं हैं। स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख विश्वविद्यालय (यूजेडएच) के अध्ययन ने इस बारे में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली के एक हिस्से की भूमिका को इंगित किया जो आम तौर पर संक्रमण से लड़ने और क्षतिग्रस्त और संक्रमित शरीर कोशिकाओं को खत्म करने में मदद करता है।

यूजेडएच में इम्यूनोलॉजी के प्रोफेसर ओनूर बॉयमैन ने कहा, लंबे समय तक कोविड वाले रोगियों में, प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा जिसे पूरक प्रणाली कहते हैं, अपनी मूल स्थिति में वापस नहीं आती, बल्कि सक्रिय रहती है और इस प्रकार, स्वस्थ शरीर की कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है। शोधकर्ताओं ने सार्स-सीओवी-2 संक्रमण के बाद एक वर्ष तक 113 कोविड रोगियों का अध्ययन किया और उनकी तुलना 39 स्वस्थ लोगों से की।छह महीने के बाद, 40 रोगियों में सक्रिय लांग कोविड बीमारी थी। अध्ययन प्रतिभागियों के रक्त में 6,500 से अधिक प्रोटीन का तीव्र संक्रमण के दौरान और छह महीने बाद विश्लेषण किया गया।

एक्टिव लॉन्ग कोविड में ब्लड प्रोटीन में परिवर्तन पूरक प्रणाली के प्रोटीन के बीच संबंध का संकेत देते हैं, जो रक्त के थक्के जमने और टीशू क्षति और सूजन की मरम्मत में शामिल होते हैं। इसके विपरीत, लंबे समय तक बीमारी से उबरने वाले कोविड रोगियों का रक्त स्तर छह महीने के भीतर सामान्य हो गया। इसलिए सक्रिय लॉन्ग कोविड की पहचान रक्त में प्रोटीन पैटर्न से होती है। बॉयमैन ने कहा, हमारा काम न केवल बेहतर निदान की नींव रखता है, बल्कि नैदानिक अनुसंधान का भी समर्थन करता है जिनका उपयोग पूरक प्रणाली को विनियमित करने के लिए किया जा सकता है। यह लंबे समय तक कोविड वाले रोगियों के लिए अधिक लक्षित उपचारों के विकास के लिए नए रास्ते खोलता है।

बॉयमैन की टीम में शामिल पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता कार्लो सर्विया-हस्लर ने समझाया, लॉन्ग कोविड में किन प्रोटीनों में बदलाव किया गया, इसके विश्लेषण से पूरक प्रणाली की अत्यधिक गतिविधि की पुष्टि हुई। सक्रिय लॉन्ग कोविड वाले रोगियों में भी रक्त का स्तर ऊंचा था, जो लाल रक्त कोशिकाओं, प्लेटलेट्स और रक्त वाहिकाओं सहित शरीर की विभिन्न कोशिकाओं को नुकसान का संकेत देता है।

ट्रंप के रास्ते से एक और कांटा हुआ दूर... रोनाल्ड डीसैंटिस दौड़ से हटे

–अब सिर्फ ट्रंप और निक्की हेली के बीच मुकाबला

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक और कांटा दूर हो गया है। फ्लोरिडा के गवर्नर रोनाल्ड डीसैंटिस ने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की दौड़ से हटने और पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर ट्रंप का समर्थन करने की घोषणा की। अब भारतीय-अमेरिकी और दक्षिण कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली (51) इकलौती रिपब्लिकन नेता हैं, जो ट्रंप (77) के खिलाफ उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल हैं।

बता दें कि इसके पहले भारतीय मूल के नेता विवेक रामास्वामी ने भी रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की रेस से खुद को बाहर किया था। उन्होंने कहा था कि मैं इस देश और पार्टी की सेवा करना चाहता हूं, जिसके लिए मैंने ट्रंप के समर्थन का निर्णय लिया है।

ट्रंप अभी तक रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं और पार्टी के ज्यादातर सदस्य उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह आयोवा कॉकस में जीत हासिल की और वह न्यू हैम्पशायर प्राइमरी चुनाव में आगे चल रहे हैं जहां 23 जनवरी को मतदान होना है। एक वक्त में ट्रंप के लिए कड़ी चुनौती के रूप में देखे जा रहे डी सैंटिस के नाम वापस लेने से अब रिपब्लिकन पार्टी में मुकाबला ट्रंप और हेली के बीच है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पूर्व राष्ट्रपति रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के लिए तैयार हैं और नवंबर 2024 का राष्ट्रपति चुनाव 2020 के चुनाव की तरह ही ट्रंप बनाम बाइडन होगा। डीसैंटिस ने वीडियो संदेश में कहा, ''आयोवा में दूसरे स्थान पर रहने के बाद हमने आगे के अपने कदम पर विचार-विमर्श किया। अगर अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए कुछ होता तब मैं कर सकता था, और मैं करूंगा। लेकिन अगर हमें जीत का पक्का भरोसा नहीं है तब मैं अपने समर्थकों से अपना वक्त और पैसा खर्च करने के लिए नहीं कह सकता। यह देखकर मैं आज अपना अभियान निलंबित कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, मुझे स्पष्ट हो गया है कि ज्यादातर रिपब्लिकन प्राइमरी मतदाता ट्रंप को एक और मौका देना चाहते हैं। मेरी ट्रंप से कई मुद्दों पर असहमतियां हैं, लेकिन वह वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन से बेहतर हैं। ट्रंप को मेरा समर्थन प्राप्त है। ट्रंप ने डीसैंटिक के उम्मीदवारी वापस लेने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''मैं रोनाल्ड का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं और बहुत अच्छा काम करने के लिए उन्हें बधाई देता हूं। वहीं, हेली ने कहा कि वह दौड़ में बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं डीसैंटिस से कहना चाहती हूं कि उन्होंने अच्छा मुकाबला किया। वह बहुत अच्छे गवर्नर रहे हैं और हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मारे गए नेपालियों को रूस देगा मुआवजा

– नेपाल सरकार ने कहा, वापस भेज दें हमारे सभी लोग

काठमांडू (एजेंसी)। रूस नेपाल के उन युवाओं के परिवारों को मुआवजा देगा, जो यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मारे गए हैं। यह बात नेपाल के नए विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सऊद ने कही है। सऊद ने कहा कि रूस युद्ध में मारे गए नेपालियों के परिवारों को इसका भुगतान सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही सभी जरूरी व्यवस्था की जाएगी। अब तक रूस की ओर से लड़ते हुए 13 नेपाली नागरिकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। नेपाल के 113 परिवारों ने विदेश मंत्रालय से संपर्क कर रूसी सेना में भर्ती अपने सदस्यों के ठिकाने की तलाश करने का आग्रह किया है। अभी तक ये सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है कि कितने नेपाली नागरिक रूसी सेना में शामिल हुए हैं। रूसी सरकार यूक्रेन के साथ युद्ध में मारे गए रूसी सैनिकों के परिवारों को मुआवजे के रूप में पांच मिलियन रूबल का भुगतान करेगी और घायल सानिकों को तीन मिलियन रूबल देगी। युद्ध में मारे गए या घायल हुए विदेशी सैनिकों को भी यही राशि दी जाएगी या ये कुछ कम-ज्यादा होगी, ये अभी स्पष्ट नहीं है। नेपाली विदेश मंत्री सऊद ने इस पर कहा कि जहां तक मुझे बताया गया है कि मुआवजा राशि 7 मिलियन रुपए या इसके आसपास होनी चाहिए। रूस ने पहले मुआवजा पाने के लिए मृतक सैनिकों के परिवार को बुलाने की बात कही थी। इसे नेपाल ने खारिज करते हुए कहा कि यह संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी परिवारों के सदस्य विभिन्न कारणों से रूस की यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए मॉस्को में नेपाली दूतावास को राशि प्रदान करने का अनुरोध किया गया। सऊद ने कहा कि वे जल्द ही रूसी पक्ष के साथ समझ के माध्यम से समाधान ढूंढ लेंगे। रूसी सेना में सेवा देने वाले लोगों के परिवारों को दी जाने वाली रूसी नागरिकता पर मंत्री ने कहा कि यह संबंधित सदस्यों पर निर्भर है। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा हस्ताक्षरित एक डिक्री के अनुसार रूस उन विदेशी नागरिकों और उनके परिवारों को नागरिकता देगा, जो यूक्रेन में रूस के लिए लड़ रहे हैं।

उम्मीद से ज्यादा होगी गर्मी, तपती धरती पर रहना हो जाएगा मुश्किल

पेरिस (एजेंसी)। आने वाले समय में धरती पर तपन बहुत तेज हो जाएगी। लोगों को जीना दूभर होगा और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाएगा। वर्तमान डेटा से पता चल रहा है कि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की वैश्विक प्रतिबद्धता का उल्लंघन हो रहा है और गर्मी में वृद्धि तेज होती जा रही है। बाढ़, आग और तूफान जैसी चरम मौसमी घटनाओं में तेजी होना तेजी से गर्म हो रही धरती के परिणाम बता रहे हैं। हैनसेन ने भविष्यवाणी की है, 'अगले वसंत के बाद से कोई तर्क ही नहीं बचा होगा, हम ट्रेंड (धरती सका बढ़ता तापमान) से बहुत दूर हो जाएंगे।'

फ्रांस ने हाल ही में धरती पर ग्लोबल वार्मिंग पर अध्ययन किया गया। पॉल सबेटियर विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक ऑड्रे मिनिएर के नेतृत्व में की गई स्टडी के अनुसार, पृथ्वी के गर्म होने की प्रवृत्ति में तेजी आई है। उन्होंने इसके साक्ष्य भी प्रस्तुत किया है। इसका असर खासकर समुद्र के तापमान में बदलाव पर भी पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग में तेज़ी को लेकर वैज्ञानिक समुदाय में भी बहस छिड़ी हुई है। जलवायु वैज्ञानिक जेके हस्फादर ने बताया कि एक अन्य अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि 2010 के बाद से वार्मिंग की दर में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।शोध वैज्ञानिक रिपोर्ट में प्रकाशित किया गया था और ग्रह पर त्वरित वार्मिंग और इसके दूरगामी प्रभावों को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित किया गया था। पृथ्वी के गर्म होने की प्रवृत्ति से संबंधित परिवर्तनों को जिम्मेदार ठहराने के लिए और अधिक जांच की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने कहा, 'पृथ्वी के गर्म होने का दीर्घकालिक कारण के रूप में सीओ 2 सांद्रता में वृद्धि और उसी अवधि के दौरान एयरोसोल एकाग्रता में गिरावट को दर्शाता है।' लेकिन इन परिवर्तनों को उचित रूप से बताने के लिए आगे की जांच आवश्यक है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी

मेलबर्न।

भारतीय अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने वेस्ले कूलहोफ और निकोला मेक्टिक की 14वीं वरीयता प्राप्त डच-क्रोएशियाई जोड़ी को 7-6 (10-8), 7-6 (7-4) से हराकर अंतिम आठ चरण में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद बोपन्ना ने पुरुष युगल में विश्व नंबर 2 रैंकिंग सुनिश्चित की और क्वार्टर में जीत उन्हें रैंकिंग शिखर पर ले जाएगी। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी अब छठी वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना की जोड़ी मैक्सिमो गोंजालेज और एंड्रेस मोल्टेनी से भिड़ने को तैयार है। 43 वर्षीय बोपन्ना ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में जीवित एकमात्र भारतीय चुनौती बने हुए हैं।

इंग्लैंड सीरीज के जरिए जायसवाल टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करेंगे : गावस्कर

नई दिल्ली-

इंग्लैंड के खिलाफ बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि यह युवा खिलाड़ी इंग्लैंड श्रृंखला के अंत तक भारतीय टेस्ट टीम में अपनी स्थिति मजबूत करेगा।भारत और इंग्लैंड 25 जनवरी से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले मैच के लिए आमने-सामने होंगे। भारत का लक्ष्य इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रभावशाली घरेलू रिकॉर्ड को आगे बढ़ाना है, जिसने 2016/17 सीरीज में 4-0 से और 2020/21 में 3-1 और जीत हासिल की थी।गावस्कर ने बाएं हाथ के बल्लेबाज की घरेलू परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता का हवाला देते हुए जायसवाल के प्रदर्शन के बारे में अपनी बात रखी। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे लगता है कि इस सीरीज के बाद वह खुद को भारतीय टेस्ट टीम में पूरी तरह से स्थापित कर लेंगे। साथ ही जायसवाल घरेलू परिस्थितियों में आसानी से जम जाएंगे। 74 वर्षीय ने श्रेयस अय्यर का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई कि यह बल्लेबाज इंग्लैंड के खिलाफ चमकेंगे। भारत के लिए 12 टेस्ट मैचों में 39.27 की औसत से 707 रन बनाने वाले अय्यर के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया संघर्ष ने चिंता बढ़ा दी है।गावस्कर ने विश्व कप के दौरान भारतीय पिचों पर अय्यर के शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए

टेस्ट सीरीज में भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

गावस्कर ने कहा, विश्व कप में श्रेयस अय्यर ने भारतीय पिचों पर शानदार बल्लेबाजी की, इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह टेस्ट श्रृंखला में भी नंबर 5 पर इसी तरह खेलेंगे। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी की। शुरुआत में काफी सतर्क थे और फिर बाद में उन्होंने स्ट्रोक लगाए। मुझे उम्मीद है कि वह इसे दोहराएंगे।

संक्षिप्त समाचार

हैरी के बाहर होने से इंग्लैंड की उम्मीदें कम हुईं : पीटरसन

लंदन । भारत के खिलाफ सीरीज से पहले ही मेहमान टीम इंग्लैंड को करारा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने निजी कारणों से इस सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने कहा है कि हैरी की कमी टीम को खलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। .पीटरसन ने सोशल मीडिया में लिखा, मैं उम्मीद करता हूं कि हैरी और उसके परिवार के साथ सबकुछ ठीक होगा। दूसरी बात ये है कि हैरी के बाहर होने के बाद इंग्लैंड की उम्मीदें थोड़ी कम हो गई है क्योंकि हैरी आक्रामक तरीके से खेलते हैं। हैरी ने इंग्लैंड की ओर से अब तक 12 टेस्ट मैचों की 20 पारियों में 62 के औसत से कुल 1181 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट करीब 91 का रहा है और इस दौरान उन्होंने 4 शतक लगाये हैं। हैरी के बाहर होने पर डेन लॉरेंस को टीम में अवसर दिया गया है। लॉरेंस 2021 में टेस्ट सीरीज के लिए भारत का दौरा करने वाली टीम में शामिल थे। उन्होंने चार में से दो टेस्ट खेले थे। चौथा टेस्ट उन्होंने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जहां पहली पारी में उन्होंने 46 और दूसरी पारी में 50 रन बनाये थे।

भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी :आथर्टन

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल आथर्टन ने कहा है 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। आथर्टन ने कहा, मुझे लगता है कि भारत यह सीरीज जीत जीएगा क्योंकि मेजबान टीम के स्पिनर हमसे बेहतर हैं। साथ ही कहा कि अगर आप भारत खेलने जाते हैं तो स्पिन की अहम भूमिका होती है। पहले भी हमने ऐसा भारत के मैदानों में देखा है। इसके अलावा भारतीय टीम के पास एक अच्छा गेंदबाजी आक्रमण भी है। इस पूर्व कप्तान ने साथ ही कहा, भारत के पास दो बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल हमारे स्पिनरों से बेहतर हैं। इसके अलावा उनके पास कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और आर अश्विन भी हैं। सभी जानते हैं कि अश्विन एक अनुभवी स्पिनर हैं। दूसरी ओर इंग्लैंड के पास जैक लीच के रूप में केवल एक अनुभवी बाएं हाथ का स्पिनर है। इसके अलावा रेहान अहमद, टॉम हार्टले और शोएब बशीर भी हैं पर इनके पास ज्यादा अनुभव नहीं है। भारत और इंग्लैंड के बीच जनवरी से मार्च के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी। इसका पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में , दूसरा 2 फरवरी से विशाखापट्टनम में, तीसरा 15 फरवरी से राजकोट में , चौथा 23 फरवरी से रांची में और पांचवा 7 मार्च से धर्मशाला के मैदान पर खेला जाएगा।

अपनी मां से तलवारबाजी के लिए प्रोत्साहित होने पर मणिपुर के जेनिथ ने एपी में रजत पदक जीता

चेन्नई।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में तमिलनाडु के एन. अंबलेस गोविन के खिलाफ एपी फाइनल के तुरंत बाद मणिपुर के फेंसर जेनिथ एस.एच का फोन बजने लगा। यह उनकी मां रोमोला देवी थीं, जो पता लगाने के लिए फोन कर रही थीं कि रविवार को उनके मैच में क्या हुआ।इंफाल ईस्ट के रहने वाले जेनिथ ने तलवारबाजी में जो कुछ भी हासिल किया है उसका श्रेय अपनी मां को देते हैं। उसने जेनिथ को अपने घर के पास की अकादमी में इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करने का फैसला किया। तलवारबाजी एक महंगा खेल है और जेनिथ के पिता एसएच अर्लेक्स, जो पड़ोस में किराने की दुकान चलाते हैं, को उनके प्रशिक्षण का समर्थन करने के लिए परिवार के संसाधनों से निवेश करना पड़ा, जब तक कि युवा खिलाड़ी ने राष्ट्रीय सर्किट पर अपनी छाप नहीं छोड़ी और उन्हें गुवाहाटी परिसर में प्रशिक्षण के लिए चुना गया। जेनिथ ने कहा, जिनकी एक छोटी बहन भी है, ÷जब मैंने पास की अकादमी में पढ़ाई शुरू की, तो मेरे माता-पिता को पोशाक, जूते और हथियार का खर्च वहन करना पड़ा। गुवाहाटी आने के बाद, भले ही हथियार साई से जारी किए जाते हैं, मेरे माता-पिता हर संभव तरीके से मेरा समर्थन कर रहे हैं। ऐसे भी दिन थे जब मुझे लगा कि संघर्ष हो रहा है लेकिन मेरे माता-पिता ने सुनिश्चित किया कि वे मुझे उस दबाव को महसूस नहीं होने देंगे। हालाँकि गुवाहाटी जाना आसान नहीं था। जेनिथ को घर की याद आने लगी और वह घर लौटना चाहता था। हालाँकि, उनकी माँ ने उन्हें यहीं रहने और अपने कौशल पर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ÷शुरुआत में इसका मुझ पर थोड़ा असर हुआ, लेकिन फिर मेरी मां ने मुझे समझाया और गुवाहाटी मेरे घर से ज्यादा दूर भी नहीं है।एसएआई गुवाहाटी में शामिल होने के कुछ महीने बाद, जेनिथ ने सब-जूनियर नेशनल में स्वर्ण पदक जीता और एक साल बाद कैडेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। वह भोपाल में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पिछले संस्करण में मणिपुर टीम का भी हिस्सा थे, जो क्वार्टर फाइनल में हार गई थी। लेकिन उन्होंने दिसंबर 2023 में गुजरात के मेहसाणा में 18वीं कैडेट नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप में टीम स्वर्ण जीतकर शानदार वापसी की। इस उपलब्धि से तरोताजा होकर, जेनिथ आत्मविश्वास से भरे हुए चेन्नई आए और जाहिर तौर पर खुश थे कि वह खेलो इंडिया यूथ गेम्स के इस संस्करण में मणिपुर के लिए पदक का खाता खोल सके। जेनिथ अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स में एपी टीम इवेंट में हिस्सा लेंगे और उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक पर है।

सीए ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित की टीम, मैक्सवेल और कमिंस को आराम

युवा खिलाड़ी फ्रेजर और बार्टलेट शामिल

सिडनी ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 फरवरी से 6 फरवरी तक होने वाली सीरीज के लिए अपनी 13 सदस्यीय एकदिवसीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज के लिए ग्लेन मैक्सवेल को आराम दिया गया है जबकि युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और अनकैप्ड स्पीडस्टर जेवियर बार्टलेट को भी इस सीरीज में अवसर दिया गया है। वहीं झाय रिचर्डसन चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। वहीं तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क , ऑलराउंडर मिशेल मार्श और जोश हेजलवुड को भी इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। युवा खिलाड़ी फ्रेजर-मैकगर्क ने ऑस्ट्रेलिया में इस सत्र की शुरुआत में ही मार्श कप में तेजी से शतक लगाकर विश्व-रिकॉर्ड बनाया था। अभी वह बिग बैश लीग (बीबीएल) में फ्रेजर-मैकगर्क मेलबर्न रेनेगेड्स की ओर से खेल रहे हैं। सीए का कहना है कि मैक्सवेल को वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 से पहले कार्यभार प्रबंधन की नीति के तहत आराम दिया है। वहीं डेविड वार्नर के संन्यास के बाद अब मैट शॉर्ट को ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है। इसके अलावा लांस मॉरिस भी इस सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखेंगे।

वहीं तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क , ऑलराउंडर मिशेल मार्श और जोश हेजलवुड को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। टीम में कमिंस के नहीं होने पर स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम की

कप्तानी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की ये एकदिवसीय सीरीज ब्रिस्बेन, सिडनी और कैनबरा में 2 फरवरी से शुरू होकर 6 फरवरी तक चलेगी। स्टीवन स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लांस मॉरिस, मैट शॉर्ट, एडम जम्पा।

विराट इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे

मुम्बई ।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ 25 जनवरी से होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। विराट का बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि वह मध्यक्रम में टीम के प्रमुख बल्लेबाज हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार विराट निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई ने कहा कि प्रशंसकों को विराट के इस निर्णय का सम्मान करना चाहिये। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट सीरीज होनी है। ऐसे में विराट का इसमें खेलना भारतीय टीम की बल्लेबाज को मजबूती देता। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी कहा है कि इंग्लैंड के गेंदबाजों की आक्रामक रणनीति का जवाब विराट के पास है और वह इससे भारतीय टीम को बेहतर स्थिति में ला सकते हैं। वहीं इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन और पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने कहा था कि विराट के अहम को नुकसान पहुंचने से उनकी टीम को लाभ हो सकता है। इससे वह अति आक्रामक होकर विकेट खो सकते हैं। अब जबकि विराट पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे तो मेहमान टीम के गेंदबाजों के पास दबाव बनाने का

अच्छा अवसर है। विराट इंग्लैंड के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 28 टेस्ट मैच में 42.36 के औसत और 5 शतकों की सहायता से 1991 रन बनाये हैं। इंग्लैंड के खिलाफ विराट से ज्यादा रन केवल सचिन तेंदुलकर 2535 रन और सुनील गावस्कर 2483 रन हैं।

पहले दो टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, केएस भरत, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, मुकेश कुमार, आवेश खान।

अंडर19 विश्व कप क्रिकेट में श्रीलंका और न्यूजीलैंड ने अपने शुरुआती मुकाबले जीते

जोहान्सबर्ग । श्रीलंका और न्यूजीलैंड ने भी दक्षिण अफ्रीका में खेले जा रहे अंडर19 विश्े व कप में अपने-अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिए हैं। श्रीलंका को जहां जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा। वहीं न्यूजीलैंड की टीम आसानी से जीत गयी। न्यूजीलैंड ने नेपाल के खिलाफ 64 रनों से आसान जीत हासिल की। वहीं एक अन्य मुकाबले में श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को 39 रन से हराया। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही पर दिनुरा कालूपहाना के अर्धशतक से वह 200 के ऊपर पहुंच गयी। श्रीलंका को अच्छी गेंदबाजी के आधार पर जिम्बाब्वे पर जीत मिली। वहीं स्नेहिथ रेड्डी के शतक से न्यूजीलैंड अंडर19 टीम ने 300 से अधिक रन बना लिये। इस प्रकार ये उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली टीम बन गयी।

वहीं श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में जिम्बाब्वे के कप्तान मैथ्यू शॉनकेन ने टॉस गेंदबाजी शुरु की। उसके तेज गेंदबाजों कोहल एक्स्टीन और अनेसु कामुरिवो के सामने श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पहले पांच ओवरों में श्रीलंका के तीन विकेट गिर गये। श्रीलंका के कप्तान सिनेथ जयवर्धने की पारी की जीत में अहम भूमिका रही। इसके बाद रवीशन डी सिल्वा और रुसांडा गमागे ने अच्छे प्रयास किये। दिनुरा कलपुहाना और शारुजन शनमुगनाथन ने पारी को बढ़ाया कलपुहाना ने दो छक्कों सहित आठ चौके लगाकर 60 रन बनाये। इससे श्रीलंका को वापसी करने में मदद मिली। श्रीलंका की टीम 204 रन पर आउट हो गई। इसके बाद 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 166 रनों पर ही सिमट गयी। न्यूजीलैंड ने नेपाल को 64 रनों से हराया।

सात्विकसाईराज और चिराग इंडिया ओपन फाइनल में हारे, कोरियाई जोड़ी बनी विजेता

नई दिल्ली ।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को इंडिया ओपन बैडमिंटन फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया की दूसरे नंबर की जोड़ी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ के हाथों महिला युगल में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय जोड़ी पहला गेम जीतने के बाद अपनी लय बरकरार न रख पाने के कारण हारी। सात्विक और चिराग की जोड़ी को खिताबी मुकाबले में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हरा दिया। इसी के साथ ही इस जोड़ी ने दूसरी बार इंडिया ओपन का खिताब जीता है। इस मुकाबले में भारत और कोरिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही कड़ा मुकाबला हुआ। सात्विक ने शुरुआत में काफी गलतियां की जिससे कैंग और सियो को कुछ आसान अंक मिले। सात्विक और चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-9 किया और फिर बढ़त बनाये रखते हुए स्कोर 18-13 पहुंचाया। चिराग के स्मैश से भारतीय जोड़ी ने छह गेम अंक भी हासिल किए। सात्विक-चिराग ने पहला गेम 18 मिनट में 21-15 से जीता। वहीं दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। चिराग ने अपने तूफानी स्मैश से दो अंक हासिल कर स्कोर 4-6 तक पहुंचाया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद कुछ गलत शॉट लगाये जिससे कोरियाई जोड़ी का 11-5 की अच्छी बढ़त मिल गयी। इसके बाद कोरियाई जोड़ी ने लगातार नौ अंक के साथ स्कोर 16-5 किया और फिर आसानी से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में भी सात्विक और चिराग ने लगातार सहज गलतियां की जिससे कैंग और सियो ने 6-3 की बढ़त बनाई। सात्विक और चिराग ने कई शॉट नेट पर और बाहर मारे जबकि विरोधी जोड़ी को नेट से पीछे भी नहीं धकेल पाए। कोरियाई जोड़ी ब्रेक तक 11-6 से आगे रही। भारतीय जोड़ी ने ब्रेक के बाद वापसी करते हुए स्कोर 10-12 किया पर कोरिया की जोड़ी लगातार अंक हासिल कर बढ़त बरकरार रखने में सफल रही और उसने मुकाबला जीता लिया।

गावस्कर बोले, विराट के सामने नहीं चलेगी इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति काम नहीं करेगी। गावस्कर के अनुसार इस सीरीज में इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति का सामना करने के लिए भारत के पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की रणनीति को नाकाम करने की पूरी क्षमता विराट में है। गावस्कर ने कहा, 'विराट आजकल जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है। वह जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति का सामना करने के लिए हमारे पास विराट जैसा बल्लेबाज है। उन्होंने कहा कि कोहली 152 रन और बनाते ही टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में जुड़ जाएंगे। वह आगामी सीरीज में भारत के ट्रंपकार्ड होंगें। उनके नाम 113 मैच में 29 अर्धशतक और 30 शतक हैं। गावस्कर ने कहा, 'हां, पारी को बढ़ाने का मतलब अर्धशतक से ज्यादा शतक होना है। कोहली के पास शतक और अर्धशतक करीब करीब बराबर ही हैं, इसका मतलब है कि उनकी अर्धशतक को शतक में बदलने की गति काफी अच्छी है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने पिछले एक दो साल से टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक रणनीति का जो नया तरीका अपनाया है उसमें बल्लेबाज तेजी से रन बनाने का प्रयास करते हैं। ये रणनीति भारत में इसलिए कारगर नहीं होगी क्योंकि हमारे पास कई अच्छे स्पिनर हैं।

न्यूजीलैंड के स्नेहित ने शुभमन के अंदाज में मनाया जश्न

जोहान्सबर्ग । न्यूजीलैंड के क्रिकेटर स्नेहित रेड्डी ने अंडर 19 क्रिकेट विश्वकप में शतक के बाद जमकर जश्न मनाया। इस दौरान उनका अंदाज भारत के शुभमन गिल जैसा था। इस जश्न का वीडियो आईसीसी ने भी साझा किया है। विश्वकप में न्यूजीलैंड का मुकाबला नेपाल की अंडर-19 टीम से हुआ था। इसमें कीवी टीम ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्नेहित के शतक से 8 विकेट पर 302 रन बनाये। स्नेहित ने 125 गेंद पर 147 रन की पारी खेली। कप्तान ऑस्कर जैकसन 75 ने भी बेहतर बल्लेबाजी की। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 157 रन की साझेदारी की। स्नेहित ने अपनी पारी में 11 चौके और 6 छक्के लगाये। इस दौरान उन्होंने शुभमन के अंदाज में सामने की ओर झुकते हुए दर्शकों का अभिवादन किया। न्यूजीलैंड ने स्नेहित की इस पारी से नेपाल को 64 रन से हराया था। वहीं नेपाल की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 238 रन ही बना पायी। स्नेहित ने अपने जश्न को लेकर कहा कि शुभमन गिल मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं और उनके खेलने का अंदाज शानदार है।

विजय देवरकोंडा ने रश्मिका मंदाना के साथ सगाई की खबरों को अफवाह बताया

कुछ दिनों से तेलुगु सुपर स्टार विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की सगाई की अफवाहें चर्चा में थीं। अफवाहों के अनुसार विजय और रश्मिका फरवरी के दूसरे हफ्ते में सगाई कर सकते थे। ऐसे में विजय ने अब इन अफवाहों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने लाइफस्टाइल एशिया से बातचीत में कहा- मैं फरवरी में सगाई या शादी नहीं कर रहा हूं। ऐसा लगता है जैसे मीडिया वाले हर दो साल में मेरी शादी कराना चाहते हैं। मैं ये अफवाह हर साल सुनता हूं। वे बस मुझे पकड़ने और मेरी शादी कराने के इंतजार में घूम रहे हैं।

विजय-रश्मिका फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं

साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म गीता गोविंदम में विजय और रश्मिका साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म डियर कॉमरेड में भी साथ दिखे थे। इस फिल्म में विजय-रश्मिका की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री काफी पसंद की गई थी। फिल्मों के सेट से खबरें थीं कि दोनों रिलेशनशिप में हैं, हालांकि दोनों ही एक्टर्स ने कभी इस पर खुलकर बात नहीं की है।

विजय की हुडी में स्पॉट हुई थीं रश्मिका मंदाना

नवंबर में रश्मिका मंदाना को एयरपोर्ट में विजय देवरकोंडा की हुडी पहने हुए स्पॉट किया गया था। कुछ समय पहले वही हुडी विजय ने पहनी थी। ये हुडी विजय देवरकोंडा की ब्रांड राउडी की थी। इसके अलावा दोनों ने पिछले साल मालदीव में साथ छुट्टियां मनाई थीं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को हाल ही में वियतनाम में वेकेशन एन्जॉय करते हुए भी देखा गया था।

रश्मिका और विजय के आने वाले प्रोजेक्ट्स

रश्मिका मंदाना इन दिनों ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनका लीड रोल था। आने वाले दिनों में रश्मिका के पास 3 तेलुगु और एक हिंदी फिल्म है। वो पुष्पा-2: द रूल, रेनबो और द गर्लफ्रेंड के साथ-साथ हिंदी फिल्म छावा में नजर आएंगी। वहीं विजय देवरकोंडा की बात करें तो वो साउथ फिल्म फैमिली स्टार और ड्ढष्ठ-16 का हिस्सा हैं। विजय ने फिल्म लाइगर से बॉलीवुड डेब्यू किया था, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी।

विक्की कौशल ने की 12वी फेल की जमकर तारीफ

विक्रांत मैसी और मेधा शंकर स्टारर फिल्म '12वी फेल' रिलीज के इतने दिनों बाद भी सुर्खियों में है। आए दिन बॉलीवुड सेलेब्रिटी फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। इसी बीच विक्की कौशल ने भी फिल्म की तारीफ की। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा-नि:शब्द हूं! बहुत रोया पर दिल खुश हो गया। सबसे अच्छी फिल्म, सबसे अच्छी परफार्मेंस और साल की सबसे अच्छी कहानी। क्या सिनेमेटोग्राफी है। उन्होंने आगे लिखा- जल्द ही आपसे मिलकर गले लगना है। क्या इंस्पायरिंग परफार्मेंस दी है। एक्टर ने मेधा शंकर और पूरी टीम की भी प्रशंसा करते हुए लिखा- मेधा शंकर बहुत ही शानदार! फिल्म के सभी कलाकारों और सभी टेक्नीशियन को भी मेरा सलाम! क्या फिल्म है।

पहले भी कई सेलेब्स कर चुके हैं तारीफ

ऋतिक ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा- मैंने 12वीं फेल देखी। ये फिल्म मेकिंग में मास्टरक्लास है। बाकी सब चीजों से ऊपर मैं फिल्म की साउंड इफेक्ट से बहुत इंप्रेस हुआ हूं, जिसने फिल्म के हर सीन में जान डाल दी। शानदार परफार्मेंस। मिस्टर चोपड़ा, क्या फिल्म है! प्रतिभा के लिए धन्यवाद। मैं इससे बहुत प्रेरित हुआ हूं। ऋतिक के पहले कटरीना कैफ, जान्हवी कपूर भी फिल्म की तारीफ कर चुकी हैं।

नो-फिल्टर विद नेहा पर अनफिल्टर्ड मोमेंट्स शेयर करेंगे शाहिद और कृति

एक्टर शाहिद कपूर और कृति सेनन नेहा धूपिया के साथ उनके हिट टॉक शो नो-फिल्टर विद नेहा की अपकमिंग इंस्टॉलमेंट के दो अलग-अलग एपिसोड में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक, कृति अगले एपिसोड की शूटिंग करेंगी। सूत्र ने साझा किया: शाहिद कपूर और कृति सेनन शो के लिए पूरी तरह तैयार हैं, उनके एपिसोड अपकमिंग वीक में शूट किए जाने हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, नेहा को टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे के साथ देखा गया था। शाहिद और कृति अपकमिंग फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अमित जोशी और आराधना साह द्वारा निर्देशित, मैडॉक फिल्म का निर्माण, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया दिनेश विजान, ज्योति देशपांडे और लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्मित है। ट्रेलर 18 जनवरी को आने के लिए बिल्कुल तैयार है। फिल्म 9 फरवरी, 2024 को रिलीज होगी।

गदर-3 पर बोले डायरेक्टर अनिल शर्मा

सनी देओल स्टारर फिल्म 'गदर 2' को लोगों ने खूब पसंद किया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की। वहीं अब गदर 2 की सफलता के बाद गदर 3 बनाने का ऐलान कर दिया गया है। गदर के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने खुद इसकी पुष्टि की है। खबरों की मानें तो जी स्टूडियोज, अनिल शर्मा और सनी देओल के बीच कागजी कार्रवाई भी पूरी हो चुकी है। अब जल्द ही फिल्म की स्क्रिप्टिंग पर शुरू होगा।

गदर-3 के बेसिक आइडिया पर काम हो चुका है

इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने बताया कि फिल्म के पहले दौर की कागजी कार्रवाई हो चुकी है। गदर-2 की रिलीज के बाद से ही फिल्म के मेकर्स ने गदर-3 की कहानी पर काम शुरू कर दिया था। बता दें गदर की पहले दोनों पार्ट की तरह ही तीसरे पार्ट की कहानी भी भारत-पाक की लड़ाई पर आधारित होगी। हालांकि, उनका कहना है कि इस बार कहानी पहले से कुछ अलग होगी। फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू हो सकती है।

तारा सिंह फिर वापस आएंगे

अनिल शर्मा ने इंटरव्यू में बताया कि, हां तारा सिंह वापस लौटेंगे। क्योंकि हमने गदर-3 का बेसिक आइडिया पहले ही तैयार कर लिया है। बहरहाल, अभी मैं नाना पाटेकर और उत्कर्ष के साथ एक दूसरी फिल्म पर काम कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि मेरी अगली फिल्म गदर-3 ही होगी। मैं जल्द ही फिल्म की फाइनल स्क्रिप्ट पर काम शुरू करुंगा। गदर में तारा सिंह के बेटे जीत का किरदार निर्देशक अनिल के बेटे उत्कर्ष ने निभाया था। उत्कर्ष गदर-2 में भी सनी के बेटे का किरदार निभाते दिखाई दिए हैं। गदर-3 में भी वो नजर आएंगे। बता दें, सनी देओल फरवरी में लाहौर: 1947 की शूटिंग शुरू करेंगे। इसके बाद सनी फिल्म रामायण में अपने हिस्से की शूटिंग कर सकते हैं। वहीं 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर की अगली पार्ट भी आने की खबरें सामने आई हैं।

श्रीराम से खास जुड़ाव महसूस करते हैं गुरमीत

प्रभु श्रीराम के आगमन के स्वागत में अयोध्या सज चुकी है। करीब 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या के ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। 22 जनवरी को भव्य कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, जिसमें पूरा देश हिस्सा ले रहा है। इस बीच टीवी पर श्री राम का किरदार निभाने वाले गुरमीत चौधरी ने बताया कि उनका भगवान राम से खास कनेक्शन है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने ऐसा क्यों कहा है। अभिनेता गुरमीत चौधरी को लगता है कि यह नियति थी कि उन्हें अपने शो रामायण में राम का किरदार निभाने का मौका मिला। अभिनेता ने कहा, उनके पिता का नाम सीताराम है और उनकी पत्नी, अभिनेत्री देबिना बनर्जी की मां का नाम शबरी है। उनका जन्म जिस गांव में हुआ था उसका नाम जयरामपुर है तो जाहिर है कि श्रीराम का गुरमीत चौधरी के जीवन से खास जुड़ाव है।

देबीना ने साझा किया अनुभव

उनकी पत्नी देबीना बनर्जी ने श्रीराम से अपने जुड़ाव के बारे में बताते हुए कहा, मैं रोजाना सुबह 4.30 बजे शारीरिक प्रशिक्षण के लिए जाती हूं। रास्ते में मैं राम जी के बहुत सारे पोस्टर देखती हूं। मुझे लगता है कि यह उस तरह का उत्सव है, जो भगवान राम के अयोध्या लौटने पर हुआ होगा। ऐसी ही वाइब रही होगी। जब मैं घर से निकलती हूं तो लोग गुड मॉर्निंग की जगह राम राम बोलते हैं।

रामायण शो में श्रीराम बने थे गुरमीत

बता दें कि गुरमीत ने दो साल पहले राम मंदिर निर्माण स्थल का दौरा किया था और दान भी दिया था। अभिनेता से जब उनकी दान की गई राशि के बारे में पूछें, और तो उन्होंने कहा, इस बारे में ना बात करें तो अच्छा है। कुछ चीजों के बारे में बात नहीं की जानी चाहिए क्योंकि इससे बहुत सारी आस्थाएं जुड़ी होती हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे ऐसा करने का मौका मिला और साथ ही जब मैं सिर्फ 24 साल का था तब शो में राम का किरदार निभाया था।

डीपफेक वीडियो की शिकार हुईं नोरा फतेही, बोलीं- शॉक्ड हूं, ये मैं नहीं हूं

एक्ट्रेस नोरा फतेही के उस वक्त होश उड़ गए, जब उन्होंने अपना डीपफेक वीडियो देखा। एक क्लोदिंग ब्रांड ने अपनी एंड ऑफ सीजन सेल के प्रमोशन के लिए नोरा फतेही के डीपफेक वीडियो का इस्तेमाल किया। नोरा की नजर जब इस वीडियो पर पड़ी तो उन्हें तगड़ा शॉक लगा। उन्होंने तुरंत ही फैंस को इसे लेकर अलर्ट किया और कहा कि इस वीडियो में वह नहीं हैं। पिछले कुछ दिनों में कई सिलेब्रिटीज डीपफेक वीडियो के शिकार हुए हैं। रश्मिका मंदाना से लेकर सोनू सूद, काजोल, कटरीना कैफ और आलिया भट्ट तक के डीपफेक वीडियो सामने आए। सवाल उठ रहे हैं कि किस तरह से टेक्नॉलजी का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है, और यह कितना खतरनाक है। हाल ही सोनू सूद का डीपफेक वीडियो सामने आया था, जिसमें एक बहरूपिये ने उनके नाम पर एक परिवार से पैसे ऐंठने की कोशिश की। अब नोरा फतेही भी डीपफेक का शिकार हो गईं।

मैं शॉक्ड हूं, ये मैं नहीं हूं

नोरा फतेही ने उस क्लोदिंग ब्रांड के विज्ञापन के वीडियो का स्क्रीनशॉट इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया, जिसमें उनके डीपफेक वीडियो का इस्तेमाल हुआ। साथ में नोरा ने लिखा, मैं शॉक्ड हूं। ये मैं नहीं हूं। मालूम हो कि विज्ञापन में दिख रही महिला नोरा फतेही जैसी लग रही है, लेकिन असल में वह नहीं हैं।

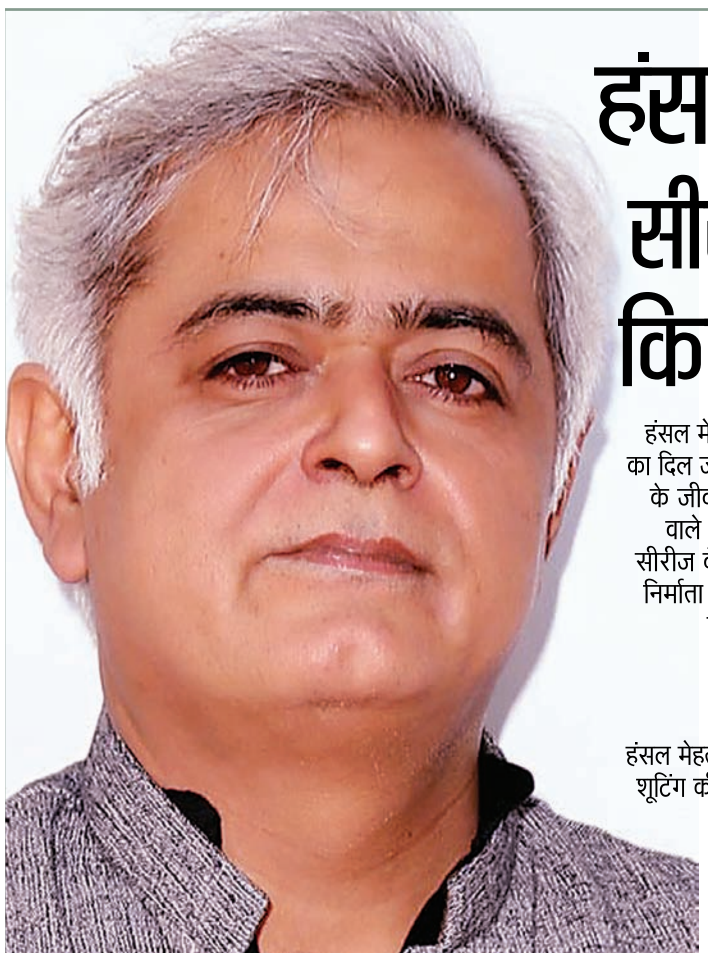

हंसल मेहता ने शुरू की वेब सीरीज गांधी की शूटिंग, मुख्य किरदार में नजर आएंगे प्रतीक

हंसल मेहता की वेब सीरीज स्कैम 1992 से लोगों का दिल जीतने वाले प्रतीक गांधी अब महात्मा गांधी के जीवन पर बन रही वेब सीरीज में नजर आने वाले हैं। निर्देश हंसल मेहता ने बीते दिनों इस सीरीज के बनाने का एलान किया था। वहीं, आज निर्माता ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कर इस सीरीज की शूटिंग शुरू होने की जानकारी भी दी है।

शूटिंग की दिखाई झलक

हंसल मेहता ने अफने आधिकारिक एक्स अकाउंट से शूटिंग की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में निर्माता कैमरे के साथ दिख रहे हैं। इसके अलावा शूटिंग करते हुए की कुछ झलकियां दिखाई गई हैं। एक तस्वीर में एमके गांधी लिखा हुए है। उन्होंने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए घोषणा की कि उनके अगले प्रोजेक्ट का नाम गांधी है। इस सीरीज की शूटिंग आज से गुजरात में शुरू हो गई है। इस घोषणा ने हंसल मेहता के प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है।

गांधी सीरीज की शूटिंग शुरू

हंसल ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, इतिहास बन रहा है, आज से सीरीज गांधी की शूटिंग शुरू दी है। इतिहासकार और लेखक, रामचंद्र गुहा के लेखन पर आधारित यह सीरीज उनकी दो किताबों गांधी बिफोर इंडिया और गांधी-द इयर्स दैट चेंज्ड द वर्ल्ड, 1914-1948 पर आधारित होगी। निर्माता की पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया साझा कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, इसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं सर। शुभकामनाएं।

वहीं, दूसरे ने कहा, गांधी पर फिल्म बनाने के आपके साहस को सलाम। एक अन्य ने लिखा, इस सीरीज को देखने के लिए उत्साहित हूं। एक यूजर ने कहा, आज के समय में इसकी बहुत जरूरत है।

मुख्य किरदार में नजर आएंगे प्रतीक गांधी

गांधी सीरीज के बारे में बात करें तो यह बहुप्रतीक्षित बायोपिक महात्मा गांधी के जीवन और समय को दर्शाने वाली है। इस सीरीज की शूटिंग भारत के अलावा विदेशी में भी की जाएगी। हंसल मेहता के निर्देशन में बनने जा रही इस सीरीज में प्रतीक गांधी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। गांधी सीरीज के का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा अप्लॉज प्रोडक्शंस के सहयोग से किया जा रहा है।